अधिकतम : 27° C
न्यूनतम : 14° C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

# शाह टाइम्स

देहरादून, बुधवार 25 मार्च 2026 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 226 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com चैत्र कृष्ण पक्ष 7 विक्रमी सम्वत् 2083 5 शव्वाल 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

अब देश का पसंदीदा निवेश स्थल बना यूपी: योगी

पेज 2

शांत रहने से आपको साफ नजरिया मिलता है: गिल

खेल टाइम्स

शिक्षा का बजट घटाया, तो पीढ़ियां माफ नहीं करेंगी

सम्पादकीय

तेल अवीव पर ईरानी मिसाइलों की बारिश

पेज 12

## संक्षिप्त समाचार

### यूको बैंक के दो अधिकारियों सहित चार को पांच साल की सजा

**नई दिल्ली।** अहमदाबाद की एक विशेष केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) अदालत ने बैंक धोखाधड़ी के दो अलग-अलग मामलों में यूको बैंक के अधिकारियों सहित चार व्यक्तियों को पांच साल के सश्रम कारावास की सजा के साथ ही उन पर कुल 1.33 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। अदालत ने पहले मामले में गांधीनगर के चिलोडा शाखा के यूको बैंक के तत्कालीन वरिष्ठ प्रबंधक मेदम भगवती प्रसाद और तत्कालीन सहायक प्रबंधक भास्कर रमेशचंद्र सोनी के साथ साबरकांठा के हेवन फाइव एंटरप्राइज के प्रोपराइटर जयेंद्र सिंह दह्याजी मकवाना को बैंक धोखाधड़ी के मामले में पांच साल के सश्रम कारावास और कुल 1.33 करोड़ रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई।

### आई एंड पैक रेड मामले में सुप्रीम कोर्ट का दखल

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में आई-पैक के ऑफिस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रेड के मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने मंगलवार को ममता बनर्जी की बंगाल सरकार से पूछा कि अगर केंद्र में आपकी सरकार होती और कोई राज्य ऐसी कार्रवाई करता, तो आपका रुख क्या होता। जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने पूछा कि क्या ड्यूटी पर मौजूद ईडी अधिकारी अपने अधिकार खो देते हैं। कोर्ट ने बताया कि ईडी के कुछ अधिकारियों ने निजी तौर पर भी याचिका दायर की है। राज्य की ओर से सीनीयर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि ईडी के पास अन्य कानूनी विकल्प हैं, इसलिए वह आर्टिकल 32 के तहत याचिका नहीं दे सकती।

### रेलवे ने टिकट कैंसिल करने के बदले नियम

**नई दिल्ली।** भारतीय रेलवे ने ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत दी हैं। रेलवे ने टिकट कैंसिलेशन और बोर्डिंग प्वाइंट बदलने के नियमों में बदलाव किया है। रेलवे के नए नियमों के मुताबिक, अगर कोई यात्री अपनी कन्फर्म टिकट को यात्रा से 72 घंटे पहले कैंसिल करता है, तो उसे लगभग पूरा पैसा वापस मिल जाएगा। इस दौरान केवल एक तय फ्लैट कैंसिलेशन चार्ज ही काटा जाएगा। जबकि बाकी राशि रिफंड कर दी जाएगी। इससे समय पर टिकट कैंसिल करने वालों को राहत मिलेगी। अगर टिकट 72 घंटे से लेकर 24 घंटे के बीच कैंसिल की जाती है, तो रेलवे किराए का 25 प्रतिशत हिस्सा काटेगा और बाकी पैसा लौटाएगा।

### एक साल में निपटाएं आतंकवाद विरोधी केस: सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली।** आतंकवाद विरोधी मामलों में सख्ती दिखाते हुए सप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा निर्देश दिया। सर्वोच्च न्यायालय ने मंगलवार को दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र समेत 17 राज्यों से कहा कि वे विशेष एनआईए अदालतों के माध्यम से यूएपीए यानी आतंकवाद विरोधी मामलों के मुकदमों को एक साल के अंदर निपटाने का प्रयास करें।

# देश में पहली बार इच्छामृत्यु: एम्स में हरीश राणा की मौत

शाह टाइम्स ब्यूरो

**नई दिल्ली।** गाजियाबाद के हरीश राणा का मंगलवार को दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। हरीश राणा ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें सुप्रीम कोर्ट से इच्छामृत्यु की अनुमति मिली थी। 13 साल से अधिक समय तक कोमा में रहने के बाद दिल्ली के एम्स में हरीश राणा का निधन हो गया।

हरीश राणा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर अस्पताल (आईआरसीएच) में भर्ती थे। उन्हें उपशामक देखभाल वार्ड में रखा गया था। वे पिछले एक सप्ताह से बिना खाना और पानी के जीवित थे। यह प्रक्रिया छह दिनों से चल रही थी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद एम्स ने डाक्टरों की एक कमेटी गठित की और उसे 14 मार्च को एम्स में भर्ती कराया गया था। बता दें कि, डाक्टर के अनुसार हरीश राणा के शरीर से पोषण देने वाली ट्यूब निकाली नहीं गई थी, बल्कि उस पर कैप लगा दिया गया था। इसी तरह पानी देने वाली ट्यूब को भी कैप लगाकर बंद कर दिया गया था। इस तरह से हरीश राणा को इच्छामृत्यु देने की प्रक्रिया आगे बढ़नी शुरू हुई थी। वहीं इससे पहले हरीश राणा के माता-पिता की ओर से उनके अंगदान का निर्णय लेने के बाद डाक्टरों ने उनकी जांच की। हरीश राणा की मृत्यु के बाद उनके अंगों से दूसरे लोगों को भी जीवन मिल सकेगा। बता दें कि हरीश राणा पिछले 13 साल से बिस्तर पर पड़े होकर जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहे थे। साथ ही पूरी प्रक्रिया के बारे में निर्देश दिए थे। एम्स के डाक्टर पूरी प्रक्रिया को दर्द रहित और सामान्य बनाने पर काम कर रहे थे। इच्छामृत्यु की दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू होने के बाद हरीश राणा से मिलने की अनुमति बंद कर दी गई थी।

- 13 साल से कोमा में थे हरीश
- वे पिछले एक सप्ताह से बिना खाना और पानी के सांसें ले रहे थे

# हिंसा और प्रलोभन मुक्त चुनाव के लिए ईसीआई का मास्टर प्लान

**नई दिल्ली।** भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने मंगलवार को 'अंतर-राज्यीय सीमा बैठक' आयोजित की। इसका उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनावों और विभिन्न राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में होने वाले उपचुनावों से पहले, समन्वय बढ़ाना, अवैध गतिविधियों पर रोक लगाना और फेयर चुनाव सुनिश्चित करना है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्तों डा. एसएस संधू और डा. विवेक जोशी के साथ 5 चुनावी राज्यों और उनके 12 पड़ोसी राज्यों के मुख्य सचिवों, मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ), पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) के साथ- साथ प्रवर्तन एजेंसियों के प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक की।

- सीमाओं को सील करने और सघन जांच के आदेश

# ईसाई या इस्लाम अपनाने पर खत्म होगा एससी का दर्जा: सुप्रीम कोर्ट

## केवल हिंदू, बौद्ध व सिख को ही अनुसूचित जाति का मिलेगा दर्जा

शाह टाइम्स ब्यूरो

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से जुड़े लोग ही अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त कर सकते हैं। अगर कोई ईसाई या किसी और धर्म में धर्मांतरण करता है, तो वह अनुसूचित जाति का दर्जा खो देगा।

जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ईसाई धर्म अपनाने वाला दलित व्यक्ति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मिलने वाले किसी भी संरक्षण का दावा नहीं कर सकता है। यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के फैसले के खिलाफ लगाई गई चिंथाडा की याचिका पर सुनाया गया। धर्म परिवर्तन के बाद पादरी बने चिंथाडा आनंद ने याचिका लगाई थी कि उन्हें अक्काला रामिरेड्डी समेत कुछ लोगों से जातिगत भेदभाव और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। 1985 के सूसाई बनाम भारत सरकार से जुड़े एक केस में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि यदि कोई व्यक्ति ईसाई धर्म अपनाने के बाद दोबारा हिंदू धर्म में लौटता है, तो उसे एससी दर्जा प्राप्त करने के लिए विश्वसनीय प्रमाण और समुदाय की स्वीकृति की जरूरत होगी। केवल लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से धर्म परिवर्तन करने को सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के साथ धोखा करार दिया। यह मामला विशाखापट्टनम जिले के अनाकापल्ली का है, जहां मूल रूप से एससी (माला समुदाय) के चिंथाडा ने ईसाई धर्म अपना लिया और पादरी बन गया।

- दोबारा हिंदू धर्म में लौटने पर एससी का दर्जा प्राप्त करने को विश्वसनीय प्रमाण और समुदाय की स्वीकृति की जरूरत होगी

### महिला अफसर सेना में स्थायी कमीशन की हकदार: शीर्ष अदालत

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) की महिला अफसरों को पूरी पेंशन देने का आदेश दिया। जिन मामलों में महिला अफसर परमानेंट कमीशन (पीसी) नहीं मिलने के कारण पहले ही सेवा छोड़ चुकी थीं, उन्हें एकमुश्त राहत देते हुए 20 साल की सेवा पूरी मानकर पेंशन और अन्य लाभ देने का फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि सशस्त्र बलों के भीतर मौजूद सिस्टमिक भेदभाद के कारण महिला अफसरों को परमानेंट कमीशन से वंचित किया गया। महिलाओं को परमानेंट कमीशन न देना उनकी योग्यता की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था में मौजूद भेदभाव का नतीजा था। पूरा मामला एसएससी के तहत नियुक्त महिला अफसरों की याचिकाओं से जुड़ा था, जिन्होंने पीसी देने की मांग की थी। एसएससी के तहत नियुक्त अफसर का कार्यकाल 10 साल का होता है, जिसे 4 साल तक बढ़ाया जा सकता है।

# ईरान से जंग जारी रही, तो गंभीर नतीजे होंगे: पीएम मोदी

शाह टाइम्स ब्यूरो

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया के हालात पर राज्यसभा में कहा कि अमेरिका-इजरायल की ईरान से जंग जारी रही, तो इसके दुष्परिणाम होंगे। आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें राज्यों का सहयोग जरूरी है। टीम इंडिया की तरह काम करना होगा। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में हमारे जहाज और भारतीय क्रू फंसे हुए हैं।

ये चिंताजनक है। हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। गैस-तेल, फर्टिलाइजर्स जैसे जरूरी सामान की सप्लाई पर असर पड़ा है। एक दिन पहले पीएम ने लोकसभा में 25 मिनट की स्पीच दी थी। उन्होंने कहा था कि इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। इसलिए हमें तैयार रहना होगा। हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे संकट के समय में गरीबों पर, श्रमिकों पर बुरा असर पड़ता है। उन्हें पीएम गरीब अन्न कल्याण योजना का लाभ मिलता रहे। राज्य सरकार इसके लिए विशेष व्यवस्था करे। ऐसे समय में कालाबाजारी करने वाले, जमाखोरी करने वाले एक्टिव होते हैं। जहां से शिकायतें आती हैं, वहां कार्रवाई कीजिए। संकट कितना भी बड़ा है, भारत की तेज ग्रोथ बनाए रखना सबकी जिम्मेदारी है।

- आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेगा
- हमें टीम इंडिया की तरह काम करना होगा

### पश्चिम एशिया संकट के बीच प्रधानमंत्री ने ट्रम्प से की बात, होर्मुज पर जताई चिंता

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत और अमेरिका के बीच उच्च स्तर पर अहम बातचीत हुई है। पीएम मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प से फोन पर बात कर क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। खास तौर पर होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने की जरूरत पर दोनों नेताओं ने गंभीरता से विचार किया, क्योंकि यह वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण मार्ग है। अमेरिकी राजदूत की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच हुई बातचीत में पश्चिम एशिया के हालात और समुद्री सुरक्षा पर फोकस रहा। दोनों नेताओं ने माना कि होर्मुज स्ट्रेट का खुला रहना जरूरी है ताकि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति बाधित न हो। यह बातचीत ऐसे समय हुई है जब इजरायल-ईरान तनाव के कारण क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ रही है।

# लोकसभा में ट्रांसजेंडर बिल पारित

**नई दिल्ली।** लोकसभा ने ट्रांसजेंडर लोगों के अधिकार और सुरक्षा से जुड़े कानून में संशोधन करने वाला बिल पास कर दिया है। इस बिल के जरिये ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए सुरक्षा और उनके अधिकारों को और मजबूत बनाने का प्रयास किया गया है।

अब इस कानून के तहत उनकी पहचान, सामाजिक और आर्थिक अधिकारों की बेहतर रक्षा होगी। कांग्रेस और कुछ अन्य दलों ने बिल को लेकर चर्चा की, लेकिन अंत में यह पारित हो गया। सरकार का कहना है कि यह कदम ट्रांसजेंडर लोगों को समाज में समान अवसर और सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने संसद परिसर में सरकार की नीतियों और ट्रांसजेंडर बिल को लेकर अपनी राय रखी।भारत पहले खुद को विश्व नेता और शांति स्थापित करने वाला देश बताता था, लेकिन आज के हालात चाहे रूस-यूक्रेन जंग हों या अन्य वैश्विक मुद्दे, को देखते हुए हमें इस पर गंभीरता से सोचने की जरूरत है।

- अधिकारों की रक्षा होगी और सुरक्षा कानून में होगा संशोधन

# लैंड फॉर जॉब केस: लालू यादव को झटका

शाह टाइम्स ब्यूरो

**नई दिल्ली।** लैंड फॉर जॉब से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को दिल्ली हाई कोर्ट से झटका लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने लालू प्रसाद यादव की उस मांग को खारिज कर दिया है, जिसमें लालू प्रसाद यादव ने दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग की गई थी।

जस्टिस रविंदर डुडेजा ने कहा कि याचिका में कोई दम नहीं है। दाखिल याचिका में कहा गया था कि सीबीआई ने यह केस बिना जरूरी सेंशन के दर्ज किया गया, जो कानूनी रूप से अवैध है। मामले की सुनवाई के दौरान लालू प्रसाद यादव की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि सीबीआई ने 18 मई 2022 को एफआईआर दर्ज की, जबकि उस समय लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री के रूप में अपने आधिकारिक कर्तव्यों का पालन कर रहे थे। यादव का मामला यह था कि सीबीआई एफआईआर दर्ज करने से पहले उनके खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट (पीसी एक्ट) की धारा 17-ए के तहत जरूरी प्रासिक्यूशन मंजूरी लेने में नाकाम रही थी।

- दिल्ली हाईकोर्ट ने एफआईआर रद्द करने से किया इन्कार

# कश्मीरी अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को उम्रकैद

**श्रीनगर।** कश्मीर की अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा जांच किए गए आतंकी वित्तपोषण और साजिश के मामले में सजा सुनाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की कई धाराओं के तहत अंद्राबी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने उन पर कई लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। यूएपीए की धारा 18 के तहत अंद्राबी को आजीवन कारावास और 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। जुर्माना न भरने की स्थिति में उन्हें एक साल की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। आईपीसी की धारा 120बी के तहत आपराधिक साजिश के लिए उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। उन्हें यूएपीए की धारा 38 और 39 के तहत जुर्माने के साथ-साथ 10-10 साल की साधारण कैद की सजा भी सुनाई गई। अदालत ने उन्हें आईपीसी की धारा 153ए और 505 के तहत जुर्माने और अतिरिक्त सजा के साथ-साथ पांच-पांच साल की सजा भी सुनाई। आईपीसी की धारा 121ए के तहत, उसे आजीवन कारावास और जुर्माना लगाया गया और जुर्माना न भरने पर अतिरिक्त अवधि की सजा सुनाई गई। सह-आरोपी सोफी फहमीदा और नाहिदा नसरीन को अमानवीय दंड संहिता (यूएपीए) की धारा 18 के तहत 30 वर्ष के साधारण कारावास और 5 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई। उन्हें आईपीसी की धारा 120बी के तहत भी 30 वर्ष की सजा दी गई। दोनों को यूएपीए की धारा 38 और 39 के तहत जुर्माने के साथ 10-10 वर्ष की सजा सुनाई गई। उन्हें आईपीसी की धारा 153ए, 153बी और 505 के तहत चार-चार वर्ष की सजा भी सुनाई गई।

- सोफी फहमीदा और नाहिदा नसरीन को 30 साल की जेल

# गैस लेकर दो भारतीय जहाज 26 व 27 मार्च को पहुंचेंगे भारत

शाह टाइम्स ब्यूरो

**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार के अलग-अलग मंत्रालयों ने मंगलवार को दिल्ली में ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेल और गैस संकट पर मौजूदा हालात की जानकारी दी। शिपिंग मंत्रालय के स्पेशल सेक्रेटरी राजेश सिन्हा ने कहा कि दो भारतीय एलपीजी जहाज- पाइन गैस और जग वसंत होर्मुज स्ट्रेट पार कर भारत की ओर बढ़ रहे हैं।

राजेश सिन्हा ने बताया कि पाइन गैस करीब 45,000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर 27 मार्च को न्यू मैंगलोर पोर्ट पहुंचेगा, जबकि जग वसंत लगभग 47,600 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर 26 मार्च को कांडला पहुंचने वाला है। इन जहाजों के निकलने के बाद अब फारस की खाड़ी में 20 भारतीय जहाज हैं, जिन पर 540 भारतीय नाविक सवार हैं। वहीं पेट्रोलियम मंत्रालय की ज्वाइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने कहा कि जंग के कारण एलपीजी की सप्लाई प्रभावित जरूर हुई है, लेकिन किसी भी डिस्ट्रीब्यूटर पर गैस खत्म होने की स्थिति नहीं है। उन्होंने बताया कि हाल ही में कुछ पैनिक बुकिंग देखी गई, लेकिन डिलीवरी सामान्य रही। सुजाता शर्मा ने कहा कि देश में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और पेट्रोल-डीजल की सप्लाई भी पर्याप्त है। सभी घरेलू उपभोक्ताओं को एलपीजी सिलेंडर मिल रहे हैं और पीएनजी की सप्लाई भी 100 फीसदी बनी हुई है। पेट्रोल पंप सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। सरकार ने लोगों को अफवाहों पर ध्यान न देने और पैनिक बुकिंग से बचने की सलाह दी। सरकार ने बताया कि जहां भी पीएनजी पाइपलाइन मौजूद हैं, वहां सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) कंपनियों को 5 दिनों के भीतर स्कूलों, कॉलेजों, हॉस्टलों, कम्युनिटी किचन और आंगनवाड़ी किचन में कनेक्शन देने का निर्देश दिया गया है।

- दोनों भारतीय एलपीजी जहाज- पाइन गैस और जग वसंत होर्मुज स्ट्रेट पार कर चुके: केंद्र सरकार

## संक्षिप्त समाचार

### उत्तर प्रदेश में 26 से फिर बदलेगा मौसम बूंदाबांदी के आसार

**लखनऊ।** पिछले सप्ताह आंधी, ओलावृष्टि और बारिश से फसलों को प्रभावित करने के बाद मौसम का मिजाज 26 मार्च से एक बार फिर तल्ख होने के आसार है। मौसम विभाग ने 26 मार्च को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं कहीं गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान जताया है, जबकि पूर्वी भाग में मौसम सामान्यत: शुष्क रहेगा। हालांकि 27 मार्च को दोनों हिस्सों में कहीं-कहीं वर्षा और गरज-चमक की संभावना है। 28 मार्च को पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहने के आसार है, वहीं 29 मार्च को: पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर वर्षा या बौछारें पड़ने का अनुमान है, जबकि पूर्वी हिस्से में मौसम शुष्क रहेगा। 30 मार्च को पश्चिमी और पूर्वी दोनों क्षेत्रों में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। विभाग के अनुसार 27 मार्च को प्रदेश के कुछ स्थानों पर मेघगर्जन के साथ बिजली गिरने की संभावना है।

### भाजपा के वरिष्ठ नेता महेंद्र का निधन

**देवरिया।** भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व एमएलसी महेंद्र यादव का सोमवार देर रात गोरखपुर में उपचार के दौरान निधन हो गया। वे लगभग 75 वर्ष के थे और कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। महेंद्र यादव का राजनीतिक जीवन लंबा और सक्रिय रहा। उन्होंने देवरिया में भाजपा के जिलाध्यक्ष के रूप में वर्ष 2011 से 2017 तक संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा वे सदर ब्लॉक प्रमुख के पद पर भी लंबे समय तक रहे और बाद में एमएलसी के रूप में कार्य किया। उनके निधन की खबर मिलते ही जिले सहित राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई।

# गैस की किल्लत व महंगाई से ठप हुए छोटे कारोबार

शाह टाइम्स ब्यूरो




■ मजदूर हो रहे पलायन को मजबूर

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में रसोई गैस की गहराते संकट और बढ़ती कीमतों ने छोटे कारोबारियों और प्रवासी मजदूरों की कमर तोड़ दी है। हालात ऐसे हो गए हैं कि पूर्वांचल के जिलों से आए कई मजदूर और ठेला-खोमचा संचालक अपने व्यवसाय बंद कर गांव लौटने को मजबूर हैं।

आजमगढ़, बस्ती, देवरिया, मऊ, बलिया, जौनपुर और कुशीनगर जैसे जिलों से आए लोगों का कहना है कि गैस की अनियमित आपूर्ति और ब्लैक में दोगुने दाम पर सिलेंडर मिलने से रोजी-रोटी चलाना मुश्किल हो गया है। हजरतगंज में बन-मक्खन चाय की दुकान चलाने वाले राकेश मौर्य बताते हैं कि कमाई घट रही है और गैस पर खर्च बढ़ता जा रहा है। इंदिरानगर में फास्ट फूड का ठेला लगाने वाले बस्ती निवासी अरविंद मिश्रा कहते हैं कि 10 दिन से सिलेंडर नहीं मिला, जिससे काम पूरी तरह बंद हो गया है। रोजाना 500 रुपये तक कमाने वाले अरविंद अब किराया तक नहीं चुका पा रहे हैं और गांव लौटने का फैसला कर चुके हैं। निशातगंज में चाट बेचने वाले देवरिया निवासी राहुल वर्मा का कहना है कि गैस ब्लैक में बहुत महंगी मिल रही है। मजबूरी में उन्होंने इंडक्शन चूल्हा खरीदा, लेकिन उससे काम की रफ्तार धीमी हो गई है और ग्राहक इंतजार नहीं करते। गोमतीनगर में बलिया के मनोज सिंह ने बताया कि गैस दोगुने दाम पर मिल रही है, ऐसे में दुकान चलाना असंभव हो गया है। चौक क्षेत्र में कबाब-पराठा बेचने वाले कुशीनगर के मोहम्मद आरिफ के अनुसार गैस खत्म होने पर उन्होंने लकड़ी से खाना बनाने की कोशिश की, लेकिन मकान मालिक ने इसकी अनुमति नहीं दी, जिससे उनकी आमदनी पूरी तरह प्रभावित हो गई। संकट का असर केवल ठेला-खोमचा चलाने वालों तक सीमित नहीं है। ट्रांसपोर्ट नगर, टॉकटोरा इंडस्ट्रियल एरिया और चिनहट जैसे इलाकों में दिहाड़ी मजदूर भी भारी संकट में हैं। कई मजदूर बैग और बिस्तर के साथ शहर छोड़ते नजर आ रहे हैं।

### गैस के कारण जीवन यापन मुश्किल हो गया

सरोजिनी नगर और अमौसी की छोटी इकाइयों में काम करने वाले मजदूरों का कहना है कि काम होने के बावजूद महंगी गैस के कारण जीवन यापन मुश्किल हो गया है। चिनहट में पैकेजिंग यूनिट में काम करने वाले उन्नाव के मनोज कुमार कहते हैं कि गैस उपलब्ध भी हो, तो इतनी महंगी है कि खरीद पाना संभव नहीं। एक होटल में काम कर रहे बहराइच के शंकर सोनी एक हफ्ते से सिलेंडर भरवाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन डीलर स्टॉक न होने की बात कह रहे हैं। बर्लिंगटन स्थित 'गुप्ता चाट कॉर्नर' के संचालकों ने बताया कि उनका सिलेंडर खत्म होने वाला है और दुकान बंद होने की कगार पर है। वहीं हुसैनगंज में बाटी-चोखा बेचने वाले एक परिवार ने दुकान बंद कर गांव लौटने का फैसला कर लिया है। लखनऊ में एलपीजी संकट ने छोटे व्यापारियों और मजदूरों के सामने गंभीर आजीविका संकट खड़ा कर दिया है।

# यूपी में लोकसभा सीटें बढ़ने का बैठक में उठाएंगे मुद्दाः अखिलेश यादव

**लखनऊ।** मोदी सरकार इस सत्र में महिला आरक्षण कानून में संशोधन विधेयक ला सकती है और इसे लेकर राजनीतिक गलियारों में भी चर्चा तेज है। अगर केंद्र सरकार इस बिल को लाती है, तो उत्तर प्रदेश में भी लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ जाएगी। वहीं इसे लेकर अब समाजवादी पार्टी के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का भी बयान सामने आ गया है।

सपा चीफ अखिलेश यादव से पूछा गया कि सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इस पर अखिलेश यादव ने कहा कि हमार नेता इस बैठक में महिला आरक्षण बिल को लेकर भी बात करेंगे, जो हमारा पहले स्टैंड था वही रहेगा कि पार्टी वाइज रिजर्वेशन हो और पार्टी को रिजर्वेशन का अधिकार दो हम उसके पक्ष में हैं। वहीं मिडिल ईस्ट जंग पर अखिलेश यादव ने कहा कि वार से सभी को नुकसान हो रहा है, भारत के पास एक मौका था भारत ने मौके को गंवा दिया है। उन्होंने कहा कि एक बार बिना प्रोटोकॉल पीएम पाकिस्तान गए थे आज फिर वो समय आ गया है। समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन ने भी इस पहल का स्वागत किया, लेकिन कहा कि आरक्षण कैसे लागू किया जाएगा, इस पर स्पष्टता की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हमारे देश में महिलाओं के लिए आरक्षण हो, लेकिन इसे कैसे लागू किया जाएगा, आरक्षण के मानदंड क्या होंगे, यह सब देखने की जरूरत है।

### 2029 लोस चुनाव से पहले बदल जाएगा यूपी का सियासी नक्शा!

**सिर्फ 80 सीटों पर नहीं होंगे चुनाव, बढ़ेंगे 40 सांसद?**

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश का सियासी नक्शा 2029 के लोकसभा चुनाव के पहले बदल सकता है। महिला आरक्षण कानून लागू होने के बाद परिसीमन के आसार जताए जा रहे हैं, तो अब यूपी में कितनी लोकसभा सीटें होने के अनुसमान है? लोकसभा चुनाव 2029 से पहले देश में निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या बढ़ सकती है। केंद्र सरकार आगामी 2029 के लोकसभा चुनाव से महिला आरक्षण कानून यानी नारी वंदन अधिनियम लागू करने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के अनुसार इस प्रक्रिया के तहत लोकसभा की कुल सीटों को मौजूदा 543 से बढ़ाकर लगभग 816 करने की योजना पर भी काम चल रहा है।

# कौन सा कानून है, जो गंगा में खाना खाने को मना करता हैः ओवैसी

नई दिल्ली, वार्ता

■ देश मनमानी से नहीं, संविधान से चलेगा

एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने गंगा में इफ्तार पार्टी करने वाले युवकों का मसला उठाया। इस दौरान ओवैसी ने कहा कि ऐसा कौन सा कानून है, जो गंगा नदी में लोगों को खाना खाने से मना करता है, ऐसा कोई भी कानून नहीं है, बनारस वाले मामले में लोगों को जबरन फंसाया गया है, इस मुद्दे को भी लोगों ने राजनीतिक मुद्दा बना दिया है, जबकि एक भी ऐसा वीडियो नहीं है, जिसमें दिख रहा हो कि वहां उन लड़कों ने मांस खाया है।

उन्होंने कहा कि साफ तौर पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। गंगा में नाले के पानी गिरते हैं, क्या वो सही है। गंगा मां हैं, तो उनका ध्यान क्यों नहीं रखा जाता है। साफ क्यों नहीं है। उन्होंने कहा कि यही वह देश है। जहां मुसलमानों को ईद मनाने के लिए हाईकोर्ट जाना पड़ता है। दूसरी तरफ उन्हें खून की होली खेलने की धमकी दी जाती है। भाईजान का हिंदुस्तान' सत्र में असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि ओवैसी ने कहा कि देश मनमानी से नहीं, संविधान से चलेगा। सरकार राष्ट्रीयता को हिंदुत्व से जोड़ रही है। भारत में मुसलमान कोई चांद से नहीं आया। इसी जमीन के हैं, यहीं पैदा हुए है। मुसलमान देशभक्त हैं और भारत सबका है। असदुद्दीन ओवैसी ने आगे कहा कि आज भारत क्या करेगा इसका फैसला ट्रंप ले रहे हैं।

## यूपी लोक भवन सभागार में निवेश मित्र 3.0 शुरू, 2017 से पहले कोई नहीं करता था निवेश

# अब देश का पसंदीदा निवेश स्थल बना यूपी

लखनऊ, वार्ता

■ 85 निवेशकों को लेटर ऑफ कम्फर्ट, एलिजिबिलिटी प्रमाण पत्र, सब्सिडी और भूमि आवंटन पत्र सौंपे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 में कोई भी निवेशक जब उत्तर प्रदेश आता था, तो यूपी में निवेश के नाम पर वह चुप हो जाता था। हमने संकल्प लिया और आज उत्तर प्रदेश भारत में निवेश का हब बन गया है। अब ये निवेश का केंद्र है और हम लगातार तरक्की कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में मंगलवार को लोक भवन सभागार में निवेश मित्र 3.0 का शुभारंभ किया गया। यह उन्नत एआई-आधारित सिंगल विंडो पोर्टल निवेशकों को 40 से अधिक विभागों की 200 से ज्यादा सेवाएं एक क्लिक पर उपलब्ध कराएगा, जिससे उद्योग स्थापना की प्रक्रिया और अधिक सरल, पारदर्शी तथा तेज हो जाएगी। कार्यक्रम में सीएम योगी ने सब्सिडी राशि का हस्तांतरण किया। उत्तर प्रदेश को देश के अंदर निवेश का बेहतरीन डेस्टिनेशन बनाने का सपना हमने 9 वर्ष पहले देखा था। आप सबकी उपस्थिति उस सपने को जमीनी हकीकत में बदल रही है। सीएम ने कहा कि डबल इंजन सरकार पर जनता का विश्वास है और हमारी टीम यूपी ने उस विश्वास पर खरा उतरने के लिए निरंतर परिश्रम किया है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि पिछली सरकारों ने उत्तर प्रदेश वासियों और युवाओं के सपनों को तोड़ा था, लेकिन अब प्रदेश पूरे देश में उद्यमियों के लिए सबसे पसंदीदा निवेश स्थल बन चुका है। यह विश्वास हमारी सबसे बड़ी पूंजी है मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि डबल इंजन सरकार पर हुआ विश्वास हमारी टीम ने परिश्रम से सार्थक किया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश को भारत का फूड बास्केट बताते हुए कहा कि बीच के कालखंड में किसान पलायन करने और आत्महत्या करने को मजबूर थे। स्थितियां बहुत खराब थीं, लेकिन पिछले 9 वर्षों में हमने कृषि क्षेत्र को मजबूत किया। भारत की कुल कृषि योग्य भूमि का 11 प्रतिशत उत्तर प्रदेश के पास है, लेकिन खाद्यान्न उत्पादन में हम 21 प्रतिशत का योगदान कर रहे हैं।

### यूपी को माफिया मुक्त प्रदेश बनाने पर जोर

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश ने बीते कुछ वर्षों में एयर कनेक्टिविटी, निवेश और कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब प्रदेश में 'ढाई एयरपोर्ट' ही संचालित माने जाते थे, जबकि आज उत्तर प्रदेश देश के सबसे तेजी से विकसित हो रहे एविएशन हब के रूप में उभर रहा है। लोकभवन में आयोजित निवेश मित्र सम्मेलन में उन्होने बताया कि पहले केवल लखनऊ और वाराणसी के एयरपोर्ट पूरी तरह सक्रिय थे, जबकि गोरखपुर और आगरा में सीमित और अनियमित उड़ानें संचालित होती थीं। लेकिन वर्तमान में प्रदेश में 16 घरेलू और 4 अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जल्द ही देश का सबसे बड़ा अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट बनने जा रहा है, जिसका उद्घाटन 28 मार्च को प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तावित है।

# मिशन 2027 के लिए योगी कैबिनेट में फेरबदल की तैयारी

लखनऊ, वार्ता

■ प.उप्र इस बार मंत्रिमंडल विस्तार के केंद्र में रहेगा

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को ध्यान में रखते हुए योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाएं तेज हो गई हैं। माना जा रहा है कि इस विस्तार में प्रतिनिधित्व से वंचित जिलों के विधायकों को मौका दिया जाएगा, साथ ही कई नए चेहरे पहली बार मंत्री बन सकते हैं।

सूत्रों के मुताबिक पश्चिमी उत्तर प्रदेश इस बार मंत्रिमंडल विस्तार के केंद्र में रहेगा। भाजपा संगठन और सरकार की रणनीति उन जिलों को प्रतिनिधित्व देने की है, जहां अभी तक कोई मंत्री नहीं है। भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि वर्तमान में कैबिनेट में छह पद खाली हैं। बिजनौर, बुलंदशहर, गौतमबुद्धनगर, अमरोहा, हापुड़, शामली और मुरादाबाद जैसे जिलों से कोई मंत्री नहीं हैं। वहीं मेरठ और गाजियाबाद जैसे जिलों से पहले से दो-दो मंत्री हैं। उन्होंने बताया कि मिशन 2027 को साधने के लिए भाजपा संगठन और सरकार दोनों स्तर पर जातीय संतुलन पर खास ध्यान दिया जा रहा है। पिछड़ा, अति पिछड़ा और अनुसूचित जाति वर्ग को साधने की रणनीति के तहत पहले ही भूपेंद्र चौधरी जैसे ओबीसी चेहरे को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। अब मंत्रिमंडल विस्तार में भी इसी संतुलन को आगे बढ़ाया जाएगा। सूत्रों की मानें, तो मंत्रिमंडल में प्रदर्शन और विवादों के आधार पर कुछ मंत्रियों को हटाए जाने की भी अटकलें हैं। वहीं एक-दो राज्य मंत्रियों को पदोन्नत कर कैबिनेट मंत्री बनाया जा सकता है। पश्चिमी यूपी के दो मंत्रियों को हटाए जाने की चर्चा भी जोरों पर है। सूत्रों के अनुसार पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का मंत्रिमंडल में शामिल होना लगभग तय है। इससे जाट समाज को साधने का संदेश जाएगा। इसके अलावा मेरठ के एमएलसी धर्मेंद्र भारद्वाज को मंत्री बनाकर ब्राह्मण वर्ग को साधने की तैयारी है। पश्चिमी यूपी में त्यागी समाज के प्रतिनिधित्व की कमी को देखते हुए मुरादनगर विधायक अजीतपाल त्यागी और एमएलसी अश्विनी त्यागी के नाम भी चर्चा में हैं। वहीं गुर्जर समाज को साधने के लिए पूर्व मंत्री अशोक कटारिया की वापसी की संभावना जताई जा रही है। बैठक में योगी, केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, पंकज चौधरी और संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह शामिल हुए थे। इसके अलावा आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी अरुण कुमार भी बैठक में शामिल हुए थे जिससे बैठक का महत्व और बढ़ गया है। इस बैठक में मंत्रिमंडल विस्तार, संगठनात्मक फेरबदल और मिशन 2027 की रणनीति जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई थी।

# मोदी का राज्यसभा में दिया बयान भ्रम फैलाने वाला : खड़गे



**नई दिल्ली।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिए गए बयान को भ्रम पैदा करने वाला करार देते हुए सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। खड़गे ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि प्रधानमंत्री की असंगत कूटनीतिक नीति से भारत की रणनीतिक स्वायत्तता प्रभावित हुई है, जो दशकों से विदेश नीति की आधारशिला रही है। उन्होंने पूछा कि हालिया इजरायल दौरे के बाद उत्पन्न कूटनीतिक प्रभावों पर संसद और देश को विश्वास में क्यों नहीं लिया गया। उन्होंने दूसरा मुद्दा उठाते हुए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में करीब 37-40 भारतीय जहाज अब भी फंसे हुए हैं और इन पर लगभग 1100 नाविक सवार हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा ईरान से बातचीत के बावजूद सुरक्षित रास्ता क्यों नहीं मिल पाया, जबकि चीन, रूस और जापान जैसे देशों को अनुमति मिल रही है। उन्होंने ऊर्जा आयात के विविधीकरण के सरकारी दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि 41 देशों से आयात हो रहा है, तो फिर देश में गैस और ईंधन की कमी, महंगाई और कालाबाजारी क्यों बढ़ रही है।

# प्रयागराज कोल्ड स्टोरेज हादसाः अब तक 17 लोग रेस्क्यू, 4 मौतें

प्रयागराज, वार्ता

■ 12 जेसीबी हटा रहीं मलबा लगातार अमोनिया गैस का रिसाव जारी, फायर ब्रिगेड, कई थाने की फोर्स लगीं

संगम नगरी प्रयागराज के गंगा पार में फाफामऊ थाना क्षेत्र के चंदापुर गांव में स्थित आदर्श कोल्ड स्टोरेज की छत गिरने से सोमवार को भीषण हादसा हो गया था। कोल्ड स्टोर जब गिरा तो उस समय अफरा-तफरी मच गई। हादसा इतना भीषण था कि जिसमें 17 लोगों को रेस्क्यू करके निकाला गया और 4 लोगों की मौत हो गई। सोमवार से मंगलवार सुबह तक रेस्क्यू लगातार चलता रहा है, जिसमें पूरी रात 3 टीमें एसडीआरएफ, वाराणसी की एक एनडीआरएफ सहित फायर ब्रिगेड, स्वास्थ्य की टीम और कई थाने की फोर्स रात भर रेस्क्यू करती रही।

फिलहाल अभी भी रेस्क्यू जारी है, वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि कल से लगातार अमोनिया गैस के रिसाव से सांस लेना मुश्किल हो गया है। बता दें, लगभग 12 जेसीबी और उतने ही मलबे उठाने वाली ट्रक और लगातार रेस्क्यू के बाद, अभी भी यहां पर काम में लगे कर्मचारियों का कहना है कि अभी भी एक दिन इस मलबे को हटाने में लग सकता है। वहीं रेस्क्यू ऑपरेशन में अब तक 17 लोगों को बचाकर अस्पताल भेजा गया है और 12 लोग घायल हैं। इस हादसे ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक यह कोल्ड स्टोरेज सपा के पूर्व विधायक अंसार अहमद का बताया जा रहा है।

शुरुआती जांच में बिल्डिंग के स्ट्रक्चर में भारी लापरवाही की बात सामने आ रही है। चश्मदीदों का कहना है कि बिल्डिंग एक तरफ से झुकने लगी और फिर अचानक उसकी छत भरभराकर गिर गई। इतना ही नहीं, कोल्ड स्टोरेज से अमोनिया गैस के रिसाव की भी होने लगा, जिसने रेस्क्यू ऑपरेशन को और चुनौतीपूर्ण बना दिया है। हालांकि प्रशासन का कहना है कि उनके पास लाइसेंस था, लेकिन अब इस बात की गहन जांच की जाएगी कि क्या मानकों की अनदेखी की गई थी। जिलाधिकारी और पुलिस कमिश्नर खुद मौके पर मौजूद हैं।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काज़ीज़ादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
— HEALTH WITH CARE —
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त

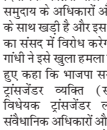



भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

# वाराणसी में तेज धमाके से मकान गिरा, दो मरे, दो गंभीर

**वाराणसी।** उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में मंडुआडीह थाना क्षेत्र के लहरतारा इलाके में मंगलवार को एक मकान में तेज धमाके के साथ मकान गिर गया। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नीतू कादयान, अपर जिला मजिस्ट्रेट (नगर) आलोक वर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त (रोहनिया) समेत भारी पुलिस बल और फॉरेंसिक टीम पहुंच गई। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि खाना बनाते समय गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया, जिससे मकान पूरी तरह ध्वस्त हो गया। यह मकान लहरतारा इलाके में गिरिजा देवी का था। वे अपने दो बेटों अमन चौधरी (32), अवधेश चौधरी (30) और बेटी प्रीति (24) के साथ रहती थीं। गिरिजा देवी खाना बना रही थीं, तभी गैस तेजी से लीक होने लगा और जोरदार धमाका हो गया। हादसे में अवधेश चौधरी और प्रीति की मौके पर ही मौत हो गई।

### मैनाठेर दंगा मामला: 16 आरोपी दोषी करार, 27 मार्च को सजा का ऐलान

**मुरादाबाद।** मुरादाबाद के बहुचर्चित मैनाठेर दंगा मामले में करीब 15 वर्ष बाद अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए 16 आरोपियों को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने 14 दोषियों को तत्काल हिरासत में लेकर जेल भेजने के आदेश दिए, जबकि दो आरोपी सुनवाई के दौरान अनुपस्थित रहे। सजा का ऐलान अब 27 मार्च को किया जाएगा। अभियोजन अधिकारी के अनुसार वर्ष 2011 में मैनाठेर थाना क्षेत्र के डींगरपुर गांव में हुए दंगे के मामले की सुनवाई अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे-2) की अदालत में चल रही थी। साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया।

# अमेरिका-इजरायल-ईरान युद्ध में पाकिस्तान की भूमिका भारत के लिए कूटनीतिक झटकाः जयराम

नई दिल्ली, वार्ता

वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए दावा किया कि पाकिस्तान एक तरफ अमेरिका और इजरायल और दूसरी तरफ ईरान के बीच एक प्रमुख मध्यस्थ के रूप में उभरा है जो भारत के लिए एक गंभीर झटका है।

रमेश ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा कि प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मीडिया संस्थानों की कई रिपोर्टों ने पाकिस्तान को अमेरिका और इजरायल तथा दूसरी तरफ ईरान के बीच इस्तेमाल किए जा रहे मध्यस्थों में से एक के रूप में पहचाना है। यदि ये रिपोर्ट सच हैं, तो वे भारत के लिए एक गंभीर झटका और तिरस्कार का प्रतिनिधित्व करती हैं और यह सब स्वयं को घोषित करने वाले 'विश्वगुरु' के कारण है। रमेश ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत की 'निस्संदेह सैन्य सफलताओं' के बावजूद पाकिस्तान ने पिछले एक साल में कूटनीतिक रूप से नई दिल्ली को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि दुखद वास्तविकता यह है कि उसके बाद पाकिस्तान का कूटनीतिक जुड़ाव और विमर्श प्रबंधन मोदी सरकार की तुलना में काफी बेहतर रहा है। उन्होंने कहा कि इस्लामाबाद, जो कभी गंभीर राजनीतिक, आर्थिक और वैश्विक चुनौतियों का सामना कर रहा था, अब फिर से प्रासंगिक हो गया है। कांग्रेस नेता ने पाकिस्तान के नेतृत्व और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच विकसित होते संबंधों की ओर भी इशारा किया और आरोप लगाया कि इसने इस्लामाबाद की वैश्विक स्थिति को मजबूत किया है। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप ने पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व को 'गर्मजोशी से और बार-बार गले लगाया' था और कई मौकों पर असीम मुनीर की व्हाइट हाउस में मेजबानी की, जिसमें उन्होंने एक ष्अभूतपूर्व दोपहर के भोजनष् का भी उल्लेख किया। रमेश ने कहा कि ष्पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान ने राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी घेरे के साथ घनिष्ठ संबंध विकसित कर लिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए रमेश ने उनकी हालिया कूटनीतिक पहुंच की आलोचना की, विशेष रूप से ईरान पर अमेरिका-इजरायल के कथित हवाई हमलों से ठीक पहले की गई इजरायल यात्रा को लेकर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि मोदी की इजरायल की अनुचित यात्रा, जो ईरान पर अमेरिका-इजरायल के अकारण हवाई हमले शुरू होने से ठीक दो दिन पहले समाप्त हुई, हमारे राजनीतिक इतिहास में एक बेहद विनाशकारी विकल्प के रूप में दर्ज की जाएगी। उन्होंने तर्क दिया कि इस यात्रा ने इस क्षेत्र में एक तटस्थ मध्यस्थ के रूप में कार्य करने की भारत की क्षमता को कमजोर कर दिया है। उन्होंने सरकार की विदेश नीति के प्रति अपने दृष्टिकोण की आलोचना तेज करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री की गले मिलने वाली कूटनीति की पोल बुरी तरह खुल गई है।

# ट्रांसजेंडर अधिकार कार्यकर्ताओं ने ट्रांसजेंडर विधेयक के खिलाफ राहुल गांधी से की मुलाकात

**नई दिल्ली।** देशभर से ट्रांसजेंडर अधिकार कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को संसद में नेता विपक्ष लोकसभा राहुल गांधी से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान प्रियंका गांधी समेत पार्टी के वरिष्ठ सांसद और नेता भी मौजूद रहे।

प्रतिनिधिमंडल ने सरकार के प्रस्तावित ट्रांसजेंडर पर्सन्स बिल का विरोध करते हुए कहा कि यह विधेयक उनकी आत्म-पहचान के अधिकार को कमजोर करता है, जिसे उच्चतम न्यायालय ने मान्यता दी है। उनका कहना था कि इस बिल के लागू होने से लाखों ट्रांसजेंडर खासकर पारंपरिक समुदायों से जुड़े लोगों, की कानूनी पहचान और संरक्षण खतरे में पड़ सकते हैं। कार्यकर्ताओं ने बिल के कुछ प्रावधानों को अमानवीय और दंडात्मक बताते हुए अनिवार्य मेडिकल जांच, पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना दंडात्मक प्रावधानों और मौजूदा अधिकारों में कटौती पर भी चिंता जताई। राहुल गांधी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि कांग्रेस पार्टी ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों और गरिमा के साथ खड़ी है और इस विधेयक का संसद में विरोध करेगी। राहुल गांधी ने इसे खुला हमला करार देते हुए कहा कि भाजपा सरकार का ट्रांसजेंडर व्यक्ति (संशोधन) विधेयक ट्रांसजेंडर लोगों के संवैधानिक अधिकारों और पहचान पर एक खुला हमला है। उन्होंने कहा ट्रांसजेंडर लोगों से अपनी पहचान स्वयं निर्धारित करने का अधिकार छीनता है, जो उच्चतम न्यायालय के फैसले का उल्लंघन है। यह देशभर के विभिन्न समुदायों की सांस्कृतिक पहचान को खत्म करता है।

# दून के निजी कॉलेज में खूनी रंजिश, छात्र की पीट-पीटकर हत्या

■ प्रेमनगर के केहरी गांव में छात्रों के दो गुटों में खूनी संघर्ष, मुजफ्फरनगर के छात्र ने अस्पताल में दम तोड़ा
■ दून पुलिस ने घेराबंदी कर 3 हत्यारोपियों को दबोचा, फरार साथियों की तलाश में दबिश जारी

## मुजफ्फरनगर से दानापुर तक जुड़े तार

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**देहरादून।** राजधानी के प्रेमनगर इलाके में वर्चस्व की अंधी दौड़ ने एक और हंसते-खेलते परिवार का चिराग बुझा दिया। एक निजी शिक्षण संस्थान में पढ़ने वाले छात्रों के दो गुटों के बीच पुरानी रंजिश इस कदर परवान चढ़ी कि मारपीट के दौरान एक छात्र को अधमरा कर दिया गया, जिसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इस सनसनीखेज वारदात से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बीबीए और बीटेक के तीन छात्रों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के मुताबिक प्रेमनगर स्थित एक निजी कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों के दो गुटों के बीच कॉलेज में दबदबा कायम करने को लेकर काफी समय से तनातनी चल रही थी।

सोमवार रात केहरी गांव में दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद गाली-गलौज से शुरू होकर खूनी संघर्ष में बदल गया। हमले में दिव्यांशु जाटराना (22 वर्ष), निवासी मुजफ्फरनगर (यूपी), बुरी तरह घायल हो गया।सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष प्रेमनगर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायल दिव्यांशु को सीएचसी प्रेमनगर ले गए।

हालत नाजुक होने पर उसे दून अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन वहां एंबुलेंस खराब होने के कारण पुलिस ने बिना समय गंवाए घायल छात्र को अपने सरकारी वाहन से दून अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, नियति को कुछ और ही मंजूर था।उपचार के दौरान देर रात दिव्यांशु की मौत हो गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक परमेंद्र डोभाल ने बताया कि घटना को लेकर पुलिस जांच में जुट्टी है हमलावरों को बख्शा नहीं जाएगा।

देखते ही देखते विवाद गाली-गलौज से शुरू होकर खूनी संघर्ष में बदल गया। हमले में

## व्यय वित्त समिति की बैठक आयोजित

**देहरादून।** मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में व्यय वित्त समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान समिति द्वारा विभिन्न प्रस्तावों को संस्तुति प्रदान की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि राजकीय पॉलीटेक्निक नई टिहरी में कार्य में हॉस्टल सुविधा को भी जोड़े जाने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान रीठामंडी पेयजल योजना (लागत 2064.02 लाख रुपए), तामली चम्पावत में बहुग्राम पेयजल योजना (लागत 1457.21 लाख रुपए), मसूरी के क्यारखूली में मल्टीलेवल पार्किंग (लागत 1606.10 लाख रुपए), बासुकेदार में तहसील बिल्डिंग (लागत 1226.20 लाख रुपए) के प्रस्तावों को संस्तुति प्रदान की गई। इसके साथ ही रामनगर में बस पोर्ट निर्माण में (लागत 2157. 12 लाख रुपए) को संस्तुति की गई। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम, सचिव चंद्रेश कुमार यादव, रविनाथ रमन सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

# वात्सल्य योजना के तहत 3 करोड़ 2 लाख खातों में ट्रांसफर

**मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स**

**देहरादून ।** महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने मंगलवार को मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना के तहत लाभार्थियों को 3 करोड़ 2 लाख रुपए से ज्यादा की धनराशि जारी की।

कैंप कार्यालय पर धनराशि लाभार्थियों की खातों में डीबीटी करने के बाद कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि इस योजना में प्रदेश सरकार 2020 से ही कोरोना महामारी के समय अभिभावकों को खो देने वाले बेसहारा बच्चों को प्रति माह 3000 रुपए की सहायता राशि देती है। इस योजना के तहत जनवरी 2026 तक का धन पहले ही जारी कर दिया गया था।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि फरवरी में 5057 लाभार्थियों को कुल 1 करोड़ 51 लाख 71 हजार रुपए मंगलवार को जारी किए गए हैं।

जबकि मार्च महीने के लिए कुल 5025 लाभार्थियों के 1 करोड़ 50 लाख 75 हजार रुपए की धनरा शि जारी की गई है। इस योजना के तहत लाभार्थी के 21 वर्ष के हो जाने या बालिका लाभार्थियों के विवाह या लाभार्थी को सेवायोजित हो जाने के बाद वह योजना से बाहर हो जाते हैं।

इस अवसर पर सीपीओ अंजना गुप्ता और डिप्टी सीपीओ राजीव नयन आदि उपस्थित रहे।

■ महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने डीबीटी किया 2 महीने का पैसा

# संशोधित उड़ान योजना से दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र में हवाई सफर होगा सुगम

■ आरसीएस योजना से प्रदेश ने एक दर्जन हेलीपोर्टों से भरी उड़ान

**मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स**

**देहरादून।** केंद्र सरकार की संशोधित उड़ान योजना से उत्तराखंड के दूरस्थ पहाड़ी क्षेत्र में हवाई सफर सुगम होने जा रहा है। केंद्र सरकार ने संसद में बताया कि क्षेत्र सम्पर्क योजना के तहत राज्य के एक दर्जन हेलीपोटो से उड़ान शुरू हो गई है।

प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट द्वारा सदन के पटल पर उत्तराखंड में हवाई सेवाओं को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी मांगी गई। जिसमें उन्होंने राज्य के चमोली, पिथौरागढ़ और उत्तरकाशी जैसे दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों में, जहाँ बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं और अक्सर प्राकृतिक आपदाएँ होती हैं, नियमित हेलीकॉप्टर सेवाओं को बढ़ाने की योजना पर सवाल पूछे। जिसके जवाब में नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री मुरलीधर ने बताया कि उड़ान योजना के तहत, पिथौरागढ़ और पंतनगर हवाईअड्डों के साथ-साथ सहस्त्रधारा, चिन्यालीसौर, गौचर, नई टिहरी, हल्द्वानी, अल्मोड़ा, श्रीनगर, मुनस्यारी और बागेश्वर चंपावत में हेलीपोर्टों से आरसीएस उड़ान परिचालन आरंभ हो गया है। उन्होंने जानकारी दी कि क्षेत्रीय हवाई संपर्क को और सुदृढ़ करने और बढ़ाने के लिए सरकार ने अगले 10 वर्षों में 4 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करने हेतु उत्तराखंड राज्य सहित देशभर में 120 नए गंतव्यों तक क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने के लिए संशोधित रुडउान योजना आरंभ करने की घोषणा की है। यह योजना पर्वतीय, आकांक्षी और पूर्वोत्तर क्षेत्र के जिलों में हेलीपैड और छोटे हवाईअड्डों को भी सहायता प्रदान करेगी।

# बेटियां हमारी संस्कृति व परंपराओं की सशक्त वाहक: सीएम

■ मुख्यमंत्री ने सामूहिक कन्या पूजन कार्यक्रम में किया प्रतिभाग ■ 1100 कन्याओं के पूजन को अत्यंत सौभाग्यपूर्ण बताया

## बेटियों के सशक्तिकरण के लिए लगातार हो रहा कार्य: धामी

**शाह टाइम्स ब्यूरो**

**देहरादून।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को प्रेमनगर, देहरादून स्थित सनातन धर्म मॉदर परिसर में आयोजित सामूहिक कन्या पूजन कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को चैत्र नवरात्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चैत्र नवरात्र केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि श्रद्धा, भक्ति एवं संस्कारों के माध्यम से शक्ति उपासना का महापर्व है। उन्होंने 1100 कन्याओं के पूजन को अत्यंत सौभाग्यपूर्ण बताते हुए आयोजन समिति की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में नारी सम्मान को सुदृढ़ करने तथा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे मूल्यों को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में कन्या को साक्षात देवी स्वरूप माना गया है। शास्त्रों में भी कन्याओं को अत्यंत सम्मानजनक स्थान दिया गया है। बेटियां अपने संस्कार, स्नेह और त्याग से समाज को सशक्त और समृद्ध बनाती हैं तथा हमारी संस्कृति और परंपराओं की सशक्त वाहक हैं। उन्होंने कहा कि कन्या पूजन के इस पावन अवसर पर समाज को यह संकल्प लेना चाहिए कि प्रत्येक बेटी को शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान का अधिकार सुनिश्चित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की बेटियों के सामूहिक विवाह के लिए 61 हजार रुपये तथा व्यक्तिगत विवाह के लिए 55 हजार रुपये तक की सहायता दी जा रही है।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को विवाह सहायता के रूप में 50 हजार रुपये तक का अनुदान प्रदान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नंदा गौरा योजना, गौरा देवी कन्याधन योजना, मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट योजना, पोषाहार योजना सहित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बेटियों के जन्म से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार तक हर स्तर पर उनके सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्र के नौ दिवस केवल पूजा-अर्चना तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आत्मशुद्धि, सेवा, विनम्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करने का अवसर भी प्रदान करते हैं। कन्या पूजन हमारी परंपरा के साथ-साथ सेवा, करुणा और विनम्रता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे हर बेटी की रक्षा, शिक्षा और प्रगति का संकल्प लें, जिससे कन्या पूजन की भावना वास्तविक रूप से सार्थक हो सके। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रेमनगर स्थित गुरुद्वारा में माथा टेका।

इस अवसर पर विधायक सविता कपूर, भाजपा महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय रोहिला, उपाध्यक्ष छावनी परिषद देहरादून विनोद पंवार, भाजपा नेता विनय गोयल एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

# ओपनएआई के सहयोग से यूपीईएस बना 'एआई-फर्स्ट' कैंपस

■ यूपीईएस का एआई मॉडल अब स्कूल, आईटीआई और पॉलीटेक्निक तक पहुंचेगा

## हाइब्रिड मॉडल ( मानव+एआई ) अपनाना

प्रैक्टिकल और फील्ड बेस्ड शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। यदि सही संतुलन के साथ लागू किया गया, तो यह पहल प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को जमीनी स्तर से बदल सकती है और छात्रों को भविष्य के लिए अधिक सक्षम बना सकती है।

**शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता**

**देहरादून।** यूपीईएस देहरादून ने ओपनएआई के सहयोग से 'एआई-फर्स्ट' कैंपस बनने के बाद अब अपने इस मॉडल को और विस्तार देने की तैयारी कर ली है। विश्वविद्यालय ने संकेत दिए हैं कि राज्य सरकार के साथ मिलकर प्रदेश के स्कूलों, आईटीआई और पॉलीटेक्निक संस्थानों को भी इस एआई इकोसिस्टम से जोड़ा जाएगा।

मंगलवार को कैंपस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. सुनील राय, वाइस चांसलर, यूपीईएस, ने कहा, इस पहल के तहत छात्रों को शुरुआती स्तर से ही चौटजीपीटी एजु जैसे प्लेटफॉर्म के जरिए आधुनिक तकनीक से जोड़ने की योजना है, ताकि वे आगे चलकर उच्च शिक्षा और रोजगार के लिए बेहतर तैयार हो सकें।

**क्या बदलेगा?:** स्कूल स्तर से ही एआई आधारित पढ़ाई होगी, आईटीआई और पॉलीटेक्निक में स्किल और एआई का संयोजन देखने को मिलेगा। तकनीकी शिक्षा में प्रैक्टिकल और स्मार्ट लर्निंग पर ध्यान दिया जाएगा। ग्रामीण और छोटे शहरों के छात्रों को भी आधुनिक संसाधनों तक पहुंच होगी। इस पहल से प्रदेश में स्किल डेवलपमेंट को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है। साथ ही, पारंपरिक शिक्षा और आधुनिक तकनीक के बीच की दूरी भी कम होगी।

**चुनौती भी कम नहीं:** एआई के विशेषज्ञ भास्कर भट्ट ने एक सवाल के जवाब में कहा कि , छात्रों की मूल सोच और विश्लेषण क्षमता को कमजोर नहीं होने देना है, जिसका समाधान निकालने को संस्थान ने कई कदम उठाए हैं। तकनीक पर अधिक निर्भरता से सीखने की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। एआई के साथ बेसिक कॉन्सेप्ट क्लियर करने पर जोर रहेगा। टीचर्स को भी एआई ट्रेनिंग दी जाएगी।

# मिलेट्स और कृषि गतिविधियां बन रहे सहकारिता के मजबूत आधार

■ रेशम, साइलेज व सामूहिक खेती से मजबूत होगी किसानों की आर्थिकी

**मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स**

**देहरादून।** उत्तराखंड में सहकारिता के माध्यम से बहुउद्देशीय सहकारी समितियों को सशक्त बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से व्यापक कार्य किया जा रहा है। कृषि, मिलेट्स, रेशम उत्पादन, सब्जी क्रय, बायोफर्टिलाइजर वितरण, साइलेज विक्रय और सामूहिक सहकारी खेती जैसी गति. विधियों से समितियों की आय में भी निरंतर वृद्धि हो रही है तथा किसानों और ग्रामीण परिवारों को आर्थिक रूप से मजबूती मिल रही है।

राज्य में मिलेट्स मिशन के अंतर्गत 214 क्रय केंद्रों के माध्यम से लगभग 53,000 कुंतल मंडुवा की खरीद की गई है। इस खरीद पर सहकारी समितियों को 100 प्रति कुंतल सेवा शुल्क के आधार पर लगभग ₹53 लाख की आय प्राप्त हुई है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री घसियारी कल्याण योजना के अंतर्गत सहकारी समितियों के माध्यम से साइलेज का वितरण किया जा रहा है। राज्य में कुल 181 केंद्रों ( गढ़वाल में 96 और कुमाऊं में 85) के माध्यम से लगभग 20,000 टन उच्च गुणवत्ता का साइलेज विक्रय किया गया है, जिससे सहकारी समितियों को लगभग ₹63 लाख की आय प्राप्त हुई है।

उत्तराखंड सहकारी संघ के माध्यम से टिहरी और उत्तरकाशी जनपदों में पांच सहकारी समितियों द्वारा किसानों से सीधे सब्जियों की खरीद की जा रही है। वर्तमान वर्ष में अब तक किसानों से लगभग 1.50 करोड़ मूल्य की सब्जियों की खरीद की जा चुकी है, जिन्हें बाजार में बेहतर मूल्य पर विक्रय किया गया है। इस प्रक्रिया में सहकारी समितियों को लगभग 3 लाख की आय प्राप्त हुई है। आगामी 1 अप्रैल से 22 सहकारी समितियों के माध्यम से सब्जी क्रय कार्य का विस्तार किया जाएगा, जिससे समितियों को 2 प्रतिशत लाभांश प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त बायोफर्टिलाइजर के क्रय-विक्रय में भी सहकारी समितियां सक्रिय रूप से भागीदारी निभा रही हैं, जिससे

राज्य सरकार लक्ष्य प्रदेश में सहकारी समितियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर सहकारिता आंदोलन को नई ऊंचाइयों तक पहुंच. ना है। सहकारिता का सीधा लाभ किसानों, काश्तकारों, कारीगरों और युवा उद्यमियों को मिले इसके लिये ठोस नीतियां तैयार कर धरातल पर उतारी जा रही है।

**डॉ. धन सिंह रावत, सहकारिता मंत्री, उत्तराखंड।**

## किसानों, कीटपालकों और बुनकरों को बाजार से जोड़ने की दिशा में लगातार प्रयास : शुक्ला

उत्तराखंड सहकारी संघ के प्रबंध निदेशक आनंद शुक्ला ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से किसानों, कीटपालकों और बुनकरों को बाजार से जोड़ने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मिलेट्स, सब्जी क्रय, बायोफर्टिलाइजर, रेशम उत्पादन और सामूहिक खेती जैसी गतिविधियों से सहकारी समितियों की आय में वृद्धि हो रही है और भविष्य में इन गतिविधियों का और अधिक विस्तार किया जाएगा।

14 समितियों को लगभग 68.38 लाख की आय प्राप्त हुई है।

माधो सिंह भंडारी सामूहिक सहकारी खेती योजना के अंतर्गत अनुपयोगी भूमि को उपयोग में लाते हुए फूलों की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। वर्तमान में चमोली और पौड़ी जनपद में लगभग 500 नाली भूमि पर गुलाब और ग्लेडियोलस के फूलों की खेती सहकारी समितियों के माध्यम से की जा रही है। अब तक इस पहल से समितियों को लगभग 10 लाख की आय प्राप्त हो चुकी है और भविष्य में इसे व्यापक स्तर पर लागू करने के लिए मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है।

इसी क्रम में धान खरीद कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य की 115 गृह सहकारी समितियों को लगभग 63 लाख की आय प्राप्त हुई है।

सहकारिता क्षेत्र में रेशम उत्पादन भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उत्तराखंड को-ऑपरेटिव रेशम फेडरेशन अपने सदस्य कीटपालन सहकारी समितियों के माध्यम से कच्चे रेशम कोया का उत्पादन कराता है और जिन कीटपालकों को अपने उत्पाद के विपणन में कठिनाई होती है, उन्हें 100 प्रतिशत विपणन सुविधा और त्वरित भुगतान उपलब्ध कराया जाता है। वर्तमान में राज्य में लगभग 6500 रेशम कीटपालक रेशम उत्पादन से जुड़े हुए हैं।

# दीक्षांत समारोह: डिग्री और मेडल पाकर खिले छात्रों के चेहरे

■ गढ़वाल विवि के 12वां दीक्षांत समारोह में 6,806 विद्यार्थियों को प्रदान की उपाधि

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**श्रीनगर।** हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि का 12वां दीक्षांत समारोह में डिग्री और मेडल पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल गए। समारोह में 50 विद्यार्थी सत्र 2022-24 के तथा 55 छात्र-छात्राएं 2023-25 कुल 105 छात्रों को गोल्ड मेडल से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त 177 पंजीकृत शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधियां दी गई। जबकि दोनों सत्र में कुल 319 शोधार्थियों ने पीएचडी की उपाधियां प्रदान कि गई। समारोह में दो वर्षों के 6806 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की गई।

मंगलवार को चौरास स्थित स्वामी मनभथन प्रेक्षागृह में दीक्षांत समारोह सभी उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं पहाड़ी वेशभूषा और परिधान में नजर आएं। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने पहुंचना था, लेकिन वह अपने व्यस्तता कार्यक्रम होने के चलते गढ़वाल विवि के दीक्षांत समारोह में नहीं पहुंच पाएं। इस मौके पर समारोह के विशिष्ट अतिथि कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत, कुलाधिपति डा. योगेंद्र नारायण और गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत ने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र को लेकर भी बड़ी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि हाल ही में इस क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए जाएंगे, जिससे युवाओं को आधुनिक और रोजगारपरक शिक्षा मिल सकेगी। पहाड़ों से हो रहे पलायन के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सरकार गंभीर है और इसका स्थायी समाधान निक. लने के लिए प्रयासरत है। कार्यक्रम के अंत में कुलसचिव अनीज-उज-जमान ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एचबीएस चौहान, श्रीनगर की महापौर आरती भण्डारी, एसएसबी के डीआईजी सुभाष चन्द्र नेगी, गुजरात विश्वविद्यालय के पूर्व कुल. पति प्रो. रामशंकर दुबे, प्रो. मंजुला राणा, प्रो. मोहन पंवार, प्रो. एनएस पंवार, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. ओपी गुसाईं, मुख्य नियन्ता प्रो. दीपक कुमार, प्रो. अजीत नेगी, प्रो. वाईपी रैवानी, प्रो. डीएस नेगी, प्रो. एमएस सेमवाल, चौरास परिसर निदेशक प्रो. राजेन्द्र सिंह नेगी, छात्रावास अधीक्षक डॉ. एसएस बिष्ट, डा. विजयकांत पुरोहित, डॉ. कपिल पंवार, डॉ. साकेत, आशुतोष बहुगुणा सहित आदि मौजूद थे।

## ये छात्र-छात्राएं हुए गोल्ड मेडल से सम्मानित

''रितिका, ब्लेसी के सेबेस्टियन, सिद्धांत कुमार साहू विवेक सकलानी, शिवानी, प्राची पवार, सिमरन मलिक, अनम, शिवम, अक्षत नवानी, हरि तमंग, सौम्या गुप्ता, सेजल ठाकुर, खुशी, मेघा, श्वेता सिंह, अंजलि गुसाईं, आदर्श पढी, रिमझिम, आशुतोष कुमार यादव, दिव्या सुखीजा, अंजलि नेगी, हर्षित भट्ट, उन्ति रावत, ज्योत्सना नागवान, वेणुका, अंकित भट्ट, अभिलाष, साक्षी, ज्योति, शिवानी, तनु सिंह, मोनिका सिंह, हर्ष गडिया, अन्नया, कनिष्का रजावत, रोहिणी मंडल, अमीषा प्रसाद, मासूम अंकित पटेल, निकिता सैनी, शिवानी, सौंक सैनी, जिज्ञासा थपलियाल, लोपामुद्रा महापात्र, मोहिनी पोखरियाल, राधाश्री भट्ट, भावना, आलोक शर्मा, नीरज सैनी, हिमांशु जावड़ा, समृद्धि, राधिका नेगी, नीलम नेगी, तनु सैनी, आशा, ममता नौटियाल, वंदना सारस्वत, मधु ठाकुर, शिवम रावत, रितिका वर्मा, चेतांसि, खुशी, ऋषभ बिष्ट आदि को कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत ने गोल्ड मेडल पहनाकर सम्मानित किया।''

## छात्राओं के हिस्से में सबसे ज्यादा गोल्ड

''गढ़वाल विवि में 62 छात्राओं को गोल्ड मेडल से नवाजा गया। जबकि 43 छात्र गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। जिसमें सबसे अधिक छात्राएं शामिल है।''

# मुख्यमंत्री आवास परिसर में किया गया शहद निष्कासन कार्य

**देहरादून।** मुख्यमंत्री आवास परिसर में मंगलवार को शहद निष्कासन कार्य किया गया। पहले चरण में 60 किलोग्राम शहद निकाला किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उद्यान विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि मुख्यमंत्री आवास परिसर एवं आस-पास के क्षेत्र में 3-बी गार्डन (बी- फ्रेंडली गार्डन, बटर - फ्लाई फ्रेंडली गार्डन एवं बर्ड फ्रेंडली गार्डन) विकसित करने की दिशा में कार्य किये जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में मौन पालन की अपार संभावनाएं हैं। राज्य में प्रचुर मात्रा में फूलों की प्रजातियां हैं, जो उच्च गुणवत्ता वाले जैविक शहद उत्पादन में सहायक हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में औषधीय गुणों वाला शहद तैयार करने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाए। इस अवसर पर उद्यान प्रभारी दीपक पुरोहित वचेयरमैन देवभूमि पर्वतीय ग्रामोद्योग विकास संस्थान हरबर्टपुर अजय कुमार सैनी मौजूद थे।

JIE INTERNATIONAL SCHOOL
RUDRAPUR
PRE NURSERY TO VIII
Phone: 8006009255, 8006009256
Email: phulsungajieschools@gmail.com
Branches Across: India Malaysia Nepal
Address: Opposite Vishnu Bhavan, Near Teen Pani Dam, Fulsunga, Rudrapur, 263153

# भीषण आगजनी से 4 मकान राख, 8 परिवार बेघर

## मोरी के फिताड़ी गांव में गांव में मध्य रात्रि को हुई आगजनी, मची अफरातफरी

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**मोरी/उत्तरकाशी।** सीमांत मोरी ब्लॉक के दूरस्थ ग्राम फिताड़ी में सोमवार देर रात भीषण आग. जनी से भारी तबाही मच गई। अग्निकांड में चार आवासीय भवन जलकर खाक होने से आठ परिवार बेघर हो गए हैं। घटना के बाद ग्राम प्रधान ने जिला प्रशासन को सूचना के बाद प्रशासनिक तंत्र तत्काल में आया और राहत-बचाव के लिए संयुक्त टीमें मौके पर रवाना की गईं।

जानकारी के अनुसार, सोमवार करीब 11 बजे रात फिताड़ी गांव मोरी बाजार से करीब 35 किलोमीटर दूर स्थित है, जिससे राहत कार्यों में शुरुआती चुनौती सामने आई। हालांकि स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पाने में अहम भूमिका निभाई। राजस्व उप निरीक्षक फिताड़ी के अनुसार इस अग्निकांड में 4 आवासीय भवन (05 मंजिला संरचना) पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए, जिनमें 8 परिवार निवास करते थे। इसके अलावा अन्य 4 भवन और 6 अन्नभंडार (कोठार) भी आग की भेंट चढ़ गए। दुर्भाग्यपूर्ण रूप से इस हादसे में 3 गायों की जलकर मृत्यु हो गई, हालांकि किसी मानव जनहानि की सूचना नहीं है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही फायर सर्विस मोरी और पुरोला, एसडीआरएफ, पुलिस, राजस्व विभाग और स्वास्थ्य विभाग की टीमें मौके के लिए रवाना की गईं। प्रशासन द्वारा लगातार स्थिति की निगरानी की जा रही है। इस दौरान जिलाधिकारी उत्तरकाशी और उप जिलाधिकारी पुरोला भी समय-समय पर जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं।यह हादसा एक बार फिर पहाड़ी क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन और बिजली व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े करता है। रात के अंधेरे में लगी आग ने देखते ही देखते कई परिवारों की जिंदगी भर की जमा-पूंजी को राख में बदल दिया।

### आगजनी की घटना पर सांसद ने व्यक्त की संवेदना

**उत्तरकाशी।** मोरी अंतर्गत ग्राम पंचायत फिताड़ी में हुई आगजनी की घटना पर टिहरी सांसद राज्यमाला लक्ष्मी शाह ने गहरा दु:खद व्यक्त कर किया है। उन्होंने कहा कि इस आकस्मिक आपदा ने कई परिवारों को गहरे संकट एवं पीड़ा में डाल दिया है। सांसद श्रीमती माला राज्य लक्ष्मी शाह ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में उनकी संवेदनाएँ सभी प्रभावित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से सभी की कुशलता एवं सुरक्षा की कामना की है। सांसद ने जिला प्रशासन को निर्देशित किया है कि राहत एवं बचाव कार्यों को त्वरित एवं प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए तथा प्रभावित परिवारों को शीघ्र आवश्यक सहायता, खाद्य सामग्री एवं अस्थायी आवास की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए।

**अग्निकांड से प्रभावित परिवार**

01- प्रेम सिंह पुत्र मोर सिंह
02- कुन्दन सिंह पुत्र खेम सिंह
03- रविन्द्र सिंह पुत्र मोर सिह
04-उमशल सिंह पुत्र मोर सिंह
05- तिलक सिंह पुत्र मोर सिंह
06-नोनियाल सिंह पुत्र गगा सिंह
07-ताजम देई पत्नी नोनियाल सिंह
08- दुदकली देवी पत्नी नोनियाल
09- विरेन्दर सिंह पुत्र हाकम सिंह
10-सुविन्द्र पत्नी सुरेन्द्र सिंह
11-मोहन सिंह पुत्र धुन्धर सिह
12-जनक सिंह पुत्र तोता राम

# धर्म नगरी के रूप में ऊखीमठ क्षेत्र को विकासित करने की मांग

**■ नगर पंचायत अध्यक्ष कुब्जा धर्म्वाण ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात**

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**ऊखीमठ/रुद्रप्रयाग।** नगर पंचायत अध्यक्ष कुब्जा धर्म्वाण ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर नगर क्षेत्र ऊखीमठ के समग्र विकास से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्ताव प्रस्तुत किए। उन्होंने ऊखीमठ नगर क्षेत्र को "धर्म नगरी" के रूप में विकसित करने की मांग रखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि ऊखीमठ क्षेत्र धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां वर्षभर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं, लेकिन पर्याप्त आधारभूत सुविधाओं के अभाव में उन्हें कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि योजनाबद्ध विकास के माध्यम से इस क्षेत्र को धर्म नगरी के रूप में विकसित किया जाना आवश्यक है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से ओंकारेश्वर मंदिर के निकट सहित नगर के तीन प्रमुख स्थानों पर पार्किंग निर्माण की मांग रखी। उनका कहना था कि लगातार बढ़ते वाहनों के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है और श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना करना पड़ता है। पार्किंग निर्माण से यातायात सुगम होने के साथ ही नगर की सुंदरता और व्यवस्था में भी सुधार होगा। कुब्जा धर्म्वाण ने यह भी कहा कि धर्म नगरी के रूप में विकास के लिए साफ-सफाई, पेयजल, सड़क, प्रकाश व्यवस्था, सार्वजनिक शौचालय सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाना अत्यंत आवश्यक है। इससे तीर्थयात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा और क्षेत्र की धार्मिक पहचान को और मजबूती मिलेगी। सीएम ने प्रस्तुत प्रस्तावों को सुनते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश देने का आश्वा. सन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तीर्थ स्थलों के विकास और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है।

# सहमी हुई वृद्धा को मिला पुलिस का साथ, दिलाया अपनेपन का अहसास

**■ कोटद्वार पुलिस की संवेदनशीलता एवं सजगता से बुजुर्ग महिला पहुंची घर**

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**कोटद्वार।** मंगलवार सुबह को कोटद्वार क्षेत्र में ड्यूटी के दौरान कांस्टेबल विनीत फारसी द्वारा ग्रास्टनगंज पुल के पास एक बुजुर्ग महिला लावारिस अवस्था में भटकती हुई दिखाई दी, जो सहमी हुई प्रतीत हो रही थी।

पूछताछ करने पर बुजुर्ग महिला ने घर जाने की इच्छा जताई, किन्तु वह अपना स्पष्ट पता नहीं बता पा रही थीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए महिला की सुरक्षा के दृष्टिगत तत्काल उन्हें रेस्क्यू कर उन्हें कोतवाली कोटद्वार लाया गया, एवं महिला के परिजनों के संबंध में जानकारी जुटाई गई। पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए किये प्रयासों से अंतत: महिला की पहचान वीरा देवी, निवासी रतनपुर, कोटद्वार के रूप में हुई। जिसके पश्चात उनके परिजनों से संपर्क कर बुजुर्ग महिला के संबंध में जानकारी दी गई एवं उनके सकुशल कोतवाली में होने की सूचना दी गई। इसके पश्चात बुजुर्ग माता का परिवार उन्हें लेने हेतु कोतवाली कोटद्वार पहुंचा, जहां बुजुर्ग महिला को उनके पुत्र प्रवीन रावत के सकुशल सुपुर्द कर दिया गया।

# क्षय उन्मूलन की लड़ाई में जनमानस का सहयोग जरूरी: राजेन्द्र



**■ विश्व टीबी दिवस पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में हुए विभिन्न कार्यक्रम, पीजी कॉलेज अगस्त्यमुनि में गोष्ठी, एक्स-रे कैंप व रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन**

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**रुद्रप्रयाग।** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में विश्व क्षय दिवस के मौके पर टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 100 दिवसीय अभियान का शुभारंभ करते हुए विभिन्न चिकित्सा इकाईयों सहित पीजी कॉलेज अगस्त्यमुनि में जागरूकता गोष्ठियों व टीबी स्क्रीनिंग कैंप आयोजित किए गए। इस अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर में 10 लोगों ने रक्तदान किया तथा 35 का एक्स-रे किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राम प्रकाश के निर्देशन में जनपद में विश्व टीबी दिवस के तहत यस, वी केन इंड टीबी थीम पर राजकीय महाविद्यालय अगस्त्यमुनि में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि नगर पंचायत अतिथि राजेंद्र प्रसाद गोस्वामी ने टीबी मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सामुदायिक सहभागिता को बढाने पर जोर देते हुए क्षय उन्मूलन की लड़ाई में जनमानस से सहयोग की अपील की। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सीमा टेकचंदानी ने दो सप्ताह से अधिक खांसी बुखार आने पर संबंधित व्यक्ति को निकटवर्ती चिकित्सालय से संपर्क करने की सलाह देते हुए कहा कि टीबी का उपचार नियमित रूप से निर्धारित समय तक किया जाना जरूरी है। टीबी का इलाज कभी भी अधूरा नहीं छोड़ना चाहिए। टीबी का इलाज बीच में छोड़ने पर टीबी का खतरनाथ रूप ड्रग रेजिस्टेंस टीबी हो सकती है। बताया कि पंजीकृत टीबी रोगी को नियमिति रूप से दवाई खाने पर प्रत्येक माह पोषाहार भत्ता के रूप में उपचार अवधि तक एक हजार रूपए दिया जाता है। इस मौके पर डॉ अंकित बगवाड़ी, डॉ चेतन, डीपीसी मुकेश बगवाड़ी, सोशल वर्कर दिगपाल कंडारी, काउंसलर विपिन सेमवाल, सतीश नौटियाल, आदि मौजूद रहे।

## एक नजर .......

### 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर खुलेंगे यमुनोत्री धाम के कपाट

**उत्तरकाशी।** विश्व प्रसिद्ध यमुनोत्री धाम के कपाट का उद्घाटन के मुहूर्त यमुना जंयती पर निकाल लिया गया है। धाम के कपाट आगामी 19 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर 6 माह के लिए श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। यमुनोत्री धाम के कपाट 12 बजकर 35 मिनट पर कर्क लग्न अनुसार पर विशेष पूजा अर्चना विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए दर्शनार्थ के खोले जाएंगे। मंगलवार को यमुना जन्मोत्सव के अवसर पर मां यमुना के शीतकालीन प्रवास खरसाली गांव में यमुनोत्री मंदिर समिति की अगुवाई में धाम के कपाट विधिवत रूप से शुभ मुहूर्त निकाला गया। खोलने का शुभ मुहूर्त निकाला है। इस से पू मां यमुना के शितकालीन प्रवास खरशाली में चौत्र शुल्क षष्टी तिथि को यमुना जयंती मनाई है है। मान्यता है कि इसे दिन धरती पर यमुना में अवतरित हुए हैं। इस दौरान जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। पद्मपुराण में यमुना नदी को पाप नाशिनी, शोक हारिणी व कल्याणी कहा गया है। यमुना नदी को यमराज की बहन होने के कारण यम के भय से मुक्ति दिलाने वाली भी माना गया है घ। इस मौके पर प्ररूषोतम उनियाल, गिरीश उनियाल आदि मौजूद रहे है।



### पुलिस अधीक्षक चमोली ने किया थाना थराली का निरीक्षण

**थराली।** पुलिस अधीक्षक चमोली सुरजीत सिंह पंवार ने मंगलवार को थाना थराली का निरीक्षण किया। इस दौरान उपनिरीक्षक देवेंद्र सिंह के नेतृत्व में पीएसी के जवानों द्वारा एसपी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाना थराली के मालखाने, शस्त्रागार और अपराध रजिस्टरों का बारीकी से निरीक्षण किया तथा थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने पुलिस कर्मियों को अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण रखने और नशे के विरुद्ध सख्त अभियान चलाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के बाद एसपी चमोली ने स्थानीय व्यापारियों के साथ भी बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं। बैठक के दौरान राजस्व क्षेत्र से नियमित पुलिस क्षेत्र में शामिल हुए गांवों में ग्राम प्रहरियों की नियुक्ति तथा आगामी नंदा देवी राजजात यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर थाना अध्यक्ष विनोद चौरसिया, तरुण कुमार, भगवान सिंह सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी और जवान मौजूद रहे।



### घरेलू वित्तीय सुरक्षा का प्रमुख स्तंभ बनकर उभरी इंश्योरेंस अवेयरनेस कमिटी

**देहरादून।** भारत का जीवन बीमा क्षेत्र परिवारों की सुरक्षा और दीर्घकालिक वित्तीय नियोजन का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नवीनतम आईआरडीएआई वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 के अनुसार, जीवन बीमा कंपनियों ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कुल लाभ के रूप में 6.30 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया है। यह आंकड़ा उस समर्थन के स्तर का प्रमाण है जो जीवन बीमा उद्योग भारतीय परिवारों को सुरक्षा से लेकर सेवानिवृत्ति और धन सृजन तक जीवन के विभिन्न चरणों में प्रदान करता है। इंश्योरेंस अवेयरनेस कमिटी (आईएसी-लाइफ) के चेयरपर्सन कमलेश राव ने जीवन बीमाकर्ताओं के व्यावसायिक दर्शन की व्याख्या करते हुए कहा, ष्भारत की जीवन बीमा कंपनियों का काम करने का तरीकाख्रजैसा कि उनकी निरंतरता, भुगतान और वित्तीय मजबूती के आंकड़ों से पता चलता हैख्रयह साबित करता है कि जीवन बीमा परिवार के लिए एक श्पैसे के गुल्लकश की तरह है। यह जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसा भी देता है और लंबे समय के लिए सुरक्षा भी। सबसे बड़ी बात यह है कि कुल भुगतान का 92 फीसदी हिस्सा शलिविंग बेनिफिट्सश (यानी पॉलिसी की अवधि पूरी होने पर मिलने वाला पैसा) के रूप में दिया गया है।

### नमामि गंगे इकाई ने विद्यालयों में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर दिया जागरूकता का संदेश

**लैंसडाउन ।** राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जयहरीखाल की नमामि गंगे इकाई के तत्वावधान में छात्र-छात्राओं ने राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज जयहरीखाल एवं राजीव गांधी अभिनव आवासीय विद्यालय जयहरीखाल में नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति देकर गंगा संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया। प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक का विद्यालय स्तर पर विशेष रूप से स्वागत किया गया। राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज जयहरीखाल की प्रधानाचार्य तथा राजीव गांधी अभिनव आवासीय विद्यालय जयहरीखाल के प्रभारी प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं के अभिनय और संदेश की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस तरह के जन जागरूकता कार्यक्रम न केवल छात्रों में बल्कि आम जनमानस में भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर सकारात्मक सोच पैदा करते हैं ।महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डॉ एलआर राजवंशी ने इस अवसर पर कहा कि नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत आयोजित यह गतिविधि छात्रों को सामा. जिक सरोकारों से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों के उत्साह और प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि महाविद्यालय इस तरह के जनोपयोगी आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहित करता रहेगा।

# डिप्लोमा इंजीनियर प्रदेश व्यापी हड़ताल, कामकाज ठप्प



**शाह टाइम्स संवाददाता**

**उत्तरकाशी।** उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ अपनी मांगों को लेकर चरणबद्ध तरीके से आंदोलन की राह में है। विगत दो चरणों में अपनी 27 सूत्री मांगों पर शासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं किए जाने से डिप्लोमा इंजी. नियर खाशा आक्रोशित हैं। मंगलवार को भी उत्तरकाशी महासंघ ने भी प्रांतीय महासंघ के आव्हान पर

जिला मुख्यालय और यमुना घाटी शाखाओं के इंजीनियर अपने-अपने शाखा मुख्यालयों पर कार्य बहिष्कार कर धरना-प्रदर्शन में जुटे रहे। उत्तरकाशी शाखा के सदस्य लोक निर्माण विभाग परिसर में एकत्र हुए, जहां प्रदर्शन कर धरने पर बैठे डटे रहे हैं। डिप्लोमा इंजी. नियर के कार्य बहिष्कार से मार्च के अंतिम सप्ताह में लोगों के कार्य पूरे तरह से चरमराने लगे हैं। उन्होंने बताया कि आंदोलन के अंतिम चरण में महासंघ की ओर से अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लिया गया है। यह हड़ताल तब तक जारी रहेगी जब तक शासन की ओर से उनकी मांगों का कोई समाधान नहीं होता। उन्होंने बताया कि उनकी यह अनिश्चितकालीन हड़ताल यहां आंदोलन पूरे प्रदेश में चल रहा है इसमें मुख्य मांग वेतन विसंगति 10, 16 और 26 वर्षों में एसीपी का लाभ डिप्लोमा इंजी. नियर्स की पदोन्नति के लिए सेपरेट गैलरी पुरानी पेंशन बहाली सहायक अभियंता की वित्तीय अधिकार को बढ़ाए जाने आदि है। आंदोलन में जिला सचिव लोकेन्द्र बिष्ट, वाइस चेयरमैन दरबान सिंक सरियाल, प्रदीप मटूडा ,ई सन्दीप भटट, ई० राखी खंडूरी, अरुण नौटियाल, सोनम भंडारी, आराधना, शिवराज रावल, ई० उम राणा, ई० वासुदेव नौटियाल, ई०, गोरख बहुगुणा , आशीष राणा, प्रिया चौशन, ई० वार्तिका दीपिका, ई० सजीत भण्डारी, विकास रमोला आदि उपस्थित रहे हैं।

# उत्तराकाशी में क्षयरोग के प्रति निकाली जनजागरूकता रैली

**■ जनपद में टी बी मुक्त ग्राम पंचायत को किया गया सम्मानित**

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**उत्तरकाशी।** जन-जन की सरकार, चार साल बेमिसालष कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग उत्तरकाशी ने मंगलवार को द्वितीय दिवस को विश्व क्षयरोग दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अध्यक्षता मे जनपद मे विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ बी0एस0रावत ने क्षयरोग के प्रति जनजागरूकता हेतु रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया रैली का शुभराम्भ मुख्य चिकित्सा अधिकारी परिसर से बाजार के मुख्य मार्गो से होते हुए कार्यालय परिसर मे समापन किया गया।

इस अवसर पर जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ कुलबीर राणा, डॉ शैलेन्द्र बिजल्वान, डॉ अजय कुमार, ग्राम पंचायत से जन प्रति. निधि टी0बी0क्लिनिक के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

# जनगणना 2027 के सफल संचालन को लेकर दिया प्रशिक्षण

**■ 16 फील्ड ट्रेनरों को जनगणना से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर दी विस्तृत जानकारी**

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**रुद्रप्रयाग।** जनगणना 2027 के सफल एवं प्रभावी संचालन के लिए जनपद रुद्रप्रयाग में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज तहसील रुद्रप्रयाग में समापन होगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर एवं मुख्य कृषि अधिकारी लोकेन्द्र बिष्ट तथा जनगणना निद. ेशालय देहरादून के नितीश रावत द्वारा 16 फील्ड ट्रेनरों को जनगणना से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना की प्रक्रिया, डेटा संकलन, प्रपत्रों का सही उपयोग, डिजिटल माध्यमों का प्रयोग, भवन गणना एवं व्यक्ति गणना के विभिन्न चरणों को विस्तारपूर्वक समझाया जा रहा है, ताकि कार्य की सटीकता और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

बताया गया कि जनपद में जनगणना का प्रथम चरण (भवन गणना) 24 अप्रैल से 25 मई के मध्य संपन्न किया जाएगा, जिसके सफल संचालन के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

# ग्रामीणों को लिंक मार्गों से जोड़ना जरूरी: रजत

**■ ग्राम स्यूंड में "सरकार जनता के द्वार" कार्यक्रम आयोजित**
**■ ग्रामीणों ने उठाई मूलभूत समस्याएं, उप वन संरक्षक ने किया समाधान**

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**रुद्रप्रयाग।** जनपद के विकास खण्ड अगस्त्यमुनि अंतर्गत ग्राम स्यूण्ड में "सरकार जनता के द्वार" कार्यक्रम (जनता दरबार) का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के निर्देशानुसार आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता उप वन संरक्षक रुद्रप्रयाग रजत सुमन ने की।

इस अवसर पर जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा तिलारा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

ग्राम स्यूण्ड स्थित पंचायत भवन में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं क्रमवार अधिकारियों के समक्ष रखीं। प्रमुख रूप से स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण को लेकर एएनएम केंद्र की स्थापना तथा स्यूण्ड-धौलसारी मोटर मार्ग के शीघ्र निर्माण की मांग उठाई गई।

उप वन संरक्षक रजत सुमन ने बताया कि मोटर मार्ग निर्माण को जिला प्रशासन द्वारा प्राथमिकता दी जा रही है और शासन स्तर पर भी आवश्यक कार्यवाही जारी है, जिससे निर्माण कार्य जल्द शुरू हो सके। इसके अलावा स्यूण्ड-सिल्ली-सतेरा मोटर मार्ग निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त मंदिर प्रतीक्षालय के पुनर्निर्माण की मांग भी ग्रामीणों ने रखी।

ग्रामीणों ने सड़क निर्माण से प्रभावित खेतों, पेड़ों के कटान का मुआवजा, डंपिंग जोन की व्यवस्था, जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा हेतु घेराबाड़, क्षेत्र में बैंक शाखा खोलने, पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति में सुधार, राशन कार्ड ई-केवाईसी में आ रही बायोमेट्रिक समस्याओं के समाधान की मांग भी प्रमुखता से उठाई।

इसके अतिरिक्त गौशाला निर्माण, मिलन केंद्र की मरम्मत, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सीएलएफ से जोड़ने तथा जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी अनुरोध किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उप वन संरक्षक ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से वार्ता कर समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। साथ ही विभिन्न प्रकरणों को संबंधित विभागों को अग्रसारित किया गया।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान प्रवीण सेमवाल, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी प्रीति मेहरा सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

# चौखम्बा की गोद में बसे मनणामाई तीर्थ की है अलौकिक महिमा

**बसंत नवरात्र विशेष**



**■ मदानी नदी के तट पर तपस्या से जगत कल्याण की साधना**

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**ऊखीमठ/रुद्रप्रयाग।** हिमालय की ऊंची चोटियों के मध्य चौखम्बा पर्वत श्रृंखला की तलहटी में स्थित मनणामाई तीर्थ अपनी अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा, प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक आस्था के कारण सदियों से श्रद्धालुओं और प्रकृति प्रेमियों का प्रमुख आकर्षण केंद्र बना हुआ है। बसंत नवरात्र के पावन अवसर पर इस तीर्थ की महिमा और भी अधिक बढ़ जाती है, जब यहां श्रद्धा और भक्ति का विशेष संचार देखने को मिलता है।

मदानी नदी के पावन तट पर स्थित यह तीर्थ स्थल प्राचीन काल से साधकों और तपस्वियों की तपोभूमि रहा है। मान्यता है कि यहां महान संतों और सिद्ध पुरुषों ने कठोर तपस्या कर लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। वर्तमान में भी साध्वी मनणामाई द्वारा की जा रही तपस्या इस क्षेत्र की आध्यात्मिक गरिमा को और ऊंचाई प्रदान कर रही है। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु यहां पहुंचकर दर्शन करते हैं और मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना करते हैं। तीर्थ के समीप बहने वाली मदानी नदी अपनी निर्मलता और कल-कल ध्वनि के साथ श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनी हुई है। स्थानीय मान्यता के अनुसार इस पवित्र नदी में स्नान करने से पापों का क्षय होता है और जीवन में सुख-शांति का संचार होता है।

मनणामाई तीर्थ के चारों ओर फैले विशाल बुग्याल इसकी प्राकृतिक सुंदरता को और अधिक मनोहारी बनाते हैं। मखमली घास, रंग-बिरंगे फूलों से सजी ये घाटियां प्रकृति प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर देती हैं। विशेषकर वर्षा ऋतु में जब ये बुग्याल पूरी तरह खिल उठते हैं, तो यहां का दृश्य स्वर्गिक प्रतीत होता है। शांत वातावरण और शुद्ध वायु यहां आने वाले हर व्यक्ति को मान. सिक सुकून प्रदान करती है।

शिक्षाविद रवीन्द्र भट्ट के अनुसार, इस तीर्थ तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को एक रोमांचक पैदल ट्रैक से होकर गुजरना पड़ता है। घने जंगलों, झरनों और पहाड़ी रास्तों से होकर गुजरने वाला यह मार्ग प्राकृतिक विविधताओं से भरपूर है। हालांकि कुछ स्थानों पर यह ट्रैक चुनौतीपूर्ण भी है, इसलिए यात्रियों को विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता भगवती प्रसाद भट्ट का कहना है कि मनणामाई तीर्थ न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि यह क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक धरोहर का भी प्रतीक है। यदि इस स्थल का समुचित विकास और प्रचार-प्रसार किया जाए, तो यह धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण स्थान बना सकता है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। प्रधान संगठन ब्लॉक महामंत्री मदन भट्ट ने मांग की है कि तीर्थ तक पहुंचने के लिए बुनियादी सुविधाओं का विकास किया जाए। उन्होंने ट्रैक मार्ग के सुधार, विश्राम स्थलों की व्यवस्था और सुरक्षा उपायों को मजबूत करने पर जोर दिया। बद्री-केदार मंदिर समिति के पूर्व सदस्य शिव सिंह रावत और जगत सिंह पंवार के अनुसार, मनणामाई तीर्थ, मदानी नदी और चौखम्बा की भव्यता मिलकर एक ऐसा अद्वितीय संगम प्रस्तुत करते हैं, जहां आध्यात्मिक शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और रोमांच का संगम देखने को मिलता है।

वहीं प्रकृति प्रेमी शंकर सिंह पंवार का कहना है कि रासी-थौली-मनणामाई तीर्थ का लगभग 32 किमी लंबा पैदल ट्रैक प्रकृति के अनुपम वैभव से भरपूर है, जो बार-बार इस क्षेत्र में आने की प्रेरणा देता है।

# सीएम ने रेस्टोरेंट में पहुंचकर लिया गैस आपूर्ति का जायजा

■ गैस आपूर्ति सुचारू रखने के लिए प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हर संभव प्रयास कर रही है सरकार

शाह टाइम्स ब्यूरो

**देहरादून।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गढ़ी कैंट क्षेत्र में एक रेस्टोरेंट में पहुंच कर, रसोई गैस आपूर्ति का जायजा लिया।

मुख्यमंत्री ने सभी होटल, रेस्टोरेंट संचालकों से कहा कि अभी गैस का बहुत अधिक संकट नहीं है, फिर भी आने वाले दिनों में यदि जरूरत पड़ी तो देशवासियों को इस बार भी कोरोनाकाल की तरह एकजुटता के साथ इस चुनौती का सामना करना होगा।

मुख्यमंत्री ने रेस्टोरेंट संचालक से गैस आपूर्ति के बारे में पूछा, इस दौरान रेस्टोरेंट संचालक ने कहा कि सप्लाई में थोड़ा कमी तो आई है लेकिन फिलहाल गैस लगातार मिल रही है। रेस्टोरेंट संचालक ने बताया कि वो गैस की खपत कम करने के लिए तंदूर का अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने भी इस पहल को सराहते हुए, प्रशासन को वैकल्पिक ऊर्जा के लिए जरूरी प्रबंध करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी गैस की आपूर्ति हो रही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आपूर्ति सुचारू रखने के लिए पूरा प्रयास कर रही है।

उन्होंने सभी होटल, रेस्टोरेंट संचालकों के साथ ही आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो देश एकजुटता से इस चुनौती का सामना करेगा। जिस तरह कोरोना काल में देश ने एकजुटता का परिचय दिया था, उसी तरह का धैर्य का परिचय इस बार भी जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गैस के विकल्प के तौर पर इडक्शन सहित अन्य विकल्पों का प्रयोग किया जा सकता है। सरकार हर तरह से लोगों की मदद करने के लिए तैयार है।

## महिला समेत तीन नशा तस्कर गिरफ्तार

**देहरादून।** वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में नशे के सौदागरों के खिलाफ दून पुलिस की ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है। पिछले 24 घंटों के भीतर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से पुलिस ने एक महिला अभियुक्त सहित तीन नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के कब्जे से भारी मात्रा में स्मैक, चरस और गांजा बरामद किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में नेहरू कॉलोनी पुलिस ने चेकिंग के दौरान सपेरा बस्ती, हरिद्वार रोड के पास से एक महिला तस्कर सोनी देवी (40 वर्ष) को 737 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया। वहीं, कोतवाली पटेलनगर पुलिस ने चंद्रबनी चौक स्थित आर्मी ग्राउंड के पास से साकिब राव (29 वर्ष) निवासी मेहुँवाला माफी को 7.18 ग्राम अवैध स्मैक के साथ दबोचा।

# कोतवाली नगर के वार्षिक निरीक्षण में एसएसपी के सख्त तेवर

शाह टाइम्स संवाददाता

**देहरादून।** वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मंगलवार को कोतवाली नगर का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान एसएसपी का सख्त रुख देखने को मिला। उन्होंने प्रार्थना पत्रों के अनावश्यक रूप से लंबित रहने पर संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और दोषी जांचकर्ताओं के विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश दिए।

निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने थाना कार्यालय के अभिलेखों का बारीकी से अवलोकन किया। संचालित पोर्टलों, सीएम पोर्टल और ई-डिस्ट्रिक्ट के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण न होने पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट हिदायत दी कि सभी सूचनाओं को समय पर अपडेट किया जाए और जनता की समस्याओं के समाधान में किसी भी



प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।थाना परिसर के भ्रमण के दौरान एसएसपी ने पुलिसकर्मियों की बैरिकों, आवासीय परिसर और मैस का भी जायजा लिया। उन्होंने साफ-सफाई की व्यवस्था को उच्च श्रेणी का रखने और भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मालखाने के निरीक्षण के दौरान उन्होंने लावारिस और एमवी एक्ट के तहत लंबित मालों के त्वरित निस्तारण के लिए प्रभारी निरीक्षक को निर्देशित किया।सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसएसपी ने पुलिसकर्मियों को नियमित रूप से शस्त्र अभ्यास और क्राइम डिटेक्शन किट का प्रशिक्षण लेने को कहा, ताकि अपराध स्थल से साक्ष्यों को बेहतर तरीके से संकलित किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने हिस्ट्रीशीटरों की नियमित निगरानी और इनामी अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी के लिए भी कड़े निर्देश जारी किए।

## क्यूआरटी टीम ने किया क्षेत्रवार गैस एजेंसियों का निरीक्षण

■ एलपीजी गैस की मांग व आपूर्ति सहित सभी गतिविधियों को करीब से देखा

शाह टाइम्स संवाददाता

**देहरादून।** एलपीजी गैस की कालाबाजारी रोकने तथा शत प्रतिशत् होमडिलिविरी सुनिश्चित करवाने के जिलाधिकारी सविन बसंल के निर्देशों के अनुपालन में जिले में क्षेत्रवार क्यूआरटी टीम गठित की गई है। क्यूआरटी टीम मंगलवार को क्षेत्रवार गैस एजेंसियों के निरीक्षण करते हुए एलपीजी गैस की मांग, आपूर्ति आदि सभी गतिविधियों देखी। ग्रामीण क्षेत्रों में भी अब गैस की बुकिंग 45 दिन से घटाकर 25 दिन कर दी गई है।

जिला प्रशासन द्वारा प्रसारित नंबरों के माध्यम से कुल 33 शिकायतें एलपीजी गैस की आपूर्ति के सम्बन्ध में दर्ज हुई है, वही कंट्रोलरूम में मौजूद जिला खाद्य पूर्ति विभाग, देहरादून में एलपीजी गैस की आपूर्ति, सिलेंडर उपलब्धता या अन्य किसी प्रकार की समस्या को लेकर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में आज लगभग 10424 अधिक उपभोक्ताओं को घरेलू तथा 412 उपभोक्ताओं को व्यवसायिक गैस सिलेंडर की आपूर्ति की गई है। एलपीजी का घरेलू 34487 तथा व्यवसायिक का 1207 स्टॉक उपलब्ध है। घरेलू के साथ ही व्यवसायिक एलपीजी गैस सिलेंडर का लोड निंरतर बढाया जा रहा है।

# खाड़ी संकट में भी देश, प्रदेश पीएम मोदी के नेतृत्व में एकजुट : भट्ट

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

**देहरादून।** भाजपा ने स्पष्ट किया है कि खाड़ी युद्ध संकट में भी देश और प्रदेश पीएम मोदी के नेतृत्व में एकजुट खड़ा है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा, संसद के दोनों सदनों में प्रधानमंत्री द्वारा बताई देश की क्षमता और तैयारियों पर जनता को पूरा भरोसा है। लिहाजा हम सभी को उनकी अपील पर अफवाह, पैनिक खरीदारी और जमाखोरों से बचने की जरूरत है।



■ प्रयाप्त स्टॉक, सिर्फ अफवाह, पैनिक खरीदारी, जमाखोरों से बचने की जरूरत

■ हिमाचल में तेल की कीमत बढ़ाने वाली कांग्रेस, युद्ध से मंहगाई की फैलाती है अफवाह

प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा संसद में पश्चिम एशिया संकट भारत की स्थिति और नीति स्पष्ट करने से देशवासी निश्चिंत हो गए हैं। एक स्वाभाविक लीडर की तरह एक बार फिर संकट की घड़ी में उन्होंने सामने आकर भरोसा दिलाया है कि संकट विकट है लेकिन हमारी तैयारी और एकजुटता इसका सामना करने में सक्षम है। पेट्रोलियम पदार्थों को लेकर देश में 53 लाख मैट्रिक टन रिजर्व है जो लगभग 2 महीने तक काम आ सकता है। इसी तरह देश की कुल जरूरत का 30 फीसदी स्वदेशी उत्पादन के साथ खाड़ी देशों और अन्य देशों से लगातार एलपीजी सप्लाई जारी है। हम उन चुनिंदा देशों में है जिसके जहाज युद्धरत होमुर्ज खाड़ी से निकलकर सुरक्षित आ रहे हैं, अब तक 5 जहाज आ गए हैं और बाकी भी आने की उम्मीद है। इसी तरह खाड़ी देशों में काम कर रहे भारतीयों की सुरक्षा पर भी प्राथमिकता से प्रयास जारी हैं। उन्होंने आग्रह किया कि पीएम के कथानुसार, अक्सर विपरीत परिस्थितियों में कुछ लोग लाभ उठाने की कोशिश करते हैं। हमें ऐसी स्थिति में फैलने वाली अफवाहों और झूठ से सावधान रहने की जरूरत है। देश में प्रयाप्त स्टॉक है, लिहाजा हम सबको पैनिक खरीदारी से बचना चाहिए।

## एक नजर .......

### कृषि मंत्री जोशी से की भरसार विश्वविद्यालय के कुलपति ने शिष्टाचार मुलाकात

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

**देहरादून।** प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी से आज उनके कैंप कार्यालय में वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, भरसार के कुलपति प्रो. परविंदर कौशल ने शिष्टाचार भेंट की।



इस अवसर पर कुलपति प्रो. कौशल ने कृषि मंत्री को विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले आगामी दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग करने के लिए औपचारिक आमंत्रण दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों की जानकारी भी साझा की।

कृषि मंत्री जोशी ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रदेश में कृषि, उद्यान एवं वानिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होने की सहमति व्यक्त की तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

### भारतीय बैंकिंग में बदल रही है भरोसे की परिभाषा

देहरादून । आज के दौर में बैंकिंग सिर्फ पैसे रखने या लेन-देन तक सीमित नहीं रह गई है। ग्राहक अब पहले से ज्यादा जागरूक हैं, उनके पास जानकारी भी है और विकल्प भी। ऐसे में वे सिर्फ बैंक की आर्थिक मजबूती नहीं देखते, बल्कि यह भी चाहते हैं कि बैंक की सेवा भरोसेमंद हो, जिम्मेदारी से काम करे और हर समय साथ खड़ा रहे। इस विषय पर उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने ग्राहकों का खूब भरोसा जीता है। पिछले कुछ वर्षों में बैंकिंग क्षेत्र का बड़ा लक्ष्य ज्यादा से ज्यादा लोगों को बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना रहा। इस दिशा में काफी काम भी हुआ और अब देश के अधिकतर लोग बैंकिंग सेवाओं तक पहुँच बना चुके हैं।

## टीबी के लक्षणों को नजरअंदाज करने से इलाज में हो सकती है देरी: डॉ विवेक

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

**देहरादून।** विश्व टीबी दिवस के अवसर पर, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, देहरादून के विशेषज्ञों ने कहा कि टीबी से प्रभावी रूप से निपटने के लिए प्रारंभिक जांच, सही समय पर उपचार और सतत जागरूकता बेहद जरूरी है।

तपेदिक दुनिया भर में सबसे महत्वपूर्ण संक्रामक रोगों में से एक बना हुआ है और भारत में भी यह एक बड़ी जन स्वास्थ्य चिंता है। चिकित्सा विशेषज्ञों ने बताया कि हालांकि टीबी रोकथाम योग्य और इलाज योग्य दोनों है, लेकिन देर से



■ मैक्स हॉस्पिटल, देहरादून के विशेषज्ञों ने चेतावनी दी

जांच और अधूरा इलाज अक्सर गंभीर जटिलताओं का कारण बनता है और इसके फैलने का जोखिम बढ़ाता है। इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. विवेक कुमार वर्मा, प्रिंसिपल कंसल्टेंट ख्र पल्मोनोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, देहरादून ने कहा, "तपेदिक अभी भी बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित कर रहा है, लेकिन इसका एक उत्साहजनक पहलू यह है कि यदि इसकी शुरुआती जांच हो जाए और उचित इलाज मिले, तो यह पूरी तरह से ठीक हो सकता है। हालांकि, कई लोग शुरुआती चेतावनी के संकेतों जैसे लगातार खांसी, बुखार, बिना किसी कारण के वजन कम होना और रात में पसीना आना को नजर. अंदाज कर देते हैं, जिससे समय पर जांच और इलाज में देरी होती है।"

डॉ. विवेक ने आगे कहा, टीबी की दवा का पूरा कोर्स करना बेहद जरूरी है। बीच में ही इलाज छोड़ देने से दवा-प्रतिरोधी टीबी हो सकता है, जिसका इलाज करना कहीं ज्यादा मुश्किल होता है। बीमारी के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए ज्यादा जागरूकता, शुरुआती स्क्रीनिंग और तुरंत चिकित्सा हस्तक्षेप जरूरी हैं।"

डॉक्टर ने टीबी से जुड़े कलंक को खत्म करने के महत्व पर भी जोर दिया, जो अक्सर मरीजों को समय पर चिकित्सा सहायता लेने से रोकता है।

## षष्ठम चैत्र नवरात्र पर कौलागढ़ में माँ शक्ति आराधना संध्या महोत्सव आयोजित

**देहरादून।** ब्रह्मकमल शक्ति संस्था की और से इस वर्ष चैत्र नवरात्र एवं हिन्दू नववर्ष के उपलक्ष्य में विभिन्न मंदिरों में माँ शक्ति आराधना संध्या महोत्सव कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार को षष्ठम नवरात्रख्र माँ कात्यायनी के पावन अवसर पर कमलेश्वर महादेव मंदिर, कौलागढ़ में माँ शक्ति आराधना संध्या महोत्सव का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर संस्था द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्रवासियों ने श्रद्धा भाव से सहभागिता की। ब्रह्मकमल शक्ति संस्था के अध्यक्ष अभिनव थापर ने कहा कि नवरात्रि के छठे दिन पूजित माँ कात्यायनी साहस, शक्ति एवं धर्म की रक्षा का प्रतीक हैं। कार्यक्रम में ब्रह्मकमल शक्ति संस्था के अध्यक्ष अभिनव थापर, पिया थापा, विजय शाही, गीता उपाध्याय , अनिल बसनेत, ममता गुरुंग, राजेश्वरी नेगी, गंगा गुरुंग, निर्मला शाही, कल्पना गुरुंग, सीता थापा, मीना शाही, मंजू शाही, सीता थापा, चेतना क्षेत्री, संध्या पुन, भाग्या थापा, सुमित्रा थापा, शैली मौजूद रहे।

**सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमती पूजा कैंतुरा तथा मेरी सास श्रीमती रिद्धि देवी निवासी 55, हरिपुर सहसपुर देहरादून की सम्पत्ति की एक पूर्व विक्रय पत्र की मूल प्रति 20.03.2026 को खो गई है जिसका विवरण निम्नवत है - मूल रजिस्ट्री जिसका नं 3819 दिनांक 11.06.2003 बही नं 1, जिल्द 498, पृष्ठ 499, एड़ी फा.बुक 1, जिल्द 1301, पृष्ठ 35 से 46 जो कि पूर्व से ही विक्रता श्रीमती अंजू थपलियाल के नाम से है/ जिस किसी व्यक्ति को उपरोक्त वर्णित मूल रजिस्ट्री मिले कृपया अधोहस्ताक्षरी को तुरंत संपर्क करे।

पूजा कैंतुरा एवं रिद्धि देवी,
55 हरिपुर सहसपुर, देहरादून
मो. न. 8954889225

## मुख्यमंत्री ने किया राज्य के पहले 'आधुनिक इंटेंसिव केयर सेंटर' का लोकार्पण

शाह टाइम्स संवाददाता

**देहरादून।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद देहरादून में जिला प्रशासन के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट " आधुनिक इंटेंसिव केयर सेंटर " का विधिवत लोकार्पण किया। राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से इस केंद्र को जनमानस को समर्पित किया गया। राजा रोड स्थित साधुराम इंटर कॉलेज में लगभग 157.60 लाख रुपये की लागत से निर्मित यह केंद्र राज्य का पहला ऐसा आधुनिक संस्थान है, जिसका मुख्य उद्देश्य भिक्षावृत्ति और बालश्रम में संलिप्त बच्चों का पुनर्वास कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है।



■ एक वर्ष में गेमचेंजर बना जिला प्रशासन का प्रोजेक्ट, 325 से अधिक बच्चे रेस्क्यू

मुख्यमंत्री के 'भिक्षावृत्ति मुक्त राज्य' के संकल्प को साकार करने की दिशा में यह सेंटर एक साल के भीतर ही गेमचेंजर साबित हुआ है। जिला प्रशासन की टीम द्वारा अब तक 325 से अधिक बच्चों को बाल भिक्षावृत्ति एवं बालश्रम से रेस्क्यू किया जा चुका है। सराहनीय पहलू यह है कि इस केंद्र के माध्यम से अब तक 200 से अधिक बच्चों का विद्यालयों में नामांकन कराया गया है, जो इस पहल की बड़ी सफलता को दर्शाता है। इस केंद्र में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रेस्क्यू किए गए बच्चों के मानसिक और व्यवहारिक सुधार (माइंड रिफॉर्म) के लिए योग, संगीत, खेलकूद और अन्य रचनात्मक गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद इस परियोजना को प्राथमिकता दी थी, जिसका शिलान्यास दिसंबर 2024 में किया गया था। वर्तमान में यह केंद्र अपने सुसज्जित भवन और आधुनिक संसाधनों के साथ संचालित हो रहा है। अभियान को गति देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा एक विशेष अंतरविभागीय टीम गठित की गई है। इसमें होमगार्ड, चाइल्ड हेल्पलाइन, शिक्षा, श्रम और पुलिस विभाग के साथ-साथ स्वयंसेवी संस्थाएं भी समन्वय स्थापित कर रही हैं। शहर में बच्चों की पहचान और त्वरित रेस्क्यू के लिए तीन विशेष वाहन तैनात किए गए हैं।

**शाह टाइम्स**

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ु चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक: एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

**यूजेवीएन लिमिटेड**
मुख्यालय 'उज्ज्वल' महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून-248006
दूरभाषः 0135-2763808, फैक्स- 0135-2763508
सी0आई0एन0 सं0: U40101UR2001SGC025866 | वेबसाइटः www.ujvnl.com

पत्रांक-247 **अल्पकालीन निविदा सूचना** दिनांक- 24/03/2026

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (वि0एवंयॉ0), आसन बैराज, 'जल शक्ति भवन', ढकरानी, देहरादून, इच्छुक निविदादाताओ से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित करता है। निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है:
**निविदा सं0** T-12/ EE(E&M)/ Asan Barrage/(2025-26), एवं T-13/ EE (E&M)/ Asan Barrage/ (2025-26)
**कार्य का नाम : (1)** अधिशासी अभियन्ता (वि0 एवं यॉ0), आसन बैराज के प्रयोगार्थ 01 वर्ष हेतु 01 नग नॉन-एसी डीजल वाहन मय चालक संचालन का कार्य एवं **(2)** आसन बैराज के अग्निशमन उपकरणों की रिफिलिंग का कार्य।
**अनुमानित लागत :** (1) ₹ 4,86,101.00 मात्र (जी0एस0टी0 अतिरिक्त) एवं (2) ₹ 5,67,012.00 मात्र (जी0एस0टी0 अतिरिक्त)
**वैबसाईट पर निविदा की उपलब्धता:** 25.03.2026
**निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि:** 08.04.2026 को 13:00 बजे तक।
अन्य जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाइट देखें। निविदा प्रपत्र निगम की वेबसाइट "www.ujvnl.com" से डाउनलोड किये जा सकते है।

अधिशासी अभियन्ता (वि0एवंयॉ0)

"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

**यूजेवीएन लिमिटेड**
मुख्यालय 'उज्जवल' महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून-248006
दूरभाष संख्याः 0135-2763808, फैक्स नं0 0135-2763508
CIN No. U4101UR2001SGC025866 Website: www.ujvnl.com

पत्रांक: 244 **निविदा सूचना** दिनांक 24.03.2026

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (गलोगी लजवि), यूजेवीएन लि0, गंगा भवन, यमुना कालोनी, देहरादून इच्छुक निविदा दाताओं से मुहरबंद निविदायें आमंत्रित करता है। निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है: -
निविदा सूचना सं0: 23/अ0अ0(ग0कॉ0)/2025-26: देहरादून स्थित भट्टा हेडवर्क्स में वर्तमान मैनुवल बाईपास वाल्व के स्थान पर मोटरयुक्त स्लूइस वाल्व, पैनल, केबल और संबधित कार्यों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य।
अनुमानित लागतः रू 12,83,795.00 मात्र (कर अतिरिक्त )
वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र की उपलब्धता की तिथि : 24.03.2026, 17:00 बजे से
निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि : 17.04.2026, 15:00 बजे तक
अन्य जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाईट देखें। निविदा प्रपत्र निगम की वेबसाइट www.ujvnl.com से डाउनलोड किये जा सकते हैं। अधिशासी अभियन्ता (गलोगी लजवि)

"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

**उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लिमिटेड**
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम) (कोरपोरेट आईडी नं. UA40109UP2001SGC025867/2358)
विक्टोरिया क्रॉस विजेता गबर सिंह ऊर्जा भवन, कांवली रोड, देहरादून-248001
दूरभाष संख्याः 0135-2763672-76, वेबसाईटः www.uktenders.gov.in

**ई-निविदा विस्तार सूचना**

इस कार्यालय द्वारा पूर्व में आमंत्रित ई-निविदा संख्या सी.सी.पी-।।/21/2025-2026 जो कि 200 कि० ली० नया परिवर्तक ऑयल की आपूर्ति हेतु आमंत्रित की गयी थी को अपरिहार्य कारणों से विस्तारित किया जाता है। ये ई-निविदा दिनांक 06.04.2026 समय 17:00 बजे तक क्रय एवं जमा की जा सकती है। ई-निविदा का भाग-एक 07.04.2026 को 15:30 बजे खोला जायेगा।
अन्य नियम व शर्तें मूल ई-निविदा के अनुसार रहेंगी। अन्य विवरण के लिए कृपया वेवसाईट www.uktenders.gov.in को देखें।

No.: 196/EE(cm)/UPCL/A-2 Dt.: 24.03.2026

अधीक्षण अभियन्ता
कारपोरेट (अनुबन्ध एवं क्रय-द्वितीय)

'राष्ट्र हित में बिजली बचायें' बिजली बचाने हेतु एल0ई0डी0 बल्ब का प्रयोग करें। (टोल फ्री नं0 1912)
'विद्युत बिलों के 24x7 ऑनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाऐं'
(विद्युत चोरी सूचना टोल फ्री नं0 1800 180 4185/फैक्स संख्या 0135-2760911 पर दें)

**उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०**
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम) कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड (मोहनपुर), 56 स्पेशल विंग, प्रेमनगर-248007
निकट अमिताभ टेक्सटाइल मिल, देहरादून कारपोरेट आइडिन्टीटी संख्या : U40109UR2001SGC025867 दूरभाष : 0135-2770955 ईमेल : eddmohanpur@gmail.com

**निविदा सूचना**

अधोहस्ताक्षरी द्वारा अनुभवी/प्रतिष्ठित ठेकेदारों से जिनके पास विद्युत अधिष्ठापन कार्यों हेतु उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रदत्त प्रथम श्रेणी का राजकीय विद्युत ठेकेदार लाइसेन्स हो तथा जो आयकर, जी०एस०टी० ई०एस०आई० एवं ई०पी०एफ० के अन्तर्गत पंजीकृत, से मोहरबन्द निविदायें दो भागों में (प्रथम भाग में धरोहर राशि नियम व शर्तें उत्तराखण्ड विद्युत निरीक्षक द्वारा निर्गत प्रथम श्रेणी का लाईसेंस की प्रमाणित प्रतिलिपि, आयकर, जी०एस०टी०, ई०एस०आई० एवं ई०पी०एफ० पंजीकरण पैन कार्ड की प्रतिलिपि आदि एवं द्वितीय भाग में दरें जो निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 06 माह तक वैध हो) आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनाक 08.04.2026 तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में भुगतान जमा कर 14:00 बजे तक क्रय किये जा सकते है निविदा की धरोहर राशि निम्नानुसार किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ०डी०आर०/सी०डी०आर० के रूप में अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड़ मोहनपुर, देहरादून के पक्ष में बन्धक होनी चाहियें तथा एफ०डी०आर०/सी०डी०आर० निविदा प्रकाशन तिथि के बाद की होनी अनिवार्य है। बिना धरोहर राशि के निविदा भाग-2 को नहीं खोली जायेगी। निविदा खुलने की तिथि को अवकाश होने पर निविदा अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये समस्त निविदा अथवा किसी एक निविदा को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित है।

| क्र0 सं0 | निविदा संख्या | कार्य का नाम | निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय | निविदा भाग-एक खुलने की तिथि एवं समय | निविदा प्रपत्र मूल्य | धरोहर राशि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 67/EDD(M)/ 2025-26 | Shifting of LT/HT Line under Hon'ble Vidhayak Nidhi Under EDD Mohanpur. | 09.04.2026 को 11:30 बजे तक | 09.04.2026 को 14:00 बजे | रू. 295.00 (कर सहित) | रू. 5,200.00 |

पत्रांक : 1793/वि0वि0ख0(मोहनपुर)दे0दून/उपाकालि/
दिनांक : 24.03.2026

अधिशासी अभियन्ता

"राष्ट्र हित में बिजली बचायें" बिजली बचाने हेतु एल0ई0डी0 बल्ब का प्रयोग करें। (टोल फ्री नं0 1912)
विद्युत बिलों के 24x7 ऑनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएँ
(विद्युत चोरी की सूचना टोल फ्री नं0 1800 180 4185 / फैक्स संख्या 0135-2760911 पर दें)

**उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि.**
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कार्यालय-अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, डोईवाला E-mail Id- eedoiwalaupcl11@gmail.com

पत्रांक : 1020/वि0वि0ख0(डोईवाला)/उपाकालि/2025-26 दिनांक: 24.03.2026

**निविदा सूचना**

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु उत्तराखण्ड शासन द्वारा प्रदत्त विद्युत कार्यों के लिये "ए" श्रेणी के लाईसेन्स धारक, जी०एस०टी०, ई०पी०एफ०, ई०एस०आई० के अन्तर्गत पंजीकृत, आयकर/पैन कार्ड धारक निविदाकर्ताओं से मुहरबन्द निविदायें दो भागों में (प्रथम भाग में निविदा धरोहर धनराशि, नियम एवं शर्ते, उत्तराखण्ड विद्युत निरीक्षक द्वारा निर्गत "ए" क्लास लाईसेंन्स की प्रतिलिपि, जी०एस०टी०, ई०पी०एफ०, ई०एस०आई० पंजीकरण, पैनकार्ड की प्रतिलिपि एवं समान प्रकृति के कार्य का अनुभव प्रमाण पत्र आदि एवं द्वितीय भाग में दरें जोकि निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 6 माह तक वैध हो) निम्नलिखित तिथियों के अनुसार उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों के सम्मुख अधोहस्ताक्षरी द्वारा सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में निम्नलिखित तिथि तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से निविदा प्रपत्र मूल्य नगद (अप्रतिदेय) जमा कर क्रय किये जा सकते हैं। बिना निविदा धरोहर धनराशि के निविदा भाग-2 नहीं खोली जायेंगी। निविदा खुलने की तिथि में अवकाश होने/अधोहस्ताक्षरी के मुख्यालय से बाहर होने पर अगले कार्य दिवस को खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरी को यह अधिकार होगा कि वह बिना कारण बताये समस्त अथवा किसी भी निविदा को निरस्त कर सकते हैं। विस्तृत नियम एवं शर्ते निविदा प्रपत्र में वर्णित है।

| निविदा संख्या | कार्य का नाम | निविदा प्रपत्र का मूल्य | धरोहर धनराशि | निविदा प्रपत्र क्रय करने की अन्तिम तिथि व समय | निविदा प्रपत्र जमा करने व खोलने की तिथि व समय |
|---|---|---|---|---|---|
| 51/EDD(D)/ 2025-26 | विद्युत वितरण उपखण्ड जौलीग्रान्ट के जौलीग्रान्ट सेक्शन के अन्तर्गत लाईन/उपसंस्थान का निर्माण का कार्य। | ₹ 1000 + जी०एस०टी० | ₹ 45000.00 | 15.04.2026 (12:00 बजे तक) | 16.04.2026 14:00 बजे तक (15:00 बजे निविदा खोली जायेगी) |

किसी भी विद्युत समस्या के लिये सम्पर्क करें टोल फ्री नं0 18004190405 | राष्ट्रहित में बिजली बचायें।

अधिशासी अभियन्ता
विद्युत वितरण खण्ड़, डोईवाला।

### हरिद्वार में ''सुरक्षित साथी'' प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित, सड़क सुरक्षा पर दिया जोर

# सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जान बचाना किसी पुण्य से कम नहीं : प्रदीप बत्रा

शाह टाइम्स संवाददाता

**हरिद्वार।** परिवहन विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा हीरो मोटर क्रॉप के सीएसआर कार्यक्रम Ride Safe India के अंतर्गत उप क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (एआरटीओ), हरिद्वार के सहयोग से "सुरक्षित साथी ख़ रोड सेफ्टी एवं इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्रशिक्षण कार्यक्रम" का आयोजन एक स्थानीय होटल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी पी.आर. चौहान, संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ. अनीता चमोला, संदीप सैनी, सीओ ट्रैफिक बिपेंदर सिंह, प्लांट एचआर हेड पंकज भट्ट एवं प्लांट हेड सुनील कुमार सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए यातायात नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग न करने, ओवर स्पीड से बचने और सावधानीपूर्वक ड्राइविंग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हेलमेट का उपयोग हर हाल में करना चाहिए और दुर्घटना की स्थिति में घायल व्यक्ति को तुरंत अस्पताल पहुंचाना मानवता का सबसे बड़ा कार्य है।

उन्होंने "गोल्डन ऑवर" के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि समय पर सहायता मिलने से कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। सड़क सुरक्षा को उन्होंने प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी बताया। अपर जिलाधिकारी पी.आर. चौहान ने भी ओवरटेकिंग और तेज रफ्तार को दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बताते हुए सभी से नियमों के पालन की शपथ लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम का उद्देश्य डिलीवरी पार्टनर्स, ड्राइवर और गिग वर्कर्स जैसे उच्च जोखिम वाले सड़क उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित ड्राइविंग और आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए प्रशिक्षित करना रहा। लगभग 500 प्रतिभागियों को सुरक्षित वाहन संचालन, यातायात नियमों का पालन, "गोल्डन ऑवर" की जानकारी और प्राथमिक उपचार जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

दो तकनीकी सत्रों के दौरान प्रतिभागियों को व्यावहारिक जानकारी दी गई। साथ ही मुख्य अतिथि द्वारा सेफ्टी किट और हेलमेट वितरित किए गए। कार्यक्रम का समापन संयुक्त परिवहन आयुक्त राजीव मेहरा ने किया। उन्होंने इस पहल को सड़क सुरक्षा जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण बताते हुए प्रतिभागियों से सीखी गई बातों को व्यवहार में अपनाने की अपील की। अंत में प्रतिभागियों को सम्मानित कर प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी नेहा झा, निखिल शर्मा, कृष्ण चंद्र पलारिया, जितेन्द्र चन्द, परिवहन कर अधिकारी वरुणा सैनी एवं भ्मतव डवजवब्वतच की सीएसआर प्रमुख सोनिका चोपड़ा सहित कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# जगजीतपुर के आबादी क्षेत्र में पहुंचे चार जंगली हाथी

शाह टाइम्स संवाददाता

**हरिद्वार।** जगजीतपुर के आबादी क्षेत्र में जंगली हाथियों के आने सिलसिला लगातार जारी है। सोमवार देर रात जंगली हाथियों का एक झुंड जंगल से निकलकर आबादी में पहुंच गया। देर रात चार विशालकाय हाथियों को गलियों और सड़कों पर घूमते देख इलाके में हड़कंप मच गया। लोगों ने शोर मचाकर हाथियों को आबादी से दूर भगाया। हाथियों के वापस लौटने तक सड़कों और गलियों से गुजर रहे लोगों में दहशत बनी रही। गनीमत रही कि हाथियों ने किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचाया। इस दौरान एक व्यक्ति ने हाथियों की चहलकदमी को अपने मोबाइल में कैद कर लिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोगों का कहना है कि जंगली हाथियों के आबादी में आने की घटनाएं लगातार हो रही हैं। जिससे खतरा बना हुआ है। कई बार शिकायत करने के बाद भी वन विभाग और प्रशासन ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। समस्या का जल्द से जल्द स्थायी समाधान किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि रविवार की रात भी जंगल से आए एक हाथी ने जगजीतपुर के फुटबॉल ग्राउंड इलाके में खूब उत्पात मचाया था। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद हाथी को जंगल में खदेड़ा था।

# फर्जी जमानत के आरोपी की पुलिस रिमांड में बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

**हरिद्वार।** सिडकुल थाना क्षेत्र में पेशेवर जमानत के आरोप में हिरासत में लिए गए एक आरोपी की तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। शुरुआती जानकारी में मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है, हालांकि पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।

जानकारी के अनुसार रोशनाबाद स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय में सुनवाई के दौरान चार लोग अलग-अलग मामलों में जमानत के लिए पहुंचे थे। जांच में सामने आया कि ये सभी पहले भी कई मामलों में जमानत ले चुके हैं और खुद को पेशेवर जमानती होने की जानकारी छिपा रहे थे। इस पर कोर्ट के निर्देश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सभी को हिरासत में ले लिया। इसी दौरान हिरासत में मौजूद नरेश (निवासी भेल सेक्टर-2) की अचानक तबीयत बिगड़ गई। पुलिस उसे कोर्ट में पेशी से पहले मेडिकल के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची थी, जहां उसने पेट और सीने में दर्द की शिकायत की। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया, जहां पर इसकी मौत हो गयी। आरोपी पुलिस कस्टडी में होने के कारण जिला जज द्वारा घटना का सज्ञान लेते हुए मामले की जांच के लिये न्यायायिक मजिस्ट्रेट नियुक्ती की गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि मंगलवार को जब आरोपियों को कोर्ट में पेश करने से पहले सामुदायक केन्द्र में मेडिकल के लिए लेकर गये तो आरोपी नरेश ने ड्यूरी पर नियुक्त कर्मचारी से बोला पेट में दर्द है। फिर बोला चस्ट मे दर्द हो रहा है। आरोपी को इलाज के लिए जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया, जहां पर इसकी मौत हो गयी। आरोपी पुलिस कस्टडी में होने के कारण जिला जज द्वारा घटना का सज्ञान लेते हुए मामले की जांच के लिये न्यायायिक मजिस्ट्रेट नियुक्ती की गई है।

# ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के बीच पहुंचे जिलाधिकारी, शिक्षक बनकर किया मार्गदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

**हरिद्वार।** जिलाधिकारी मयूर दीक्षित मंगलवार को हरिओम सरस्वती पीजी कॉलेज, धनौरी पहुंचे, जहां उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के बीच एक शिक्षक की भूमिका निभाते हुए उनका मार्गदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद स्थापित कर उनके सवालों के जवाब दिए और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, राजनीति विज्ञान विभाग एवं सांस्कृतिक समिति के संयुक्त तत्वावधान में प्रशासनिक सेवाओं के प्रति छात्र-छात्राओं को प्रेरित करने हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि जीवन में कोई भी लक्ष्य निर्धारित करने के बाद उसे प्राप्त करने के लिए ईमानदारी और निरंतर प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि अधिक पढ़ाई करने से ज्यादा महत्वपूर्ण है पढ़ाई में एकाग्रता और सही दिशा में प्रयास करना।

जिलाधिकारी ने युवाओं से मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बचने की अपील करते हुए कहा कि आज के समय में अधिकांश युवा अपना कीमती समय मोबाइल स्क्रीन पर व्यर्थ कर रहे हैं, जो उनके भविष्य के लिए घातक हो सकता है। उन्होंने नशे से दूर रहने और सकारात्मक संगति अपनाने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि जीवन में ऐसे लोगों से दूरी बनाए रखना आवश्यक है जो समय की बर्बादी करते हैं या गलत दिशा में ले जाते हैं। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने जिलाधिकारी से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे। एक छात्रा द्वारा आंखों की कम रोशनी को लेकर प्रशासनिक सेवाओं में बाधा संबंधी प्रश्न पर जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की दिव्यांगता सफलता में बाधा नहीं बनती, यदि व्यक्ति में दृढ़ संकल्प और मेहनत करने की इच्छा हो। वहीं, एक छात्र के एमबीए के बाद प्रशासनिक सेवाओं में जाने के प्रश्न पर उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं एमबीए किया है और सही मार्गदर्शन व तैयारी से इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त की जा सकती है। इससे पूर्व महाविद्यालय पहुंचने पर प्रबंध समिति की ओर से डॉ. आदित्य सैनी, प्राचार्य डॉ. मुनेंद्र सिंह, शिक्षकगण एवं कर्मचारियों ने जिलाधिकारी का स्वागत किया। जिलाधिकारी ने महाविद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय डॉ. तेजवीर सिंह सैनी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. हर्ष सैनी ने की, जबकि संचालन डॉ. योगेश कुमार द्वारा किया गया।

# श्री गंगा सभा के पूर्व अध्यक्ष ने उठाए अर्द्धकुंभ को कुंभ के रूप में मनाए जाने पर सवाल

### विशेष खगोलीय व ज्योतिषीय मुर्हत के आधार पर आयोजित होता है कुंभ मेला : अशोक त्रिपाठी

शाह टाइम्स संवाददाता

**हरिद्वार।** श्री गंगा सभा के पूर्व अध्यक्ष एवं मेला प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक त्रिपाठी ने अर्द्ध कुंभ मेले को कुंभ मेले के रूप में मनाए जाने पर सवाल खड़े किए हैं। प्रैस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए अशोक त्रिपाठी ने कहा कि अर्द्धकुंभ को कुंभ घोषित करना धार्मिक, सांस्कृतिक, पौराणिक और ऐतिहासिक परंपराओं का उल्लंघन है। धार्मिक ग्रथों में भी कुंभ और अर्द्धकुंभ का उल्लेख है। उन्होंने कहा कि कुंभ मेला प्रत्येक 12 वर्ष बाद बनने वाले विशेष खगोलीय और ज्योतिषीय मुर्हत के आधार पर आयोजित किया जाता है। अर्द्धकुंभ को कुंभ के रूप में दिव्य व भव्य स्वरूप में आयोजित करने की तैयारियां की जा रही है। कुंभ जैसी अवस्थापना सुविधाएं विकसित करने से उन्हें कोई ऐतराज नहीं है। अवस्थापना सुविधाएं विकसित करना सरकार और प्रशासन का काम भी है। लेकिन कृत्रिम साधनों से कुंभ के लिए जरूरी खगोलीय व ज्योतिषीय संयोग तथा मुर्हत का निर्माण नहीं किया जा सकता है। समुद्र मंथन जैसी घटनाएं कुंभ के आयोजन से जुड़ी हैं। धार्मिक और पौराणिक मान्यताओं से किसी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए। कुंभ और अर्द्धकुंभ के आयोजन में परिवर्तन का अधिकारी किसी को नहीं है। इसलिए मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को अर्द्धकुंभ को कुंभ के रूप में आयोजित करने के निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए।

अशोक त्रिपाठी ने कहा कि अर्द्धकुंभ को कुंभ के रूप में आयोजित करने का उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना बताया जा रहा है। कुंभ और अर्द्धकुंभ धार्मिक पर्व हैं और हरिद्वार की विश्व में पहचान तीर्थ के रूप में है। लोग गंगा के प्रति श्रद्धा लेकर तीर्थाटन के लिए हरिद्वार आते हैं, पर्यटन के लिए नहीं। हरिद्वार की दिव्यता गंगा जल के प्रवाह से है। कृत्रिम संसाधनों से दिव्यता उत्पन्न नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि हरिद्वार के पर्यटन स्थल बनने से अनेक विसंगतियां उत्पन्न होंगी। जिसका सबसे अधिक नुकसान हरिद्वार के पुरोहित समाज और संत समाज को होगा।

## इएमए के प्रतिनिधिमंडल ने आयुष मंत्री मदन कौशिक को दी शुभकामनाएं

शाह टाइम्स संवाददाता

**हरिद्वार।** इएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.केपीएस चौहान के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त आयुष मंत्री मदन कौशिक पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डा. केपीएस चौहान ने राजस्थान की तर्ज पर उत्तराखंड में भी जिला चिकित्सालयों में आयुष के अंतर्गत समाहित इलेक्ट्रोहोम्योपैथी विभाग स्थापित करने की मांग की। डा. चौहान ने आयुष मंत्री मदन कौशिक को देहरादून में आयोजित किये जा रहे इएमए इंडिया के 38वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अथिती के रूप में शामिल होने का आमंत्रण भी दिया। प्रतिनिधिमंडल मे इएमए के प्रदेश महामंत्री डा.एमटी अंसारी, जिला सचिव हरिद्वार डा.अशोक कुमार, डा.हीना कुशवाहा, डा.लक्ष्मी कुशवाहा आदि शामिल रहे।

# डीपीएस दौलतपुर जूनियर कनखल में किया छात्रों को सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

**हरिद्वार।** दिल्ली पब्लिक स्कूल दौलतपुर जूनियर कनखल में पुरूस्कार वितरण समारोह का आयोजन कर विशेष शैक्षणिक उपलब्धियां प्राप्त करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि नीतू, शालू जैन एवं सीमा जैन ने छात्रों को पुरूस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह में रुद्राक्ष भट्ट को स्कॉलर ऑफ द ईयर का पुरूस्कार प्रदान किया गया। इसके अलावा कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया गया। जिनमें कथा तीन के स्पर्श जैन, अन्वय सिंह, नायरा चौधरी, कक्षा दो के हृदान शर्मा, गुरमीत वालिया, एंजल बंसल, कथा एक के रुद्र तिवारी, एतिशा खन्ना, अंजनी शामिल हैं। प्रेप सीनियर के मिशिका सिंघल, रुद्राक्ष राणा, काव्यान सैनी, आराध्या जैनत्र अमायरा, प्रेप मिड के सर्वश्रेष्ठ प्रताप सिंह, शिवान्या कुकरेती, सौम्या वर्मा, मितांश वर्मा, प्रेप जूनियर के रोहन अरोड़ा, आरवी, आयान को भी सम्मानित किया गया। अतिथीयों ने सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। अमिता ओहरी ने अतिथीयों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

# भव्य व दिव्य रूप से मनाया जाएगा श्री हनुमान जी प्रकटोत्सव समारोह : डा. स्वामी संतोषानंद

शाह टाइम्स संवाददाता

**हरिद्वार।** देवभूमि उत्तराखंड की पावन भूमि हरिद्वार पर स्थित श्री अवधूत मण्डल आश्रम, बाबा हीरादास जी हनुमान मंदिर, सिंहद्वार हरिद्वार में चैत्र पूर्णिमा के पावन अवसर पर 2 अप्रैल (गुरुवार) को भगवान श्री हनुमान जी प्रकटोत्सव का भव्य एवं दिव्य आयोजन किया जाएगा।

आश्रम के पीठाधीश्वर परम पूज्य महामंडलेश्वर 1008 डॉ. स्वामी संतोषानंद देव के सान्निध्य में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में देशभर से साधु-संत एवं हजारों की संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे। आयोजन को लेकर आश्रम में व्यापक तैयारियां चल रही हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक हवन, पूजन, श्रृंगार, छप्पन भोग लगाया जायेगा। वहीं बैंड, बाजा, पालकी के साथ 551 कलशों के शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा का शुभारंभ आश्रम परिसर से शिवमुर्ति तिराहा, रामनगर, आर्यनगर, तहसील रोड, शंकर आश्रम चौक होते हुए वापस आश्रम में समाप्त होगी। सांयकाल में सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। इसके साथ ही प्रातः 11 बजे से रात्रि 11 बजे तक विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें लगभग 2100 साधु-संतों एवं 31,000 श्रद्धालुओं के प्रसाद ग्रहण करने की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त सायं 3 बजे से रात्रि 10 बजे तक भजन-कीर्तन, झांकियां एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। आयोजन में उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट संतजन भी शामिल होंगे। महामंडलेश्वर डा. स्वामी संतोषानंद देव ने समस्त श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने तथा पुण्य लाभ अर्जित करने का आह्वान किया है।

## फरसे वाले बाबा को दी श्रद्धांजलि

शाह टाइम्स संवाददाता

**हरिद्वार।** श्री अखंड परशुराम अखाड़े के कार्यकर्ताओं ने परशुराम घाट पर गंगा में पुष्पांजलि अर्पित कर मथुरा के गौसेवक चंद्रशेखर सिंह फरसे वाले बाबा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान कई साधु संत और अखाड़े के कार्यकर्ता शामिल रहे।

श्री अखंड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने आरोप लगाते हुए कहा कि मथुरा में चंद्रशेखर सिंह फरसे वाले बाबा की हत्या एक सुनियोजित साजिश के तहत की गई है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि इस घटना से देशभर के गौसेवकों में रोष है। उन्होंने सरकार से मांग की कि मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा दोषियों को सख्त सजा दी जाए।

# कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा ने लिया अखाड़ा परिषद अध्यक्ष से आशीर्वाद

### पूरे जनपद को मिलेगा प्रदीप बत्राा के कैबिनेट मंत्री बनने का लाभ : रविंद्रपुरी

शाह टाइम्स संवाददाता

**हरिद्वार।** नवनियुक्त कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा ने निरंजनी अखाड़े पहुंचकर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज से आशीर्वाद लिया। श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने मां की चुनरी ओढ़ाकर एवं पगड़ी पहनाकर और मां मनसा देवी का चित्र भेंटकर कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा का स्वागत किया। श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि प्रदीप बत्रा सौम्य स्वभाव के व्यक्ति हैं। उनके कैबिनेट मंत्री बनने का लाभ पूरे जनपद को मिलेगा। प्रदेश में परिवहन व्यवस्था सुदृढ़ होगी। चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को सुदृढ़ परिवहन व्यवस्था का लाभ मिलेगा। श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि अगले वर्ष हरिद्वार में कुंभ मेले का आयोजन किया जाना है। कैबिनेट मंत्री के रूप में प्रदीप बत्रा कुंभ मेला सकुशल संपन्न कराने में अपना योगदान देंगे। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने परसे वाले बाबा के साथ हुई घटना की निंदा करते हुए कहा कि सरकार पूरे घटनाक्रम की गहराई से जांच कर दोषियों को गिरफ्तार कर जेल भेजे और कड़ी सजा दिलाए। निरंजनी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रामरतन गिरी ने भी प्रदीप बत्रा को आशीर्वाद दिया और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। प्रदीप बत्रा ने कहा कि संतों के आशीर्वाद से प्रदेश के विकास में योगदान करेंगे। उन्होंने कहा कि कुंभ मेले को दिव्य व भव्य रूप से संपन्न कराने के लिए सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है। कुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और संतों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। इस दौरान पंडित अधीर कौशिक, महंत राज गिरी व कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# गुर्जरों का इतिहास प्राचीन, शक्तिशाली योद्धा और शासक समुदायों का रहा : यतीश्वरानंद

### गुर्जर बस्ती सिद्ध स्रोत में अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस समारोह में इतिहासकारों ने बताया गुर्जरों के संघर्ष और बलिदान

शाह टाइम्स संवाददाता

**हरिद्वार।** भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि गुर्जर जाति नहीं बल्कि देश के इतिहास में एक प्राचीन, शक्तिशाली योद्धा और शासक समुदाय रहा है। उन्होंने कहा कि आज देश की सीमा पर सुरक्षा की बात हो या खेतीख़किसान का काम, सभी में गुर्जर समाज का हर वर्ग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा हैं। उन्होंने वन गुर्जरों के संघर्ष की सराहना करते हुए कहा कि आज भी अपनी विरासत को संभाले हुए हैं। मंगलवार को गुर्जर बस्ती सिद्ध स्रोत में अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने गुर्जर समाज के कार्यों की सराहना की।

अंतरराष्ट्रीय गुर्जर महासभा के अध्यक्ष कर्नल देवानंद गुर्जर ने कहा कि गुर्जर शब्द का अर्थ शत्रु विनाशक है। गुर्जरों ने 6ठी से 12वीं शताब्दी तक अरब आक्रांताओं को रोककर भारत की संस्कृति और सीमाओं की रक्षा की। परतंत्र देश में ज्वाला जलाने का काम गुर्जरों ने किया। मेरठ में कोतवाल धन सिंह गुर्जर जैसे वीरों ने 1857 की क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष चौधरी राजेंद्र सिंह ने कहा कि आज पुलिसख़ प्रशासनिक व्यवस्थाओं के साथ राजनीति हो या उद्यम के कार्य, सभी में अपनी भूमिका निभा रहा है। गुर्जर इतिहासकार सुशील भाटी ने गुर्जरों का इतिहास विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि अपने अस्मिता, पहचान और शौर्यता को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने देश में गुर्जरों के शासक और उनके बलिदानों की कहानी बताते हुए कहा कि संघर्ष और बलिदान के लिए हमेशा आगे रहे। इस अवसर रोशन दीन गुर्जर, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मौ सफी लोधा, मुमताज लोधा, सद्दीक बानिया, बाबू खटाना, नूर भड़ाना, शमशाद बानिया गुर्जर, निपेन्द्र चौधरी, दुग्ध संघ के चेयरमैन प्रमोद प्रधान, कंपी सिंह गुर्जर, प्रो. राहुल खारी, रविन्द्र गुर्जर, विकास खटाना, अमीर हमजा गुर्जर, रफी गुर्जर, अब्बी लोधा, नजाकत चेची, गनी कसाना, रानी चेची, शमशेर लोधा, शमशेर कसाना, स्वारु लोधा, मुमताज उर्फ नानी बानिया, अलीजान चेची, नजर हुसैन कसाना, मौ० आलम कसाना, सलीम गेगी, मुस्तफा चौची सहित बड़ी संख्या में गुर्जर समाज के लोग उपस्थित रहे।

# त्याग, तपस्या और सेवा की प्रतिमूर्ति थे स्वामी सत्यमित्रानंद : कौशिक

### कैबिनेट मंत्री ने ब्रह्मलीन स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी की मूर्ति पर किया माल्यार्पण

शाह टाइम्स संवाददाता

**हरिद्वार।** नवनियुक्त कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने भारत माता मंदिर पहुंचकर ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। भारत माता मंदिर के महंत महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी एवं समन्वय सेवा ट्रस्ट एवं जनहित ट्रस्ट भारत माता मंदिर के महासचिव आईडी शास्त्री ने फूलमाला पहनाकर मदन कौशिक का स्वागत किया। मदन कौशिक ने कहा कि भारत माता मंदिर के संस्थापक ब्रह्मलीन म.मं. स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी त्याग, तपस्या और सेवा की प्रतिमूर्ति एवं समस्त संत समाज के प्रेरणा स्रोत थे। राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए समर्पित उनका जीवन सदैव सभी को सेवा कार्यों की प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष होने वाला कुंभ मेला अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज के नेतृत्व में दिव्य और भव्य रूप से संपन्न होगा। कुंभ मेले के दौरान संतों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या नहीं होने दी जाएगी। महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरी ने कहा कि मदन कौशिक संतों के प्रति अगाध श्रद्धा भाव रखने वाले नेता हैं। उनके पुनः मंत्रिमंडल में शामिल होने से हरिद्वार के विकास को गति मिलेगी। आईडी शास्त्री ने कहा कि मदन कौशिक अनुभवी राजनेता हैं। उनके राजनीतिक अनुभव और प्रशासनिक कौशल का लाभ प्रदेश की जनता को मिलेगा। इस अवसर पर भाजपा नेता विकास तिवारी, पार्षद आकाश भाटी, विदित शर्मा, अनिरूद्ध भाटी, लक्की सचदेवा सहित कई कार्यकर्ता शामिल रहे।

**सूचना ( संबंध विच्छेद )**

मैंने अपने पुत्र कुनाल को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में इसके किसी भी कृत्य व लेन-देन की जिम्मेदारी मेरी व मेरे परिवार की नहीं होगी। सचिन कुमार सैनी पत्नी स्व0 श्री विजय सिंह, निवासी रूड़की, थाना कोतवाली गंगनहर रूड़की, तहसील रूड़की, जिला हरिद्वार।

**सूचना ( संबंध विच्छेद )**

मेरा पुत्र नीरज व उसकी पत्नी प्रियंका मेरे कहने सुनने में नहीं है। जो मेरे व मेरे परिवार के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं। इसलिए मैंने व मेरे परिवार ने इन दोनों से संबंध-विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में इनके द्वारा किसी भी कृत्य व लेने-देन की मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। सुनीता पत्नी स्व० मनोज कुमार, निवासी बाल्मीकि बस्ती लण्ढौरा थाना मंगलौर, जिला हरिद्वार (उत्तराखण्ड) ।

**सूचना ( नाम परिवर्तन )**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम इंद्रजीत सिंह गिल (पुराना नाम) से बदलकर इंद्रजीत सिंह (नया नाम) कर लिया है। भविष्य में मुझे इंद्रजीत सिंह पुत्र रणजीत सिंह के नाम से जाना पहचाना व पुकारा जाये। निवासी मंदर कलां, पोस्ट कोट इसे खान, जिला मोगा, पंजाब।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें।

**सैफ सलमानी**

ब्यूरो चीफ

**शाह टाइम्स हरिद्वार**

कार्यालय : रामनगर, तहसील के पीछे, ज्वालापुर, हरिद्वार

मो.: 9639554327, ई-मेल : shahtimeshr2026@gmail.com

# सेपियंस स्कूल में ग्रेजुएशन सेरेमनी, वार्षिक परीक्षा परिणाम व पुरस्कार वितरण समारोह

- विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर समा बांधा
- मेधावी छात्रों को किया गया पुरस्कृत



**शाह टाइम्स संवाददाता**

**विकासनगर।** द सेपियंस स्कूलविकास नगर में यूकेजी कक्षा की ग्रेजुएशन सेरेमनी तथा वार्षिक परीक्षा परिणाम पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय पहुंचने पर एनसीसी कैडेट्स द्वारा सभी अभिभावकों का तिलक लगाकर भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्षा इंदिरा रानी सपरा, सचिव रविकांत सपरा, प्रबंधक रशिता सपरा, प्रधानाचार्य नवीन तनेजा द्वारा अभिभावकों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात छात्रों ने इस शुभ अवसर पर प्रेरणादायक गीत 'लक्ष्य ना ओझल होने पाए' प्रस्तुत कर समां बांध दिया, जिसके बाद एक मनमोहक शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर विगत वर्ष के कक्षा 1 से 11 तक के मेधावी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। प्रत्येक कक्षा के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त छात्रों, विषयवार टॉपर्स, स्टार ऑफ द क्लास तथा पूरे वर्ष 100 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही, कक्षा नर्सरी से यू.के.जी. के परिणाम भी घोषित किए गए तथा कक्षा यू.के. जी. के लिए विशेष ग्रेजुएशन डे समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अभिभावक पारंपरिक परिधान में उपस्थित हुए और अपने बच्चों के साथ इस विशेष दिन का आनंद उठाया।

इस मौके पर विद्यालय सचिव रविकांत सपरा, विद्यालय चेयरपर्सन इंदिरा रानी सपरा, प्रधानाचार्य नवीन तनेजा, विद्यालय प्रशासिका बेबी राठौर, अश्विनी कुमार, अंजू लता, सुमालती उनियाल, नंदी बिष्ट ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को उनके निरंतर प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया।

### नन्हे बच्चों के लिए कम्प्यूटर कैंप का आयोजन

**विकासनगर।** कम्प्यूटर एकेडमी ऑफ एडवांस स्टडीज द्वारा एलकेजी एवं यूकेजी के नन्हे बच्चों के लिए 10 दिवसीय निःशुल्क किड्स कम्प्यूटर कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में कुल 15 विद्यार्थियों ने भाग लिया। शिविर का उद्देश्य बच्चों को प्रारंभिक स्तर पर कम्प्यूटर की जानकारी देना, उनकी रचनात्मकता को बढ़ाना तथा उन्हें डिजिटल शिक्षा से जोड़ना था। कैंप के दौरान बच्चों को बेसिक कम्प्यूटर नॉलेज, टाइपिंग, पेंट/ड्राइंग एवं विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। संस्थान के निदेशक यमन चौधरी ने बताया कि छोटे बच्चों के लिए इस प्रकार के कैंप उनके मानसिक विकास एवं तकनीकी समझ को बढ़ाने में अत्यंत सहायक होते हैं। कैंप में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में प्रमुख रूप से आद्या, आनाया, वार्तिका, अविराज, सान्वी, शिविका, शौर्य आदि शामिल रहे।

कैंप के समापन अवसर पर सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना।

# बहुउद्देशीय शिविर में 283 लोगों ने उठाया योजनाओं का लाभ

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**विकासनगर।** सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित "जन-जन की सरकार, 4 साल बेमिसाल" कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार को विकासखंड विक. ासनगर मुख्यालय में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने भाग लेकर विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की और उनका लाभ उठाया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक मुन्ना सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि नारायण सिंह ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर एसडीएम विकासनगर एवं नोडल अधिकारी विनोद कुमार तथा खंड विकास अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी शक्ति प्रसाद भट्ट भी मौजूद रहे। शिविर में स्वास्थ्य, पशुपालन, उद्योग, पंचायती राज, सहकारिता, समाज कल्याण, राजस्व, खाद्य आपूर्ति, विद्युत, वन, शिक्षा, कृषि, उद्यान, युवा कल्याण, बाल विकास सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए। अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

शिविर के दौरान कुल 283 लोगों ने विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त किया। वहीं 18 शिकायतें लिखित रूप में प्राप्त हुईं, जिनमें से 6 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष 12 शिकायतों को संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई हेतु भेजा गया। कार्यक्रम का संच. ालन युवा कल्याण अधिकारी रीना जुयाल ने किया। इस दौरान मुख्य अतिथि द्वारा बाल विकास विभाग के चयनित लाभार्थियों को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट भी वित. रित की गई।

# राष्ट्रीय चरित्र निर्माण पर व्याख्यान श्रृंखला सम्पन्न

**विकासनगर।** रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित "राष्ट्र बोध" विषयक वैल्यू-एडेड अनिवार्य पाठ्यक्रम के अंतर्गत आज एक प्रभावशाली व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज, सहसपुर के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य डॉ. रवीन्द्र कुमार सैनी जो कि राष्ट्रीय चरित्र निर्माण अभियान के निदेशक भी हैं ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. सैनी ने विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक करते हुए नैतिक मूल्यों, अनुशासन एवं सुदृढ़ चरित्र के महत्व पर विशेष बल दिया। उन्होंने क्रांतिकारियों के त्याग और बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की आजादी अहिंसात्मक आंदोलनों से नहीं, बल्कि वीर क्रांतिकारियों के अद्वितीय त्याग और बलिदान के परिणामस्वरूप प्राप्त हुई है, जिसे सहेज कर बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने वर्तमान समय के निराशाजनक वातावरण को सकारात्मक दिशा में परिवर्तित करने के लिए छात्र-छात्राओं में सशक्त राष्ट्रीय चरित्र के विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। रघुनाथ सिंह ने क्रांतिकारियों के त्याग और बलिदान के ऊपर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की आजादी में क्रांतिकारियों की अहम भूमिका रही है।इस अवसर पर डायरेक्टर लोकप्रिया अस्पताल डॉ. जीवन आशा, डायरेक्टर जनरल एमटीवी बुद्धिस्ट ट्रस्ट मेजर जनरल जीके थपलियाल, कुलपति रास बिहारी बोस सुभारती विश्वविद्यालय प्रो हिमांशु ऐरन, प्रति कुलपति डॉ. देश दीपक, जीबीसीएम प्रधानाचार्य अनिल मेहता, डॉ. बलवंत बोरा विशेष कार्य अधिकारी जीबीसीएम अस्पताल, सचिव संस्कृति विभाग विनय सेमवाल, सदस्य संस्कृति विभाग रमन कृष्ण किमोठी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. पीके शर्मा भी उपस्थित रहे।

### सगंध पौधा केंद्र में मिंट एवं लेमनग्रास की वैज्ञानिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

**सेलाकुई।** सुगंधित पौधों के अंतर्गत जापानी मिंट एवं लेमनग्रास विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, सगंध पौधा केंद्र, सेलाकुई, तथा राज्य औषधीय पादप बोर्ड, उत्तराखंड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद हरिद्वार के 35, पौड़ी 32, देहरादून के 5 लैमनग्रास के कृषक तथा जनपद ऊधमसिंह नगर के 43 के मिन्ट के कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रताप सिंह पंवार, उपाध्यक्ष राज्य औषधीय पादप बोर्ड, उत्तराखंड द्वारा कृषकों को सम्बोधित करते हुए प्रशिक्षार्थियों को सगन्ध पौधों की खेती को किसानों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम बताते हुए सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी तथा कृषकों को अधिक से अधिक राजकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया।

# जिज्ञासा यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय मीडिया कॉन्क्लेव का आयोजन

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**विकासनगर।** जिज्ञासा यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन द्वारा मंगलवार को 'भारत में बदलता मीडिया परिदृश्य-चुनौतियां, अवसर और नवाचार' विषय पर राष्ट्रीय मीडिया कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया, जिसमें मीडियाकर्मियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) गोविंद सिंह, चेयरमैन, मीडिया एडवाइजरी कमेटी, उत्तराखंड सरकार ने बदलते मीडिया परिदृश्य पर अपने विचार रखते हुए कहा कि वर्तमान समय में मीडिया तेजी से डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की ओर अग्रसर हो रहा है। उन्होंने बताया कि सूचना के प्रसार की गति बढ़ी है, लेकिन



इसके साथ ही फेक न्यूज और विश्वसनीयता की चुनौतियां भी सामने आई हैं। उन्होंने मीडिया में तकनीकी नवाचार को अपनाने और निष्पक्ष पत्रकारिता को बनाए रखने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने युवाओं को जिम्मेदार और जागरूक मीडिया पेशेवर बनने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में जिज्ञासा यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट प्रोफेसर (डॉ.) इरफान खान एवं मेंबर, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट मनीष रस्तोगी ने मीडिया और छात्रों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के विद्यार्थियों को मीडिया के बदलते स्वरूप को समझना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि छात्रों को सत्यता, नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए अपने करियर का निर्माण करना चाहिए तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) शंकर रामामूर्ति ने कहा कि आज के दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने कंटेंट निर्माण को अधिक तेज, सटीक और प्रभावी बना दिया है। एआई के माध्यम से रचनात्मकता को नई दिशा मिल रही है।

## एक नजर .......

### अग्निशमन अधिकारी ने सीएचसी सहसपुर का फायर ऑडिट किया

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**सेलाकुई।** मुख्य अग्निशमन अधिकारी देहरादून के आदेशानुसार अग्निशमन अधिकारी सेलाकुई दया किशन के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहसपुर का फायर ऑडिट किया गया। फायर सिलेंडर के अलावा कोई भी फिक्स्ड इंस्टॉलेशन उपकरण नहीं पाए गये। तथा फायर सिलेंडर भी रिफिलिंग नहीं थे। अधिकारी द्वारा सीएससी प्रबंधक को तत्काल नोटिस निर्गत किया गया तथा एक सप्ताह के भीतर फायर सिलेंडर को रिफिलिंग व फिक्स इंस्टॉलेशन उपकरणों को स्थापित करने हेतु निर्देशित किया गया व कर्मचारियों को प्राथमिक उपकरणों से संबंधित प्रशिक्षण व जानकारी दी गई। तथा ओटी व इमरजेंसी वार्ड में क्लीन एजेंट फायर सिलेंडर को स्थापित करने हेतु बताया गया। तत्पश्चात अग्निशमन अधिकारी सेलाकुई द्वारा फायर सेफ्टी के संबंध में सभी कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए तथा मेंटल हॉस्पिटल रामपुर का फायर ऑडिट किया गया जिसमें सभी फिक्स इंस्टॉलेशन उपकरण कार्यशील दशा में पाए गये। अग्निशमन अधिकारी द्वारा बताया गया अग्निशमन उपकरणों को सदैव कार्यशील दशा में रखा जाए। समय-समय पर मेंटेनेंस वह टेस्टिंग की जाए।

### टिपऊ गाँव से शिलगूर विजट महाराज शाही स्नान के लिए हरिद्वार प्रस्थान

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**सहिया।** कालसी ब्लाक अंतर्गत खत अठगांव के टिपऊ गाँव के ग्रामीणों ने अपने आराध्य शिलगूर बिजट महाराज के देव चिन्हों को 12 वर्षो बाद शाही स्नान के लिए हरिद्वार ले गए। वही शिलगूर और विजट देवता की देव पालकीयां बुधवार को टिपऊ गाँव से यमुना घाट हरिपुर में स्नान के लिए ले जाया जाएगा, और हरिद्वार से देव चिन्हों को स्नान कर गांव पहुंचकर देवता के देव चिन्हों को एक फलदार वृक्ष पर तीन माह तक रखा जाएगा, उसके उपरांत 22 जून को टिपऊ गांव के ग्रामीण देव चिन्हों को लेकर हिमाचल प्रदेश के चुडधार में शाही स्नान के लिए रवाना होंगे उसके बाद 23 और 24 जून को रात्रि विश्राम पजिटीलानी में होगा, 25 जून को टिपऊ गांव में नवनिर्मित मंदिर में देव चिन्हों को विधिवत पूजा अर्चना कर विराजमान किया जाएगा। इस दौरान भव्य जागरण पर्व का आयोजन किया जाएगा टिपऊ गाँव के ग्रामीणों ने शिलगूर बिजट महाराज के मंदिर निर्माण की शुरुआत जुलाई 2023 में शुरू की गई थी जो अब 2026 में बनकर तैयार हो गया है, ग्रामीणों ने आपसी सहयोग से मंदिर निर्माण करवाया है। नवनिर्मित मंदिर के पूर्ण होने के बाद शिलगूर बिजट महाराज के चूडधार में शाही स्नान के बाद मंदिर में विराजमान किया जायेगा। मंगलवार को देवता के हरिद्वार शाही स्नान यात्रा में देव पुजारी सुनील दत्त शर्मा, खजान दत्त शर्मा, भंडारी महेंद्र सिंह तोमर, दयानन्द शर्मा, पंचम शर्मा, वजीर टीकाराम शर्मा, दयाराम शर्मा, खुशीराम शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, नरेंद्र शर्मा, विपिन शर्मा,दुलाराम शर्मा, चतर शर्मा, रणवीर तोमर, श्याम सिंह तोमर, बलबीर सिंह तोमर, सियाराम तोमर आदि मौजूद रहे।

### पुलिस ने नशा तस्कर को 155 ग्राम चरस के साथ किया गिरफ्तार

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**सहसपुर।** थाना सहसपुर पुलिस ने एक शातिर नशा तस्कर को गिरफ्तार कर 155.68 ग्राम चरस की बरामद। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सहसपुर द्वारा पूर्व से गठित पुलिस टीम को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। गठित टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थो की तस्करी व कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने हेतु चौकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन, रोकथाम जुर्म जरायम तथा चौकिंग अवैध मादक पदार्थ अवैध शराब एंव आकस्मिक चौकिग के दौरान बीते रोज प्रतीतपुर धर्मावाला क्षेत्र से एक व्यक्ति रोजित पुत्र कैलाश नाथ निवासी ग्राम प्रतीतपुर सहसपुर को 155.68 ग्राम अवैध चरस के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम एसआई विवेक कुमार राठी कोतवाली सहसपुर, सिपाही अजीत सिंह, नितिन कुमार शामिल रहे।

### लाखामंडल में पशु प्रदर्शनी का आयोजन

**चकराता।** विकासखंड चकराता के लाखामंडल क्षेत्र में मंगलवार को पशुपालन विभाग, उत्तराखंड के तत्वावधान में भव्य पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए पशुपालकों ने अपने उत्कृष्ट पशुओं का प्रदर्शन कर बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम ने स्थानीय पशुपालकों में खासा उत्साह भरने के साथ ही पशुपालन के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य किया। कार्यक्रम में पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. विपिन असवाल ने बताया कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य पशुपालकों को पशुओं की उचित देखभाल, स्वास्थ्य प्रबंधन, संतु. लित पोषण तथा वैज्ञानिक विधियों की जानकारी देना है। उन्होंने पशुओं के नियमित टीकाकरण, स्वच्छता, संतुलित आहार एवं रोग निवारण के विषय में विस्तार से जानकारी दी। प्रदर्शनी में विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पशुपालकों को पुरस्कृत किया गया। बद्री गाय श्रेणी में ग्राम घोरा के सीताराम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। संकर गाय श्रेणी में ग्राम लाखामंडल के ओमप्रकाश प्रथम रहे। बैल श्रेणी में ग्राम पुड़िया के विनोद सिंह रावत ने पहला स्थान हासिल किया। घोड़ा-खच्चर श्रेणी में ग्राम धौरा के राकेश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि भेड़-बकरी श्रेणी में ग्राम पुड़िया के प्रवीण सिंह रावत ने बाजी मारी। इस अवसर पर पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील कुमार, डॉ. सुभाष कुमार,ग्राम प्रधान बीना भट्ट सहित मोहित कुमार, राजीव पवार, प्रीतम और साहिल भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पशुपालक एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

### ऋषिकेश में बने ट्रांसपोर्टनगर, भाजपा जिला महामंत्री ने रखी मांग

**ऋषिकेश।** भाजपा के ऋषिकेश जिला महामंत्री प्रतीक कालिया ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराते हुए ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना को लेकर पत्र सौंपा। बताया कि हरिपुरकलां के राजकीय इंटर कॉलेज में मुख्य विषयों के प्रवक्ताओं की कमी है, जिससे छात्र-छात्राओं को पठन-पाठन में परेशानी हो रही है। हिंदी, गणित और विज्ञान के विषय इसमें मुख्य रूप से शामिल है। बताया कि ऋषिकेश में ट्रांसपोर्ट नगर की बेहद जरूरत है, जिससे न सिर्फ जाम की समस्या का हल होगा, बल्कि भारी वाहनों की पार्किंग का मुद्दा भी इससे निस्तारित होगा। मुलाकात में क्षेत्र पंचायत सदस्य मितीका शर्मा, पूजा ग्वाडी, लक्ष्मी जुगरान, मोहित शर्मा, धर्मेंद्र ग्वाडी, सुनील जुगरान आदि शामिल रहे।

# सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत

- जौनसार बावर के विकास पर जोर

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**चकराता।** ग्वासा पुल स्थित ब्लॉक सभागार में आयोजित "जन-जन की सरकार के चार साल बेमिसाल" कार्यक्रम में उत्तराखंड जनजाति सलाहकार परिषद के उपाध्यक्ष गीताराम गौड़ ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि बीते चार वर्षों में राज्य सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं, जिनका सीधा लाभ आम जनता को मिल रहा है।

कार्यक्रम में पहुंचने पर जनप्रति. निधियों और अधिकारियों ने पारंपरिक ढोल-नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए गौड़ ने कहा कि सरकार जौनसार बावर क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि हरिपुर-कालसी क्षेत्र में यमुना घाट का निर्माण अंतिम चरण में है, जहां हरिद्वार की तर्ज पर यमुना आरती शुरू की जाएगी, जिससे क्षेत्र को धार्मिक और पर्यटन की नई पहचान मिलेगी। उन्होंने यह भी बताया कि हनोल स्थित महासू देवता मंदिर को मास्टर प्लान के तहत विकसित किया जा रहा है, जिसके लिए सरकार द्वारा 120 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके अलावा विभिन्न विकास योजनाओं के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को लगातार लाभ मिल रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम चकराता हर्षिता सिंह ने की। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी राकेश बिष्ट, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष चंदन सिंह चौहान, दीवान सिंह राणा भाजपा क्वासी मंडल अध्यक्ष, शूरवीर चौहान, राहुल डोभाल,प्रीतम सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

### नाबालिग के साथ से छेड-छाड के मामले में किया गिरफ्तार

**उत्तरकाशी।** धरासू पुलिस ने नाबालिग के साथ गाली गलौच, और छेड-छाड के मामले में एक व्यक्ति को पोक्सो अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय के निर्देशन पर कोतवाली धरासू पुलिस की टीम ने विवेचना में अभियुक्त से धारा 35(3) बीएनएसएस का नोटिस तामील करने का प्रयास किया गया किन्तु अभियुक्त नोटिस की तामील से बचता रहा। घर पर नोटिस चस्पा करने के बावजूद भी अभियुक्त द्वारा नोटिस की शर्तो का पालन नही किया गया। नोटिस तामील व विवेचना में सहयोग न करने पर पुलिस द्वारा गिरफ्तारी न्यायालय से गैर जमानती वारण्ट प्राप्त कर कोतवाली धरासू पुलिस की टीम द्वारा पतारसी-सुरागरसी करते हुये मंगलवार को अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है।

### नए आरक्षियों का प्रशिक्षण शुरू, एसपी ने दी शुभकामनाएं

**उत्तरकाशी।** जनपद उत्तरकाशी से चयनित हुए 72 नागरिक पुलिस के अभ्यर्थियों ने पुलिस लाइन उत्तरकाशी में जे.टी.सी. प्रशिक्षण ज्वाइन किया है। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी, श्रीमती कमलेश उपाध्याय ने नवागंतुक आरक्षियों से श्इटरैक्शनश कर उन्हें पुलिस विभाग में नियुक्त होने पर शुभकामनाएं दीं। श्रीमती उपाध्याय ने कहा कि पुलिस की वर्दी जिम्मेदारी, विश्वास व सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने आरक्षियों को अनुशासन में रहकर पूरे मनोयोग के साथ प्रशिक्षण लेने और पुलिस की कार्यप्रणाली की जानक. ारी दी। इस दौरान पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी, जनक सिंह पंवार सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

# नौगांव में महा जनसंवाद आयोजित, रवांई को पृथक जनपद बनाने पर बनी रणनीति

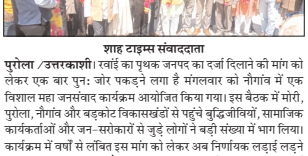



**शाह टाइम्स संवाददाता**

**पुरोला /उत्तरकाशी।** रवांई का पृथक जनपद का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर एक बार पुनः जोर पकड़ने लगा है मंगलवार को नौगांव में एक विशाल महा जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस बैठक में मोरी, पुरोला, नौगांव और बड़कोट विकासखंडों से पहुंचे बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और जन-सरोकारों से जुड़े लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम में वर्षों से लंबित इस मांग को लेकर अब निर्णायक लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया गया। बैठक की अध्यक्षता रवांई पृथक जिला संघर्ष समिति के अध्यक्ष बलदेब असवाल ने की। इस दौरान तीनों विकासखंडों के अध्यक्षों की भी उपस्थिति रही। बैठक में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपने-अपने सुझाव रखे और आंदोलन को और व्यापक एवं प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि रवांई क्षेत्र लंबे समय से विकास की मुख्यधारा से उपेक्षित रहा है, और पृथक जनपद बनने से क्षेत्र का समग्र विकास संभव हो सकेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब समय आ गया है जब इस मांग को केवल चर्चा तक सीमित न रखकर ठोस रणनीति के साथ आगे बढ़ाया जाए। जनसंवाद में उपस्थित लोगों ने एक स्वर में कहा कि इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए सभी को राजनीति, दलगत सोच और क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर एकजुट होना होगा। इस मौके पर राज्य मंत्री राजकुमार, कैलाश, रणवीर सिंह,महावीर सिंह पंवार मौजूद रहे।

# कुंड बैराज गेट खुलते ही मटमैली हुई मंदाकिनी, केदारघाटी में दहशत

- हाईवे निर्माण का मलबा बना बड़ा खतरा



**शाह टाइम्स संवाददाता**

**रुद्रप्रयाग।** कुंड बैराज के गेट खोले जाने के बाद मंदाकिनी नदी का पानी अचानक मटमैला हो गया, जिससे नदी किनारे रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई। तेज बहाव और बदले रंग को देखकर लोगों को आशंका हुई कि केदारनाथ धाम क्षेत्र में भारी बारिश के कारण जलस्तर बढ़ रहा है और कोई अनहोनी होने वाली है।

दरअसल, मंगलवार सुबह करीब साढ़े सात बजे सिंगोली-भटवाड़ी जल विद्युत परियोजना के अंतर्गत कुंड बैराज के सभी गेट खोले गए, जिससे नदी का जलस्तर और प्रवाह अचानक बढ़ गया। हालांकि प्रशासन द्वारा पूर्व सूचना दी गई थी, लेकिन जैसे ही मटमैला पानी तेजी से बहता दिखाई दिया, लोगों में घबराहट फैल गई।जांच-पड़ताल में सामने आया कि केदारनाथ हाईवे और उससे जुड़े निर्माण कार्यों का भारी मलबा नियमों को दरकिनार कर नदी किनारों पर डाला जा रहा है। बैराज के गेट खुलते ही यही मलबा तेज बहाव के साथ नदी में बह गया, जिससे पानी का रंग बदल गया और हालात भयावह नजर आने लगे।

स्थानीय लोगों ने इस पर कड़ी नारा. जगी जताते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि यदि मलबा निर्धारित डंपिंग जोन में डाला जाता, तो आज यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती। उन्होंने चेताया कि इसी तरह की अनदेखी भविष्य में बड़ी आपदा को जन्म दे सकती है।

पर्यावरण विशेषज्ञ देवराघवेन्द्र बद्री ने इस घटना को बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि नदियों में मलबा डालना जलीय जीव-जंतुओं और पूरे पारिस्थितिकी तंत्र के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि जब बरसात के दौरान नदी उफान पर होती है, तब यही मलबा विनाश का कारण बनता है और हालात आपदा जैसे हो जाते हैं।

पर्यावरण विशेषज्ञ देवराघवेन्द्र ने कहा कि कुंड बैराज का को गेट खोले जाने के बाद जो नुकसान मंदाकिनी नदी को हुआ है, उसकी भरपाई नहीं हो सकती। केदारनाथ हाईवे के साथ ही लिंक मार्गों के निर्माण कार्य का मलबा नदियों के किनारे फेंके जाने से आज समस्या ऐसी बन गई है कि कुंड-बैराज का गेट खोले जाने के बाद ऐसा लगता है कि फिर से कोई आपदा आने वाली है। सबसे बड़ी समस्या तब देखने को मिलती है जब बरसाती सीजन में मंदाकिनी नदी अपने उफान पर रहती है और डंपिंग जोन का मलबा नदियों में फेंके जाने से ये मलबा तबाही मचाने का काम करता है। पर्यावरण विशेषज्ञ ने कहा कि समय रहते इस विषय पर चिंता करने की जरूरत है, अन्यथा पुनः आपदा की स्थिति में सबकुछ तबाह हो जाएगा।

बहरहाल, इस घटना ने एक बार फिर केदारघाटी में पर्यावरणीय लापरवाही और निर्माण कार्यों की अनदेखी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर मलबा फेंकने पर रोक लगाने और जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी बड़ी त्रासदी से बचा जा सके।

# अनुसंधान और समग्र विकास से जोड़ती है एनईपी-2020: धर्मेंद्र प्रधान

■ केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने उपाधिधारी छात्रों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं



**शाह टाइम्स संवाददाता**

**श्रीनगर।** हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के 12वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने छात्रों को शुभकामना संदेश देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का क्षण नहीं है, बल्कि नए संकल्पों, नई जिम्मेदारियों और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

कहा कि आज का यह दिन आपके परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। 21 वीं सदी के इस निर्णायक दौर में भारत का शिक्षा प्रणाली एक व्यापक परिवर्तन से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इसी परिवर्तन का सशक्त आधार है। यह नीति शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित नहीं रखती, बल्कि इसे कौशल, नवाचार, अनुसंधान और समग्र विकास से जोड़ती है। इसका उद्देश्य ऐसे युवाओं का निर्माण करना है, जो नौकरी ढूँढने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले बनेंगे। कहा कि नई शिक्षा नीति-2020 में तकनीक की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। डिजिटल शिक्षा, एआई, डेटा साइंस और अन्य भविष्य की तकनीकों के समावेश से शिक्षा अधिक सुलभ, समावेशी और प्रभावी बन रही है। कहा कि यह परिवर्तन भारत को एक सशक्त ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक ठोस आधार प्रदान करता है, जहाँ नवाचार और अनुसंधान, विकास के प्रमुख स्तंभ बनते जा रहे हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 का संकल्प इसी सोच का विस्तार है। कहा कि इस संकल्प की पूर्ति में हमारे युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। जब हमारे युवा इनोवेटर्स, स्टार्टअप्स, रीसर्च और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ आगे बढ़ेंगे, तभी हम एक आत्मनिर्भर, समावेशी और विक. सित भारत का निर्माण कर पाएँगे। कहा कि गढ़वाल जैसे समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर से जुड़े क्षेत्र में स्थित आपकी विश्व. विद्यालय ज्ञान, संस्कृति और मूल्यों का एक अद्भुत केंद्र है। कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि यहाँ के विद्यार्थी न केवल अपने क्षेत्र, बल्कि पूरे देश और विश्व में भारत की प्रतिभा, दृष्टि और क्षमता का प्रति. निधित्व करेंगे। आप सभी इस संस्थान के प्रतिनिधि हैं, जो अपने आचरण और कार्यों से इसकी प्रतिष्ठा को और ऊँचाई देंगे। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह करता हूए कहा कि ज्ञान और कौशल का उपयोग केवल अपने निजी हितों तक सीमित न रखें, बल्कि समाज और राष्ट्र के कल्याण के लिए भी करें। जीवन की चुनौतियाँ आपको परखेंगी और उसी प्रक्रिया में आपको अधिक सक्षम और काबिल भी बनाएँगी।

इन चुनौतियों से सशक्त होकर अब आप विश्वविद्यालय से आगे बढ़ते हुए न केवल अपने करियर को आकार देंगे, बल्कि भारत की विकास यात्रा के भी सक्रिय सहभागी बनेंगे।

यहाँ से मिली शिक्षा और अनुभव आपके आगे के निर्णयों को दिशा देने में सहायक होंगे। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना कि है।

# उपाधिधारी अपने कौशल से राष्ट्र की प्रगति में दें सक्रिय योगदान :वीसी

■ कुलपति ने रखी गढ़वाल विवि की उपलब्धियां

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**श्रीनगर।** दीक्षांत समारोह में अतिथियों का स्वागत करते हुए गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। बताया कि वर्ष 1973 में स्थापित एवं 2009 में केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त कर चुके इस संस्थान ने अपनी 52 वर्षों की यात्रा में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्तमान में तीन परिसरों में 11 संकायों के अंतर्गत 49 विभाग संचालित हैं, जहाँ शिक्षण, अध्ययन एवं शोध कार्य सुचारु रूप से किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में लगभग 50 हजार छात्र पंजीकृत हैं।

बताया गया कि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है तथा छात्रों को न्यूनतम लागत पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने आईआईटी मुंबई में आयोजित साइंस फेस्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 97 विश्वविद्यालयों के बीच विशेष श्रेणी में तृतीय एवं समग्र रूप से चतुर्थ स्थान प्राप्त कर गौरव बढ़ाया है। ढांचागत विकास के लिए हैपा के तहत 450 करोड़ रुपये की लागत से 22 प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजे गए हैं, जिन पर सकारात्मक प्रगति जारी है। साथ ही, शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में विश्वविद्यालय निरंतर आगे बढ़ रहा है।

वर्तमान में 41 शोध परियोजनाएं संचालित हैं तथा संकाय सदस्यों द्वारा सैकड़ों शोध पत्र, पुस्तक अध्याय एवं पुस्तकें प्रकाशित की गई है। बताया गया कि विश्वविद्यालय ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ 30 एमओयू किए हैं।

### शोध पत्रिका माउन्टेन रिसर्च के विशेषांक का विमोचन

श्रीनगर। गढ़वाल विवि में पहली बार दीक्षांत समारोह में विभिन्न विभागों के द्वारा स्टाल लगाये गये। इस दौरान कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत ने स्टालों का अवलोकन कर गढ़वाल विवि के विभागों द्वारा किए जा रहें कार्यों की सरहाना की। इसके साथ ही ग्रामीण एवं अभियन्त्रिकी विभाग की शोध पत्रिका माउन्टेन रिसर्च के विशेषांक का विमोचन किया गया।

### गढ़वाल विवि के कुलगीत का हुआ लोकापर्ण

**श्रीनगर।** गढ़वाल विवि के दीक्षांत समारोह में विवि को अपना कुलगीत मिल गया है। मंगलवार को गढ़वाल विवि के कुलगीत का लोकापर्ण हुआ। कुलगीत में लोक कला संस्कृति निष्पादन केंद्र के उपनिदेशक डॉ. संजय पाण्डेय और लता पाण्डेय ने अपने स्वर दिए है। कुलगीत को साहित्यिक रूप से संयमित, प्रेरणादायी और विवि के पहचान के अनरूप तैयार किया गया है।

# बेटियां हैं हमारे समाज की आधार शक्ति : जोशी

■ कैबिनेट मंत्री ने चौत्र नवरात्रि के अवसर पर किया कन्या पूजन



**मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स**

**देहरादून।** कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मंगलवार को चौत्र नवरात्रि के छठे दिवस के पावन अवसर पर आर्यनगर वार्ड के शिव मंदिर में माँ कात्यायनी आराधना कर 251 नौदुर्गा स्वरूपा कन्याओं का सामूहिक रूप से विधि विधान पूर्वक कन्या पूजन किया।

इसके बाद कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने परिवार के साथ चौत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर नैशविला रोड़ स्थित बद्रीनाथ मंदिर में माँ कात्यायनी आराधना कर 151 नौदुर्गा स्वरूपा कन्याओं का सामूहिक रूप से विधि विधान कन्या पूजन भी किया।

कैबिनेट मंत्री जोशी ने कन्याओं को चुनरी ओढाई, आरती उतारी, श्रद्धापूर्वक भोजन कराया। दक्षिणा और उपहार देकर कैबिनेट मंत्री जोशी ने नौ दुर्गा स्वरूपा कन्याओं का आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश वासियों की सुख समृद्धि की कामना भी की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री जोशी ने कहा कि बेटियां हमारे समाज की आधारशक्ति हैं और उनका पूजन साक्षात शक्ति की उपासना है। उन्होंने कहा कि कन्याओं के सम्मान और सेवा से न केवल पितरों का उद्धार होता है, बल्कि यह हमारे भीतर सात्विक गुणों और करुणा का संचार भी करता है। मंत्री जोशी ने आगे कहा कि यह पवित्र परंपरा हमें नारी शक्ति के संरक्षण और संवर्धन का संदेश देती है तथा समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करती है।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश मंत्री नेहा जोशी, निर्मला जोशी, मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, पार्षद योगेश घाघट, डा बबीता सहोत्रा, पूर्व पार्षद सत्येन्द्र नाथ, राजेश राजौरिया सहित कई लोग उपस्थित रहे।

## बाजार में दोपहिया वाहनों पर रोक की मांग

**अल्मोड़ा।** नगर की बाजार में दोपहिया वाहनों के संचालन पर रोक लगाने की मांग को लेकर पार्षद मुखर हो गए है। मंगलवार को पार्षदों ने एसएसपी से मुलाकात कर मामले को लेकर ज्ञापन सौंपा। बावनसीढ़ी से शिशु मंदिर स्कूल तक दोपहिया वाहन के संचालन पर रोक लगाने की मांग उठाई। नगर निगम के पार्षदों ने कहा कि नगर के बावनसीढ़ी से लेकर शिशु मंदिर स्कूल तक कई विद्यालय है। वहीं, इन स्थानों पर मार्ग पर भी संकरा है, लेकिन इस मार्ग से दोपहिया वाहन धड़ल्ले से चल रहे है। आए दिन दोपहिया वाहनों के इधर-उधर गुजरने से बच्चों को खतरा बना रहता है। उन्होंने एसएसपी चंद्रशेखर घोड़के से उक्त मार्ग सुबह आठ से शाम सात बजे तक दोपहिया वाहनों के संचालन में पूर्ण रूप से रोक लगाने की मांग उठाई। यहां ज्ञापन सौंपने वालों में पार्षद अभिषेक जोशी, श्याम पांडे, संजय जोशी, मनोज सनवाल, मनोज कुमार, रमेश चंद्र, सुनीता मेहरा, नीलम जुनेजा, विमता तिवारी, विमला पंत, आदि उपस्थित रहे।

# विश्व टीबी दिवस पर रैली निकाल किया लोगों को जागरूक

■ सीएमओ डा. मनोज शर्मा ने किया रैली का फ्लैगऑफ, जनपद देहरादून में वर्ष 2025 में चिन्हित 8976 मरीजो का हुआ उपचार



**मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स**

**देहरादून।** राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनाँक 24.03.2026 को विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर स्टेट नर्सिंग कॉलेज, चन्दर नगर, देहरादून के छात्र/छात्राओं द्वारा एक जागरूकता रैली निकाली गयी, जिसको डा. मनोज कुमार शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, देहरादून द्वारा फ्लैग ऑफ कर रैली का शुभारम्भ किया गया।

इस अवसर पर जिला क्षय अधिकारी, देहरादून डा. मनोज वर्मा, प्रधानाचार्य, स्टेट नर्सिंग कॉलेज, चन्दर नगर, देहरादून मीनाक्षी तथा जनपद देहरादून के एन.टी.ई.पी. कार्यक्रम से सम्बन्धित स्टाफ उपस्थित रहा। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद देहरादून में वर्ष 2025 में 8976 मरीज चिन्हित किए गए और उनका उपचार प्रारम्भ हुआ। वहीं, 2024 में 9331 मरीजों की पुष्टि हुई तथा उनका उपचार आरम्भ हुआ वर्ष 2026 में अब तक जनपद देहरादून में कुल 1768 (954 पब्लिक तथा 814 प्राइवेट) मरीज मिल चुके है, जिनका उपचार किया जा रहा है। जनपद देहरादून में कुल आठ टी.यू. (ट्रीटमेंट यूनिट) हैं तथा जनपद के आठ टी.यू. में 23 टीबी० लैब (एनएएटी) स्थापित हैं, जहाँ क्षय रोगियों की नि:शुल्क जाँच एवं नि:शुल्क उपचार किया जाता है। वर्तमान में जनपद देहरादून में लगभग 3453 क्षय रोगियों इलाज प्राप्त कर रहे हैं।

प्रधानमत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत जो क्षय रोगी इलाज प्राप्त कर रहे हैं उनके द्वारा दी गयी सहमति के अनुसार लगभग 1597 क्षय रोगयों को नि-क्षय मित्रों के द्वारा पोषण आहार दिया जा रहा है। रैली चन्दरनगर स्टेट नर्सिंग कॉलेज से प्रारम्भ होकर बन्नू स्कूल चौराहा रेसकोर्स से चन्दर नगर मुख्य मार्ग से होकर नर्सिंग कॉलेज वापस आयी।

रैली के समापन पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, देहरादून डा० मनोज शर्मा ने सभी छात्र-छात्राओं से समाज में जागरूकता फैलाने के लिए सक्रिय सहयोग के लिए आंह्वान किया व क्षय रोग की पहचान व उपचार तथा बचाव के उपायों पर विस्तार से चर्चा की।

जिला क्षय रोग अधिकारी, देहरादून डा० मनोज वर्मा ने सभी को बताया कि आज से सौ दिवसीय अभियान प्रारम्भ हो रहा है जिसमें टी०बी० कार्यक्रम तथा स्वास्थ्य विभाग से सम्बन्धित टीमें उच्च जोखिम वाले शहरी वार्डों में तथा ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर पोर्टेबल एक्स-रे तथा बलगम जाँच करेंगी।

# बीडीसी बैठक में लचर स्वास्थ्य सेवाओं पर बिफरे जनप्रतिनिधि

■ सदन में रखा उप जिला चिकित्सालय खोलने का प्रस्ताव

**श्रीनगर।** देवप्रयाग क्षेत्र पंचायत (बीडीसी) की बैठक मंगलवार को क्षेत्र पंचायत सभागार में हिंडोलाखाल ब्लॉक प्रमुख विनोद बिष्ट की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने स्वास्थ्य सेवाएं, सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा जैसे प्रमुख मुद्दों को जोर-शोर से उठाया। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यों की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्यों द्वारा एकमत के साथ पिछले दो महीने मैं बागी एवं देवप्रयाग क्षेत्र के अंतर्गत दो महिलाओं की अलग-अलग कारणों से दुर्घटनाओं मैं मृत्यु को सदन में उठाया। कहा स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से ईलाज समय से न मिलने पर उनकी मौत हुई है। कहा यदि उनको समय पर उपचार मिल जाता तो शायद उनकी जिंदगी बचाई जा सकती थी। उन्होंने सदन में देवप्रयाग क्षेत्र में अल्ट्रासाउंड मशीन एवं डॉक्टरों की नियुक्ति एवं उप जिला चिकित्सालय खोलने का प्रस्ताव रखा। वहीं बैठक के दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्य एवं ग्राम प्रधानों द्वारा प्रत्येक आंगनबाडी एवं स्कूलों में मिलने वाला मिड-डे पोषाहार की सूची आंगनबाड़ी केंद्र पर चस्पा करने का प्रस्ताव रखा गया।

साथ ही सदन में विभिन्न ग्रामीण इलाकों में टेढ़े मेढ़े विद्युत पोलों को ठीक करने, विद्युत तारों पर लगने वाले पेड़ों की लविंग एवं झूलते हुए विद्युत तारों को ठीक करने को प्रमुखता से रखा। कहा की आए दिन झूलते विद्युत तारों से करंट लगने से जनहानि की संभावना बनी रहती है। जिस पर सदन द्वारा संबंधित अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए एक माह के भीतर विद्युत संबंधी सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में विधायक देवप्रयाग विनोद कंडारी ने कहा कि कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता जनसमस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण है।


**एसजेवीएन लिमिटेड SJVN Limited**
(भारत सरकार एवं हिमाचल प्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम)
(A Joint Venture of Govt. of India & Govt. of H.P.)
नवरत्न सीपीएसई A NAVRATNA CPSE
CIN : L40101HP1988GOI008409

**नाथपा झाकड़ी जल विद्युत स्टेशन**

प्रेस सूचना ई-निविदा संख्या पीसीडी-2969

एसजेवीएन लिमिटेड की ओर से **''नाथपा बाँध जलाशय के अपस्ट्रीम (बीटीआरडीटी रोड के ऊपर) रॉकस्लाइड मलबे को हटाना, बर्म वॉल का निर्माण तथा संबद्ध कार्यों''** के लिए घरेलू प्रतिस्पर्धी बोली (डीसीबी) के माध्यम से ऑनलाइन बोलियां (ई-निविदा) आमंत्रित की जाती हैं। **विस्तृत जानकारी के लिए कृपया https://etender.sjvn.co.in, www.sjvn.nic.in** और **https://eprocure.gov.in** वेबसाइट देखें।

**बोली दस्तावेजों को डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 14.04.2026 (12:00 बजे) है।**

**बोली जमा करने की अंतिम तिथि 15.04.2026 (13:00 बजे) है।**

संशोधन, यदि कोई हो, उपर्युक्त वेबसाइटों पर ही जारी किए जाएंगे।

**विभागाध्यक्ष** (प्रा. एवं सं. विभाग)
एनजेएचपीएस, एसजेवीएन लिमिटेड, झाकड़ी, शिमला, हि.प्र.-172201


## विद्या मंदिर इंटर कॉलेज का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मना

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**श्रीनगर।** सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज का वार्षिकोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर शिक्षा, संस्कार और विकास का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रांत शारीरिक प्रमुख सुनील ने शिक्षा के साथ शारीरिक व नैतिक विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कर क्षेत्र को बड़ी सौगात दी। उन्होंने घोषणा की कि विद्यालय परिसर को विद्या भारती के नाम से विकसित किया जाएगा। साथ ही इंटर कॉलेज में कॉमर्स एवं आर्ट्स संकाय की मान्यता दिलाने का आश्वासन दिया, जिससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए बाहर न जाना पड़े। डॉ. रावत ने विद्यालय के हॉल के ऊपर टिन शेड निर्माण के लिए 10 लाख रुपये तथा शिशु मंदिर के विकास के लिए भी 10 लाख रुपये देने की घोषणा की। इसके अतिरिक्त उन्होंने 10 लाख एवं 2 लाख रुपये की लागत से निर्मित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य भीमराज, नगर निगम अध्यक्ष आरती भंडारी, जिला प्रचारक नरेश, नगर प्रचारक मोहित, जिला महामंत्री


**कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई खण्ड, उत्तरकाशी**

पत्रांक : 7 11/सिं.ख.उ./ निविदा (2025-26) दिनांक 23.03.2026

**अल्प- कालीन निविदा निरस्तीकरण सूचना**

अल्प-कालीन निविदा सूचना संख्या-13/अधि.अभि./2025-26, दिनांक 11.03.2026, द्वारा विभिन्न तीन कार्यो हेतु आमंत्रित निविदाओं को अपरिहार्य कारणों से एतदद्वारा निरस्त किया जाता हैं तथा उक्त निविदाओं को पुन: आमंत्रित किया जायेगा।

दिनांक 23.03.2026

**अधिशासी अभियन्ता,**
**सिंचाई खण्ड, उत्तरकाशी**



**यूजेवीएन लिमिटेड**
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
मुख्य कार्यालय: ''उज्जवल'' महारानी बाग, जी० एम० एस० रोड, देहरादून-248006
दूरभाष: 0135-2763808, फैक्स नं0 0135-2763508,
CIN No. U40101UR2001SGC025866 वेबसाइट: www.ujvnl.com

पत्रांक: 242 दि0: 24.03.2026

**निविदा सूचना**

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (सिविल), मनेरी भाली-II, चिन्यालीसौड़ इच्छुक निविदादाताओं से मुहरबन्द निविदा आमंत्रित करता है। निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नवत है:

**निविदा संख्या 36/अधि.अभि.(सिविल)/एमबी-II/चिन्यालीसौड़/2025-26**

**कार्य का नाम:** मनेरी भाली द्वितीय चरण परियोजना के चिन्यालीसौड स्थित प्लांट स्टोर में स्थापित 120 KLD सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट में जानपदीय कार्य।

**अनुमानित लागत:** रू. 11,62,400.00 (GST अतिरिक्त)

**वेबसाईट पर निविदा प्रपत्र की उपलब्धता की तिथि:** 25.03.2026 सांय 5:00 बजे से

**निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि:** 20.04.2026 प्रातः 11:00 बजे तक

अन्य जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाईट देखें। निविदा प्रपत्र निगम की वेबसाईट **www.ujvnl.com** से डाउनलोड किये जा सकते है।

**अधिशासी अभियन्ता (सिविल), एम.बी.-II, चिन्यालीसौड़**

''बिजली के दुरूपयोग से बचें''



**यूजेवीएन लिमिटेड**
मुख्यालय 'उज्ज्वल' महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून-248006
दूरभाष: 0135-2763808, फैक्स- 0135-2763508
सी0आई0एन0 सं0: U40101UR2001SGC025866 | वेबसाइट: www.ujvnl.com

पत्रांक-241 दिनांक- 24/03/2026

**अल्पकालीन ई -निविदा तिथि विस्तार सूचना-02**

अपरिहार्य तकनीकी कारणों से "इछाड़ी पंप भंडारण परियोजना (600 मेगावाट) के निष्पादन हेतु ईपीसी/टर्नकी अनुबंध आधार पर बोली दस्तावेज़ का मसौदा तैयार करना, तथा परियोजना के क्रियान्वयन के लिए यूजेवीएनएल की ओर से सभी आवश्यक स्वीकृतियाँ प्राप्त करना" के कार्य करने हेतू आमंत्रित अल्पकालीन **ई0 निविदा सं0-10/UJVNL/EE(I&P-II)/2025-26** की तिथि निम्नवत् विस्तारित की जाती है:-

**निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि:** 06.04.2026 17:00 बजे तक।

**दस्तावेज़ जमा करने की अंतिम तिथि (ऑफलाइन/मूल प्रति):** 09.04.2026 16:00 बजे तक।

**निविदा भाग-1 को खोलने की तिथि:** 10.04.2026 को 11:30 बजे।

निविदा की अन्य सभी शर्तें एवं नियम यथावत रहेंगे।

अन्य जानकारी हेतु कृपया-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **"https://uktenders.gov.in"** देखें।

**अधिशासी अभियन्ता (I&P-II)**

"बिजली के दुरूपयोग से बचें"


# परेडग्राउंड आटोमेटेड पार्किंग जनमानस को समर्पित

■ शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार के लिए प्रतिबद्ध जिला प्रशासन का प्रोजेक्ट आटोमेटेड पार्किंग देगी लोगों को राहत

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**देहरादून।** परेड ग्राउंड में निर्मित ऑटोमेटेड पार्किंग जनमानस को समर्पित की गई है।, शहर को जाम से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री ने जनपद देहरादून के परेड ग्राउंड में 111 वाहन क्षमता वाली ऑटोमेटेड पार्किंग का विधिवत लोकार्पण कर इसे जनमानस को समर्पित किया। यह आधुनिक पार्किंग सुविधा लगभग रू 472.23 लाख की लागत से निर्मित की गई है।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में जिलाधिकारी सविन बंसल द्वारा शहर में बढ़ते यातायात दबाव को कम करने एवं नागरिकों को सुव्यवस्थित पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। जिला प्रशासन द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर चरणबद्ध तरीके से ऑटोमेटेड पार्किंग का निर्माण कराया गया है, जिससे शहरी यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ बनाया जा सके। जिला प्रशासन की इस योजना के अंतर्गत शहर में कुल तीन प्रमुख ऑटोमेटेड पार्किंग स्थल विकसित किए गए हैं, जिनमें परेड ग्राउंड (111 वाहन क्षमता), तिब्बती मार्केट (132 वाहन क्षमता), कोरोनेशन (18 वाहन क्षमता) शामिल हैं। इन पार्किंग सुविधाओं को और अधिक प्रभावी एवं नागरिक हितैषी बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा अभिनव पहल करते हुए "फ्री सखी कैब सेवा" संचालित की जा रही है। जिला प्रशासन का यह प्रयास न केवल शहर को जाम से राहत दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है,

## डीएम ने कार्यक्रमों की तैयारियां का जायजा लिया

**अल्मोड़ा।** सरकार के चार साल पूर्ण होने पर कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी है।


**सार्वजनिक सूचना**

सूचित किया जाता है कि मैं, विदिप सिंह नेगी, फ्लैट-247, ब्लॉक-12, रंगोली गार्डन्स, पंच्यावाला, जयपुर, निजी कारणों से देहरादून नगर निगम द्वारा जारी अपने जन्म प्रमाण पत्र: B20081112947 को रद्द करवाना चाहता हूँ। यदि किसी को आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से सात दिनों के भीतर देहरादून नगर निगम को लिखित में दर्ज करा सकते हैं।



**कार्यालय नगर पालिका परिषद, रूद्रप्रयाग**

पत्रांक : 1670/कर अनु0/2025-26 दिनांक 23.03.2026

**( अति अल्पकालीन निविदा सूचना )**

नगर पालिका परिषद, रूद्रप्रयाग द्वारा निम्न वर्णित सम्पत्तियों/वसूली ठेकों को निर्धारित अवधि हेतु आवंटित करने/शुल्क वसूली करने हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते है, अन्य जानकारी कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में देखी जा सकती है, तथा सूचना को जनपद की बेबसाइट http://rudraprayag.nic.inपर भी देखा जा सकता है, संशोधन केवल वेबसाइट पर ही देखे जा सकते है:-

| क्र. सं. | सम्पत्ति का नाम/ शुल्क वसूली ठेके का नाम | सिक्योर्ड मनी /निर्धारित अवधि | दुकान की माप (फीट में) | होर्डिंग स्थापित करने हेतु निर्धारित स्थान | निर्धारित न्यूनतम किराया प्रतिमाह (दुकान) (रू० में) /निर्धारित न्यूनतम धनराशि (वित्तीय वर्ष 2026-27 में होर्डिंग स्थापित करने हेतु) | आवेदन शुल्क (रू. में) | धरोहर राशि (रू. में) | निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि | निविदा डालने एवं खुलने की तिथि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | नया बस अड्डा निकट पंजाब नेशनल बैंक पालिका स्वामित्व की सम्पति के द्वितीय तल पर-01 दुकान किराये पर आवंटन हेतु (खुली बोली के आधार पर) | 2,00,000/- दो लाख मात्र | 13X18 | | 10,000/- | 500+ GST | 20,000 | 27.03.2026 | 28.03.2026 |
| 2. | पालिका क्षेत्रान्तर्गत निर्धारित स्थानों पर होर्डिंग्स स्थापित करने हेतु शुल्क वसूली ठेका, (बन्द बोली के आधार पर) | वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु | | 34 स्थान | 1,95,000/- | 1000+ GST | 19,500 | 27.03.2026 | 28.03.2026 |

**अधिशासी अधिकारी**
**नगर पालिका परिषद, रूद्रप्रयाग**

**अध्यक्ष**
**नगर पालिका परिषद, रूद्रप्रयाग**

# वोल के पहले T20 शतक से ऑस्ट्रेलिया ने विंडीज का किया 3-0 से क्लीन स्वीप

**सेंट विन्सेंट, वार्ता।** ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को डीएलएस मेथड से वेस्टइंडीज को 40 रन से हराकर महिला टी 20 सीरीज में 3.0 से क्लीन स्वीप कर लिया। बारिश ने वेस्टइंडीज के 212 रन के लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल कर दिया,

जिससे 10 ओवर में उनका स्कोर 61/3 हो गया। किंग्सटाउन में डेढ़ घंटे से ज्यादा समय तक बारिश रुकने का नाम नहीं ले रही थी, इसलिए नतीजा डीएलएस मेथड से तय किया गया। ऑस्ट्रेलिया के टोटल में जॉर्जिया वोल का 52 गेंदों पर पहला टी20 शतक सबसे ऊपर रहा। वह मेग लैनिंग (दो बार), बेथ मूनी (दो बार) और एलिसा हीली के साथ ऑस्ट्रेलिया महिला टी20 शतक बनाने वालों में शामिल हो गईं। नौ



चौके और छह छक्के लगाकर, उन्होंने 17वें ओवर में अपना शतक पूरा किया और दो गेंद बाद हेली मैथ्यूज ने उन्हें आउट कर दिया। बाद में ओवर में, मैथ्यूज ने जॉर्जिया वेयरहम का भी विकेट लिया, जिस दिन उनकी बाकी टीम की खिलाड़ियों ने रन दिए, और 3-29 के साथ मैच खत्म किया। उस पॉइंट तक, यह जडादातर वोल की अकेले की कोशिश थी, टॉप पांच में से कोई भी दूसरी बैटर 20 का स्कोर पार नहीं कर पाई थी। उनका 200 पार करना कुछ हद तक कैप्टन सोफी मोलिनक्स की वजह से था, जिन्होंने 19वें ओवर में 15 रन लिए, और फिर आखिरी ओवर में छक्का मारकर ऑस्ट्रेलिया को विमेंस टी20 में अब तक का पांचवां सबसे बड़ा टोटल दिलाया। मोलिनक्स के दोनों छक्के काउ कॉर्नर एरिया में आए - एक फुल-टॉस पर और दूसरा फी-हिट पर - जिससे वोल की मैराथन को. शिश के बाद ऑस्ट्रेलिया ने शानदार प्रदर्शन किया, इत्तेफाक से विमेंस टी20 में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उनकी पहली सेंचुरी थी। इससे पहले ब्रैथवेट ने तीसरे ओवर में शट्ट की गेंद पर छक्का मारकर मैच को आगे बढ़ाया। थोड़ी देर बाद, लूसी हैमिल्टन ने धीमी गेंद फेंककर उन्हें कैच-एंड-बॉल कर दिया, जिससे वे और मुश्किल में पड़ गए। छह ओवर के आखिर में, उनका स्कोर 33/3 हो गया था। मैथ्यूज और डिएंड्रा डॉटिन कुछ देर शांत रहीं, फिर दोनों ने अलाना किंग, जो प्लेयर ऑफ द सीरीज थीं, की गेंद पर छक्का मारा, जो ट्रैक पर कूदकर मिडविकेट की रस्सी को पार कर गई।

यह वेस्टइंडीज की आखिरी लड़ाई थी, एक ओवर बाद, बारिश के कारण खिलाड़ी वापस जा रहे थे। संक्षिप्त स्कोर: ऑस्ट्रेलिया महिला टीम 20 ओवर में 211/7 (जॉर्जिया वोल 101, सोफी मोलिनक्स 25, हेली मैथ्यूज 3-29, जहजारा क्लैक्सटन 2-37) ने वेस्टइंडीज महिला टीम को 10 ओवर में 61/3 (हेली मैथ्यूज 30), एबोनी ब्रैथवेट 18, एलिस पेरी 1-1, मेगन शुट्ट 1-11) को 40 रन (डीएलएस मेथड) से हराया।

# दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टी20 सीरीज के लिए काशवी गौतम भारतीय टीम में शामिल

**नई दिल्ली, वार्ता।** तेज गें. दबाजी ऑलराउंडर काशवी गौतम को अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका में होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है।

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर काशवी ने टेस्ट और वनडे दोनों सीरीज में हिस्सा लिया था, लेकिन अब तक उनका टी20 डेब्यू नहीं हुआ है। चयनकर्ताओं ने उमा छेत्री को भी दल में ऋचा घोष के बैकअप के रूप में शामिल किया है। छेत्री ने 17 साल की जी कमालिनी की जगह ली है जिन्होंने दिसंबर में श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीरीज में टी20 डेब्यू करने के बाद से कोई अंत. रराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर वह टी20 दल का हिस्सा थीं, लेकिन उन्हें कोई भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था। श्रीलंका के खिलाफ सभी पांच टी20 खेलने और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बेंच पर रहने



वाली बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा को भी बाहर कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर दो मैचो में 3 और 1 का स्कोर बनाने तथा तीन ओवर में 30 रन देने वाली ऑलराउंडर अमनजोत कौर को भी बाहर का रास्ता दिखाया गया है। अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह और क्रांति गौड़ के साथ गौतम तेज गेंदबाजी की चौथी विकल्प होंगी। दीप्ति शर्मा, श्री चरणी और श्रेयंका पाटिल स्पिन विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगी। दक्षिण अफ्रीका का ये दौरा डरबन में शुरू होगा जहां 17 और 19 अप्रैल को पहले दो टी20 मैच खेले जाएंगे। इसके बाद 22 और 25 अप्रैल को जोहान्सबर्ग में अगले दो मैच तथा 27 अप्रैल को बेनोनी में दौरे का आखिरी मैच खेला जाएगा।

## संक्षिप्त खेल समाचार

### आयुष शेट्टी को थॉमस कप 2026 के लिए पहली बार चुना गया

**बेंगलुरु।** भारत की अगली पीढ़ी के बैडमिंटन टैलेंट को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी को थॉमस कप फाइनल्स 2026 के लिए नेशनल टीम में पहली बार चुना गया, जो उनके तेज़ी से बढ़ते करियर में एक बड़ा मील का पत्थर है। बैडमिंटन एसोसिएशन आफ़ इंडिया ने मंगलवार को 24 अप्रैल से 3 मई तक डेनमार्क के हॉर्सेंस में होने वाले टूर्नामेंट के लिए एक बैलेंस्ड टीम का नाम बताया, जिसमें शेट्टी अनुभवी पुरुषों की लाइनअप में सबसे खास खिलाड़ियों में से एक के रूप में उभरे। शेट्टी का सिलेक्शन सीनियर सर्किट पर लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद हुआ है, जहाँ उन्होंने लगातार एक शांत और तकनीकी रूप से मजबूत खिलाड़ी के रूप में अपनी पहचान बनाई है जो सबसे ऊँचे लेवल पर मुक. ाबला करने में सक्षम है। उनके शामिल होने से यह सफ़ पता चलता है कि सिलेक्टर जाने-माने सितारों के साथ-साथ युवाओं में भी इन्वेस्ट करना चाहते हैं।

### यूथ डेल्फकि गेम्स में भारत ने ऐतिहासिक शुरुआत की

**बिश्केक (किर्गिस्तान)।** भारत की सांस्कृतिक और कलात्मक यात्रा के लिए एक अहम पल में, 46 सदस्यों वाला भारतीय डेलीगेशन शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) के सदस्य देशों के पहले यूथ डेल्फकि गेम्स में हिस्सा लेने के लिए बिश्केक, किर्गिस्तान पहुंच गया है। यह किसी भारतीय कलाकारों की टीम का ग्लोबल कॉम्पिटिटिव फॉर्मेट में पहली बार हिस्सा लेने का प्रतीक है, जो इंटरनेशनल सांस्कृतिक आंदोलन में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। इस डेलीगेशन में, जिसमें पूरे भारत के 46 युवा कलाकार और इंटरनेशनल जूरी सदस्य शामिल हैं।

# हम यहां जीतने के लिए हैं: आशीष

**अहमदाबाद, वार्ता।** आईपीएल 2026 से पहले गुजरात टाइटन्स के साफ नजरिए के बारे में बताते हुए हेड कोच आशीष नेहरा ने कहा कि टीम का फोकस मुकाबला करने और जीतने पर बना हुआ है। शुभारंभ 2026 में बोलते हुए, जो एक यादगार शाम थी जिसमें पूरी टीम, फ्रैंचाइजी मालिक, पार्टनर और फैन एक साथ आए, नेहरा ने कहा कि टाइटन्स अपने खेलने का तरीका बदलना नहीं चाहते हैं।

उन्होंने खिलाड़ियों और उनके फैसले लेने पर टीम के भरोसे पर जोर देते हुए कहा, ष्मुझे नहीं लगता कि इस सीजन में अलग तरह से सोचने की जरूरत है। असल में, मुझे नहीं सोचना है, खिलाड़ियों को सोचना है। उन्हें सोचना है। उन्हें खेलना है, मैं बाहर बैठा हूं। टीम की सोच पर जोर देते हुए, नेहरा ने कहा कि



पहले दिन से ही हमारी सोच साफ रही है, हम यहां हिस्सा लेने नहीं आए हैं, हम यहां मुकाबला करने और जीतने आए हैं। एक नई टीम के लिए, यह सोचना आसान है कि इसमें समय लग सकता है, लेकिन हमारा नजरिया कभी ऐसा नहीं था। 2022 में आईपीएल में शामिल होने के बाद से, गुजरात टाइटन्स सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक रही है, जो अपने पहले चार सीजन में से तीन में प्लेऑफ तक पहुंची और 2022 में अपने पहले सीजन में ही खिताब जीता। ग्रुप में कंटिन्यूटी पर, नेहरा ने कहा, ष्आप एक ऐसे कप्तान की बात कर रहे हैं जो पहले दिन से टीम के साथ है और उसने वह सफर देखा है। मुझे नहीं लगता कि हम इस सीजन में कुछ अलग करने की सोच रहे हैं। शुभारंभ 2026 ने नए सीजन की शुरुआत की, साथ ही फ्रेंचाइजी के पांच साल के सफर पर भी बात की। एकता, महत्वाकांक्षा और गुजरात-फर्स्ट की भावना को दिखाते हुए, जो फ्रेंचाइजी को पहचान देती है, इस इवेंट में सोच, पहचान और कल्चरल सेलिब्रेशन का मिक्स था, जिससे टीम का अपने फैंस और राज्य के साथ गहरा कनेक्शन और मजबूत हुआ। गुजरात टाइटन्स अपना आईपीएल 2026 कैंपेन 31 मार्च को मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ शुरू करेगी।

# श्रीलंका ने आईपीएल के लिए ईशान मलिंगा को मंजूरी दी

### हसरंगा व पथिराना को इंतजार करना पड़ेगा

**कोलंबो, वार्ता।** श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने ईशान मलिंगा को आईपीएल में हिस्सा लेने की मंजूरी दे दी है, लेकिन बाकी तीन - नुवान तुषारा, वानिंदु हसरंगा और मथीशा पथिराना - के बारे में अभी कोई अपडेट नहीं है, जो 28 मार्च से शुरू होने वाली लीग में हिस्सा लेने के लिए अभी भी श्रीलंकाई बोर्ड से मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं। एक फ्रेंच. इजी अधिकारी ने क्रिकबज को कन्फर्म किया कि मलिंगा (25), जो दाएं हाथ के तेज गें. दबाज हैं, मंगलवार (24 मार्च) को सनराइजर्स टीम को रिपोर्ट करेंगे।

मलिंगा अपने साथी श्रीलंकाई खिलाड़ी कामिंडू मेंडिस के साथ हैदराबाद पहुंचेंगे, जो 27 साल के बाएं हाथ के बैट्समैन हैं और जिन्हें पहले ही एनओसी मिल चुकी है। माना जा रहा



है कि हसरंगा (एलएसजी) और पथिराना (केकेआर) को सोमवार को फिटनेस टेस्ट में शामिल होने का मौका नहीं मिला, जिसका मतलब है कि आईपीएल 2026 के लिए उनके भारत आने में देरी होगी। क्रिकबज ने पहले बताया था कि पथिराना, जिन्हें केकेआर ने 18 करोड़ रुपये में साइन किया है, इस सीजन का कुछ हिस्सा मिस करने वाले हैं, क्योंकि फ्रेंच. इजी उनके पूरी तरह ठीक होने का इंतजार करना चाहती है, न कि उनका रिप्लेसमेंट ढूंढना चाहती है। एलएसजी को अपने 2 करोड़ रुपये के रिक्रूट हसरंगा के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के 31 साल के पेसर तुषारा के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। एसएलसी ने हाल ही में एक बयान जारी कर कहा, ष्प्च्स् में हिस्सा लेने के लिए नुवान तुषारा की नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट की एलिजिबिलिटी उनके फिजिकल परफॉर्मेंस टेस्ट के नतीजे पर निर्भर करेगी।ष सोमवार (23 मार्च) तक उनका एनओसी स्टेटस साफ नहीं है। लेकिन आईपीएल में दूसरे श्रीलंकाई खिलाड़ी, दुष्मंत चमीरा और पथुन निसंका (दोनों डीसी) के साथ-साथ हाल ही में आरआर में शामिल हुए दासुन शनाका को क्लियर कर दिया गया है।

# गुजरात टाइटन्स का 'शुभ आरंभ 2026' विरासत और विश्वास पर आधारित एक नए सीजन की नींव

**अहमदाबाद, वार्ता।** गुजरात टाइटन्स ने अहमदाबाद में आयोजित एक ऐतिहासिक समारोह 'शुभआरंभ 2026' के साथ आईपीएल 2026 की अपनी यात्रा की शुरुआत की। इस समारोह में पूरी टीम, फ्रेंचाइजी के मालिक, साझेदार और प्रशंसक एक साथ आए।

इस शाम में टीम के पांच साल के सफर पर विचार-विमर्श किया गया और आगामी सीजन के लिए एक स्पष्ट और भविष्योन्मुखी दिशा तय की गई। फेंचाइजी की एकता, महत्वाकांक्षा और 'गुजरात प्रथम' की भावना को प्रदर्शित करते हुए इस शाम में चिंतन, सम्मान और सांस्कृतिक उत्सव का संगम देखने को मिला, जिसने टीम का अपने प्रशंसकों और राज्य के साथ गहरे जुड़ाव को और मजबूत किया। यह अवसर इस बात की याद दिलाता है कि





टाइटन्स मैदान पर और मैदान के बाहर, लीग की सबसे गतिशील, सुसंगत और प्रशंसक-केंद्रित फ्रेंचाइजी में से एक कैसे बन गई है। अपने पहले ही सीजन में खिताब जीतकर एक मजबूत विरासत बनाने से लेकर लगातार उच्च-प्रभावशाली प्रदर्शन करने और आईपीएल में सबसे सक्रिय प्रशंसक समुदायों में से एक को विकसित करने तक, गुजरात टाइटन्स संस्कृति, नेतृत्व और दीर्घकालिक दृष्टिकोण पर स्पष्ट रूप से ध्यान केंद्रित करते हुए आगे बढ़ रही है।

टोरेंट ग्रुप के निदेशक और गुजरात टाइटन्स के अध्यक्ष जिनाल मेहता और शान मेहता, साथ ही टोरेंट ग्रुप के अन्य सदस्यों की उपस्थिति ने फेंचाइजी के विजन और मूल्यों के प्रति नेतृत्व की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाया। मुख्य परिचालन अधिकारी कर्नल अरविंदर सिंह, मुख्य कोच आशीष नेहरा और क्रिकेट निद. ेशक विक्रम सोलंकी की उपस्थिति में इस शाम ने एकजुट नेतृत्व और टीम भावना को रेखांि. कत किया।

इस कार्यक्रम का केंद्र बिंदु टीम की सामूहिक यात्रा का उत्सव था, जिसमें निरंतरता, विकास और महत्वाकांक्षा की व्यापक कहानी के संदर्भ में कप्तान शुभमन गिल को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। आदित्य बिरला मैनेजमेंट कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के बोर्ड में निदेशक अनन्या बिरला ने इस सीजन में प्रमुख प्रायोजक के रूप में बिरला एस्टेट्स की भूमिका पर जोर दिया।

# शांत रहने से आपको साफ नजरिया मिलता है: शुभमन

**अहमदाबाद, वार्ता।** गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल ने लीडरशिप में क्लैरिटी और शांत रहने पर जोर दिया, क्योंकि टीम प्च्स् 2026 की तैयारी कर रही है, जो पिछले सीजन में बनी मजबूत और कंसिस्टेंट नींव पर बनी है। अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स शुभारंभ 2026 में बोलते हुए, गिल ने खुद के प्रति सच्चे रहने और दबाव वाली स्थितियों में शांत रहने के महत्व पर जोर दिया।उन्होंने कहा, ष्मुझे लगता है कि मैं बस जैसा हूं वैसा ही हूं,

और यह शांति मेरे ग्रुप और मेरे अपने खेल में मेरे विश्वास और सुरक्षा की भावना से आती है। उन्होंने आगे कहा, षकिसी भी स्थिति में शांत रहने से आपको दूर की नजर मिलती है, आप उस पल से आगे देख पाते हैं, बड़ी तस्वीर देख पाते हैं, और आपके पास बहुत साफ, लंबे समय का विजन होता है। गुजरात टाइटन्स अपने



डेब्यू के बाद से आईपीएल में सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक रही है, जिसमें पहला सीजन टाइटल जीतना और 2023 में रनर-अप रहना शामिल है।

इसी बुनियाद पर, गिल का तरीका लीडरशिप में निरंतरता दिखाता है, जिसमें ग्रुप के अंदर क्लैरिटी, कॉन्फिडेंस और भरोसे पर फोकस होता है। गुजरात टाइटन्स शुभारंभ 2026, एक ऐतिहासिक इवेंट, खिलाड़ियों, लीडरशिप, पार्टनर्स और फैंस को एक साथ लाया, जिससे एक नए सीजन की शुरुआत हुई और साथ ही पिछले कुछ सालों में फेंचाइजी के सफर और ग्रोथ पर भी रोशनी पड़ी।

टीम की तैयारी के बारे में और जानकारी देते हुए, क्रिकेट डायरेक्टर विक्रम सोलंकी ने स्क्वॉड बनाने में निरंतरता और स्थिरता के महत्व पर जोर दिया। सोलंकी ने कहा, ष्जहां तक इस सीजन और स्क्वॉड बनाने की बात है, तो पिछला साल हमारा बहुत अच्छा रहा था। हम बस आखिरी मुश्किल में हार गए थे। हमने ऑक्शन में बहुत छोटे बदलाव किए थे, बस थोड़े से एडजस्टमेंट की जरूरत थी। पांच खिलाड़ी आए थे, और मैथ्यू हेडन भी हमारे साथ जुड़ गए हैं। काम असल में हम सभी के बीच बंटा हुआ है, और हम सभी बहुत मेहनत करने की कोशिश करते हैं।

# सिनर ने मियामी में तीसरे दौर की जीत के साथ मास्टर्स 1000 में इतिहास रचा

**मियामी, वार्ता।** विश्व के नंबर दो खिलाघी जैनिक सिनर ने सोमवार शाम को मियामी ओपन में एटीपी मास्टर्स 1000 में इतिहास रचा, जहां उन्होंने कोरेंटिन माउटेट के खिलाफ 6-1, 6-4 से शानदार जीत हासिल की।

हार्ड रॉक स्टेडियम में अपनी सीधी तीसरे राउंड की जीत के साथ, इटैलियन खिलाड़ी ने अब मास्टर्स 1000 लेवल पर लगातार 26 सेट जीते हैं, और नोवाक जो. कोविच से आगे निकल गए हैं, जिनके नाम पहले 24 का रिकॉर्ड था। सिनर ने शनिवार को मियामी में अपनी दूसरे राउंड की जीत के साथ उस निशान की बराबरी की थी, फिर तीसरे राउंड में इसे पार कर लिया। अपनी जीत के बाद सिनर ने कहा, ष्मैं बहुत खुश हूं। इस खेल का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता, इसलिए हम जितना हो सके ध्यान रखने की कोशिश करते हैं और देखेंगे कि अगले राउंड में क्या होता है।ष सिनर का यह सिलसिला पिछले नवंबर में रोलेक्स पेरिस मास्टर्स से शुरू हुआ, जहां उन्होंने बिना कोई सेट गंवाए टाइटल जीता था। मियामी में अपनी दो जीत की वजह से, सिनर अब लगातार 13 मास्टर्स 1000 मैच जीत चुके हैं। माउटेट के खिलाफ, इस बात के बहुत कम संकेत थे कि 24 साल के इस खिलाड़ी का यह सिलसिला खतरे में है। सिनर ने जबरदस्त सर्व से मुकाबले की रफ्तार को कंट्रोल किया, और अपने पहले सर्व पॉइंट्स में से 87 परसेंट (33/38) जीते। उन्होंने दोनों विंग्स से भी खुलकर लस्वग किया, माउटेट के 11 के मुकाबले 23 विनर्स लगाए और फेंचमैन को मैच में रिदम पाने का कोई मौका नहीं दिया। अपनी एक घंटे, 11 मिनट की जीत के साथ, सिनर ने जोड़ी की हेड2हेड सीरीज में 2-0 का सुधार किया और बाएं हाथ के खिलाड़ियों के खिलाफ अपनी जीत का सिल. सिला 21 मैचों तक बढ़ा दिया। रैंकिंग में नंबर 2 खिलाड़ी अब मंगलवार को चौथे राउंड में एलेक्स मिशेलसन का सामना करेंगे, जिससे वह 2017 में रोजर फेडरर के 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की अपनी कोशिश जारी रखेंगे। मिशेलसन ने एलेजांद्रो टैबिलो को 3-6, 6-3, 6-4 से हराकर इटैलियन खिलाड़ी के साथ चौथे राउंड का मुकाबला तय किया। मियामी में एक और जीत के अलावा, इस दो हफ्ते में सिनर के लिए और भी इनाम हैं। रविवार को तीसरे राउंड में सेबेस्टियन कोर्डा से अपने बड़े विरोधी कार्लोस अल्काराज के हारने के बाद, इटैलियन खिलाड़ी अब स्पैनियार्ड के साथ अपनी वर्ल्ड नंबर 1 की लड़ाई में अंतर कम करने की अच्छी स्थिति में हैं।

### एमएमए फाइट से पहले पत्नी की सलाह ने दी संग्राम सिंह को बड़ी राहत

**नई दिल्ली।** पहलवान से एमएमए फाइटर बने संग्राम सिंह ने पिछले कुछ दिनों की अपनी आप बीती का बड़े ही सधे शब्दों में बयान किया है। उन्होंने कहा कि फांस के "लोरियन काउड्रे के साथ अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में होने वाली उनकी बहुप्रतीक्षित फाइट के लिए उन्होंने अपने जीवन में अब तक की सबसे जडादा तैयारी की। इस दौरान वह अपने छह कोचों की मदद से खूब पसीना बहाते रहे। यहां तक कि उनकी रात की नींदें गायब हो चुकी थीं। मन में एक अलग तरह का डर पैदा होने लगा था। उनके मन की यह उथल पुथल उनकी पत्नी पायल रोहतगी से देखी नहीं गई। उनकी एक राय पर अमल करते हुए उन्होंने एमएमए के लीजेंड्स जॉन जोंस, सेंट पियरे और एंडरसन सिल्वा के वीडियो देखे, जहां उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला। फिर हरियाणा में उनके परिवार की ओर से उन्हें योग और प्राणायाम की सलाह मिली।

# KKR आकाश दीप की जगह विदर्भ के तेज गेंदबाज सौरभ दुबे को करेगी शामिल

**कोलकाता, वार्ता।** कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) आकाश दीप के रिप्लेसमेंट के तौर पर विदर्भ के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सौरभ दुबे को आईपीएल 2026 में अपने साथ जोड़ेगी। कोलकाता में इंट्रा स्क्वाड अभ्यास मैच के दौरान केकेआर के सीईओ वैंकी मैसूर ने इसकी घोषणा की।

दुबे ने आईपीएल में अब तक एक भी मुकाबला नहीं खेला है और सीनियर लेवल पर अब तक 11 मुकाबले खेलने वाले दुबे ने पिछले ढाई वर्षों से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेली है। पिछली बार उन्होंने 2023 में एक टी20 मुक. ाबले में विदर्भ का प्रतिनिधित्व किया था। हालांकि उन्होंने पिछले साल विदर्भ प्रो टी20 लीग में ऑरेंज टाइगर्स के लिए खेलते हुए प्रभावी प्रदर्शन किया था। 2022 में उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद ने खरीदा था लेकिन चोट के चलते वह बाहर हो गए। वह मुंबई इंडियंस के लिए नेट गेंदबाज भी रह चुके हैं। 28 वर्षीय दुबे ने पहली बार 2019 में एसीसी इमर्जिंग टीम्स एशिया कप के दौरान ध्यान आकर्षित किया था, जहां वह सर्वाधिक विकेट लेने वाले



गेंदबाज रहे थे। केकेआर पिछले एक सप्ताह से ट्रायल का आयोजन करा रही थी और आकाश दीप के अलावा हर्षित राणा का भी संभावित विकल्प तलाश रही थी।

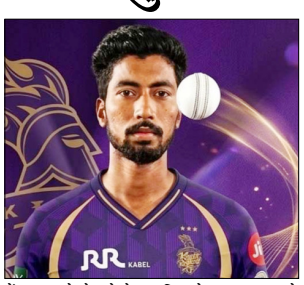

ट्रायल में हिस्सा लेने वाले अन्य गेंदबाजों में नवदीप सैनी, केएम आसिफ़, सिमरजीत सिंह, आकाश मधवाल और संदीप वारियर शामिल थे। मैसूर ने कहा कि मुख्य कोच अभिषेक नायर ने संभावित विकल्प तलाशने के लिहाज से बहुत बढ़िया काम किया है ताकि कोच उन विकल्पों को देख सकें और हमारी ट्रेनिंग और अभ्यास मुकाबलों का हिस्सा बन सकें। निश्चित तौर पर विदर्भ के तेज गेंदबाज सौरभ दुबे ने सभी का अपनी ओर ध्यान आकर्षित किया।

कोच काफी उत्साहित थे और उन्होंने कहा कि यह वो खिलाड़ी हैं जिन्हें हम आकाश दीप की जगह अपने दल में शामिल करना चाहेंगे।' शुरुआती मुकाबले मिस करने जा रहे मतिशा पतिराना को लेकर मैसूर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि तेज गेंदबाज हिस्सा ले पाएंगे। केकेआर के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने हाल ही में कहा था कि पतिराना मध्य अप्रैल तक उपलब्ध हो जाएंगे, पतिराना को टी20 विश्व कप के दौरान चोट लगी थी। मैसूर ने कहा, ष्हम उनसे और बोर्ड (एसएलसी) से लगातार संपर्क में बने हुए हैं। हम जल्दबाजी नहीं करना चाहते, इन चीजों में समय लगता है। उम्मीद है कि हमें जडादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पीठ के निचले हिस्से की चोट से समय से न उबर पाने के चलते आकाश दीप शनिवार को आईपीएल 2026 से बाहर हो गए। वह इस समय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे हैं।

## आईआईटी रुड़की में निर्वाचन संबंधी एसआईआर प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

# बीएलओ ईमानदारी से करें दायित्वों का निर्वहन : जेएम

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**रुड़की।** निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से आज आईआईटी रूड़की के कन्वेंशन हॉल में तहसील रूड़की के अंतर्गत कार्यरत बूथ लेवल अधिकारियों के लिए एसआईआर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बीएलओ ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर निर्वाचन कार्य से जुड़ी बारीकियों को समझा।

प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए संयुक्त मजिस्ट्रेट रूड़की, श्री दीपक रामचंद्र शेट ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया निर्वाचन व्यवस्था की एक अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है, जो मतदाता सूची की शुद्धता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित करती है। उन्होंने सभी बीएलओ को निर्देशित किया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण ईमानदारी, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ करें, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की गरिमा बनी रहे। उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक बीएलओ की भूमिका जमीनी स्तर पर अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि वही मतदाता सूची के सत्यापन, संशोधन एवं अद्यतन का कार्य करते हैं। इस दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों एवं शंकाओं का विस्तारपूर्वक समाधान किया तथा व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रक्रियाओं को सरल तरीके से समझाया। कार्यक्रम में अपर तहसीलदार श्रीमती शुभांगिनी एवं नायब तहसीलदार रूड़की भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी बीएलओ को निर्वाचन कार्य के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों, प्रपत्रों के सही उपयोग तथा समयबद्ध कार्य निष्पादन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य बीएलओ को एसआईआर प्रक्रिया की गहन जानकारी देना, विभिन्न प्रपत्रों के सही एवं प्रभावी उपयोग के प्रति जागरूक करना तथा मतदाता सूची के सत्यापन एवं अद्यतन कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु सक्षम बनाना था। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रशिक्षण से बीएलओ को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में आवश्यक दक्षता प्राप्त होगी और आगामी निर्वाचन कार्य को अधिक सुचारु, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित तरीके से संपन्न किया जा सकेगा।

# गृह क्लेश में विवाहिता ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दी

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**भगवानपुर।** भगवानपुर क्षेत्र के डाडा जलालपुर गांव से एक दुखद खबर सामने आई है। यहां एक विवाहिता ने पारिवारिक कलह (गृह क्लेश) से तंग आकर जहरीला पदार्थ गटक लिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार, गांव की रहने वाली संजों नाम की महिला का पिछले कुछ समय से घर में विवाद चल रहा था। इसी मानसिक तनाव के चलते उसने आत्मघाती कदम उठाते हुए जहर खा लिया। हालत बिगड़ते देख परिजन उसे तुरंत एक निजी डॉक्टर के पास ले गए। डॉक्टर ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रुड़की सिविल अस्पताल भेज दिया। कोतवाली भगवानपुर के प्रभारी निरीक्षक राजीव रोथाण ने बताया कि पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अभी तक परिजनों की ओर से कोई लिखित शिकायत (तहरीर) नहीं मिली है। शिकायत मिलते ही मामले में कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# हज यात्रियों की तीसरी किस्त की निर्धारित

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**पिरान कलियर।** हज कमेटी ऑफ इण्डिया मुम्बई की ओर से हज यात्रियों की तीसरी किस्त निर्धारित कर दी गई है। उत्तराखंड राज्य हज समिति के ईओ मो आरिफ ने बताया कि हज यात्रा 2026 पर जाने वाले जिन हज आवेदकों ने हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई के माध्यम से कुर्बानी करने वाले हज आवेदकों को धनराशि रूपये 86,580 प्रति हज आवेदक तथा जिन हज आवेदकों ने कुर्बानी नहीं करने का निर्णय लिया था उनको रूपये 69,300 प्रति हज आवेदक हज कमेटी ऑफ इण्डिया मुम्बई के भारतीय स्टेट बैंक अथवा युनियन बैंक ऑफ इण्डिया के खाते में पे-इन-स्लिप हज कमेटी ऑफ इण्डिया की वेबसाईट पर ऑन लाईन जमा की जा सकती है। तीसरी किस्त की धनराशि जमा करने की अन्तिम तिथि 31 मार्च, 2026 निर्धारित की गई है। धनराशि जमा किये जाने के बाद पे-इन-स्लिप अतिशीघ्र उत्तराखण्ड राज्य हज समिति हज हाउस पिरान कलियर में जमा कराया जाना अनिवार्य है।

## 13 साल से फरार वारंटी को हरियाणा से दबोचा

**रुड़की।** गंगनहर पुलिस ने 13 साल से फरार वारंटी को दबोचकर कोर्ट में पेश किया। एसएसपी नवनीत सिंह के निर्देश पर वारंटियों एवं फरार अभियुक्तों की धर पकड़ के लिए जिलेभर में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में कोतवाली गंगनहर पुलिस ने दिनाँक 23.03.2026 को वारंटी पंकज शर्मा को सिरसा हरियाणा से गिरफ्तार किया। पुलिस टीम की पकड़ में आया आरोपी विगत 13 साल से लगातार फरार चल रहा था। वारंटी को न्यायालय के समक्ष पेश किय जा रहा है। पकड़ा गया वारंटी-पंकज शर्मा पुत्र राजकुमार नि0 सिरसा हरियाणा है।

# टीचर्स एसोसिएशन ने कैबिनेट मंत्री बत्रा को सौंपा ज्ञापन

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**रुड़की।** उत्तरांचल स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन, हरिद्वार के प्रतिनिधि मंडल ने आज कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा से शिष्टाचार भेंट कर शिक्षक हितों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व जिलाध्यक्ष अश्विनी चौहान ने किया, जबकि जिला मंत्री हेमेन्द्र चौहान, जिला कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी एवं शिक्षकगण भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अश्विनी चौहान ने कहा कि प्रदेश के शिक्षक लंबे समय से पुरानी पेंशन योजना की बहाली की अपेक्षा कर रहे हैं, क्योंकि वर्तमान नई पेंशन प्रणाली में भविष्य की आर्थिक सुरक्षा को लेकर अनिश्चितता बनी रहती है। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन केवल एक आर्थिक व्यवस्था नहीं, बल्कि कर्मचारियों के सम्मानजनक एवं सुरक्षित जीवन का आधार है। जिला मंत्री हेमेन्द्र चौहान ने कहा कि प्रदेश के अधिकांश राजकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का अभाव गंभीर समस्या बना हुआ है। इसके कारण विद्यालयों में स्वच्छता, रख-रखाव एवं अन्य व्यवस्थाएं प्रभावित होती हैं। जिला कोषाध्यक्ष अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि शिक्षक समाज प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ है और उनकी समस्याओं का समाधान होने से ही शिक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। प्रतिनिधि मंडल ने कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा को उनके दायित्व ग्रहण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं भी प्रेषित कीं। इस पर मंत्री जी ने आश्वस्त किया कि शिक्षक समाज की समस्याओं पर संवेदनशीलता के साथ विचार किया जाएगा और शासन स्तर पर आवश्यक कार्यवाही के लिए प्रयास किए जाएंगे। प्रतिनिधि मंडल में उत्तरांचल स्टेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन (उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ) हरिद्वार के जिलाध्यक्षअश्विनी चौहान, हेमेंद्र चौहान महामंत्री, अरविंद शर्मा कोषाध्यक्ष, राजेश चौहान, दिनेश बड़वाल, राजीव कुमार शर्मा, वीर सिंह पँवार, अमरीश वर्मा रविन्द्र अग्रवाल शामिल रहे।

## अंतर्राष्ट्रीय गुर्जर दिवस पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष

# चौ. राजेंद्र सिंह का वन गुर्जर बस्ती में स्वागत

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**रुड़की।** अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष चौधरी राजेंद्र सिंह का गुर्जर बस्ती हरिद्वार में जोरदार स्वागत किया गया इस अवसर परपूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद भी मौजूद रहे।

हरिद्वार ग्रामीण विधान सभा के सिद्ध स्रोत, में वन गुर्जर बस्ती हरिद्वार में 22 मार्च: अंतर्ष्ट्रीय गुर्जर दिवस बड़ी धूमधाम से मनाया गया जिसमे मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी श्री यतिश्रानंद जी महाराज रहे और विशिष्टि अथिति चौधरी राजेंद्र सिंह पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत हरिद्वार साथ में निपेन्द्र चौधरी परमोद चेयरमैन दूध संघ हरिद्वार रोसन दिन बाबू खटाना विकास खटाना प्रधान सफी लोधा मीर हमजा मुमताज लोधा गनी कसाना के पी तोमर प्रो सुशील भाटी कर्नल देवानंद आदि उपस्थित रहे।

# पीएलआई नीति के विरोध में बैंक कर्मियों का प्रदर्शन

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**रुड़की।** यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर देशभर के बैंकों में स्केल-III तक के कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने सरकार की परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव नीति के विरोध में काले रिबन एवं बैज लगाकर प्रदर्शन किया। इसी क्रम में रुड़की इकाई के अंतर्गत भी विभिन्न बैंकों के कर्मचारियों और अधिकारियों ने पूरे दिन कार्य करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध दर्ज कराया।

यूनियनों के अनुसार, सरकार द्वारा स्केल-III तक के कर्मचारियों को 3 से 15 दिनों का चप्प दिया जा रहा है, जबकि उच्च पदस्थ अधिकारियों को 360/365 दिनों का इंसेंटिव देने का निर्णय लिया गया है। इसे कर्मचारियों के साथ अन्यायपूर्ण बताते हुए यूनियनों ने कड़ा विरोध जताया है। बैंक यूनियनों का कहना है कि यह भारी असमानता टीम वर्क की भावना के खिलाफ है और इससे बैंकिंग व्यवस्था में असंतुलन पैदा होगा। उनका यह भी मानना है कि इस अतिरिक्त राशि का उपयोग बैंकों में स्टाफ की कमी को दूर करने और ग्राहक सेवाओं में सुधार के लिए किया जा सकता था। रुड़की में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने काले रिबन और बैज पहनकर कार्य किया और सरकार से इस निर्णय को वापस लेने की मांग की। यूनियनों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही इस मुद्दे पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो बैंक कर्मचारी हड़ताल पर जाने के लिए बाध्य होंगे। यूएफबीयू रुड़की इकाई के संयोजक मन्नू माकिन ने कहा कि यह आदेश बैंक कर्मियों के बीच विभाजन पैदा करने और निम्न व मध्यम वर्ग के कर्मचारियों का मनोबल गिराने वाला है, जिसका लगातार विरोध किया जाएगा।

# लक्सर-भगवानपुर में सरकार के चार साल बेमिसाल का जश्न

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**लक्सर/भगवानपुर।** राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "जन-जन की सरकार, चार साल बेमिसाल" कार्यक्रम श्रृंखला के तहत आज दूसरे दिन जनपद की तीन विकासखंडों में कार्यक्रम आयोजित किया गया, विकासखंड नारसन का कार्यक्रम परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में विगत चार वर्ष के कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए है एवं कई महत्वकांक्षी योजनाओं को धरातल पर उतारकर योजनाओं का लाभ आमजन मानस को उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियो का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रदेश को विकास की दिशा में अग्रणी बनाना है और इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि वे इन योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और प्रदेश के विकास में अपनी भागीदारी निभाएं। मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भी सरकार इसी प्रकार जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाते हुए प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार द्वारा पिछले चार वर्षों में विकास के अनेक आयाम स्थापित किए गए हैं। सरकार ने गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के कल्याण के लिए कई जनहितकारी योजनाएं संचालित की हैं, जिनका लाभ सीधे आम जनता तक पहुंच रहा है। कार्यक्रम में राज्य मंत्री देशराज कर्णवाल ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन चार वर्षों में प्रदेश प्रगति के पथ पर अग्रसर हो रहा है तथा मुख्यमंत्री के निर्देशन में जन जन की सरकार जन जन के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए गया है,जिसके माध्यम से जनता की समस्याओं का समाधान उन्हीं के द्वारा पर किया गया है। वही भगवानपुर में राज्य सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "जन-जन की सरकार, चार साल बेमिसाल" कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी भगवानपुर देवेंद्र सिंह नेगी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा सरकार की संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के लगाए गए स्टालों के माध्यम से क्षेत्रवासियों को उपलब्ध कराई गई। बाल विकास विभाग के माध्यम से 02 महिलाओं को महालक्ष्मी कीट उपलब्ध कराया गए।

# इंडियन ऑयल की लक्सर में ऑफ-साइट मॉक ड्रिल

**शाह टाइम्स संवाददाता**

लक्सर। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (उत्तरी क्षेत्र पाइपलाइंस, रुड़की) द्वारा मंगलवार को लक्सर तहसील के ग्राम खड़ंजा कुतुबपुर में एक ऑफ-साइट मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 के सुरक्षा मानकों के तहत आयोजित इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य पेट्रोलियम पाइपलाइन में किसी भी संभावित रिसाव या आगजनी जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए सिस्टम की तत्परता और आपसी समन्वय की जांच करना था। काल्पनिक परिदृश्य से जांची गई सतर्कता मॉक ड्रिल के दौरान एक चुनौतीपूर्ण और यथार्थवादी स्थिति बनाई गई। परिदृश्य के अनुसार, पाइपलाइन से तेल रिसाव के बाद एक ग्रामीण द्वारा फेंकी गई जलती बीड़ी से आग लग जाती है। अभ्यास में दिखाया गया कि कैसे घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र की तुरंत घेराबंदी की गई। आग पर त्वरित नियंत्रण पाया गयाक्षतिग्रस्त पाइपलाइन की मरम्मत प्रक्रिया को कुशलतापूर्वक अंजाम दिया गयाजीवन रक्षा और चिकित्सा सहायता सुरक्षा के साथ-साथ मानवीय सहायता का भी प्रदर्शन किया गया। ड्रिल के दौरान आग में झुलसे व्यक्ति को प्राथमिक उपचार देने और एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुँचाने की प्रक्रिया का सफल रिहर्सल किया गया विशेषज्ञों और प्रशासन की उपस्थितिइस कार्यक्रम में इंडियन ऑयल और स्थानीय प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से शामिल थे। मुख्य प्रचालन प्रबंधक पुष्पेन्द्र कुमार, द्वितीय प्रभारी नवनीत कुमार, संचालन प्रभारी आशीष वर्मा प्रशासन व पुलिस: थाना लक्सर से उपनिरीक्षक कर्मवीर सिंह व आशीष भट्ट, फायर स्टेशन से हेड कांस्टेबल रवि थापा चिकित्सा: लक्सर के चिकित्सक डॉ. दुष्यंत सिंहजागरूकता ही बचाव हैकार्यक्रम के समापन पर मुख्य प्रचालन प्रबंधक पुष्पेन्द्र कुमार ने कहा, ष्आपात स्थिति में पूर्व निर्धारित आपदा प्रबंधन योजना का प्रभावी क्रियान्वयनहीजान-माल के नुकसान को कम कर सकता है इस तरह के आयोजनों से न केवल विभाग की तत्परता बढ़ती है बल्कि स्थानीय प्रशासन और आम जनता में भी सुरक्षा के प्रति जागरूकता आती है।

**संबंध विच्छेद-सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र सुहेल का मेरे व मेरे परिवार के प्रति आचरण ठीक ना होने के कारण मैंने सुहेल को अपनी तमाम चल-अचल संपत्ति से बेदखलकर संबंध-विच्छेद कर लिया है आज के बाद सुहेल के किसी भी अनैतिक कृत्य व लेनदेन की मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

जुल्फिकार पुत्र नूर मौहम्मद नि. मोहल्ला काशीपुरी रुड़की, हरिद्वार।

# संघर्ष में एक युवती समेत चार घायल

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**लंढौरा।** मंगलवार की दोपहर मामूली कहासुनी को लेकर को दो पक्षों में संघर्ष हो गया। मारपीट में एक युवती समेत चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया है। कस्बे के मोहल्ला बाहर किला में मंगलवार की दोपहर दो महिलाओं के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। कुछ देर बाद दोनों पक्षों के लोग लाठी-डंडे लेकर आपस में भिड़ गए। मारपीट में शहबाज, अरशद, हुसैन और मुस्कान गंभीर रूप से घायल हो गए। मारपीट के दौरान मोहल्ले अफरातफरी का माहौल बन रहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति पर काबू पाया। पुलिस ने घायलों को मेडिकल परीक्षण पर भेज दिया है। चौकी प्रभारी अशोक सिरस्वाल का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## मंगलौर कोतवाली में किया माल नीलाम

**मंगलौर।** न्यायालय के आदेश पर मंगलौर कोतवाली में जमा हुआ मुकदमा संबंधित माल का निस्तारण कमेटी द्वारा किया गया। माननीय न्यायालय रुड़की के आदेश पर कोतवाली मंगलौर पर वर्ष 2011 में पंजीकृत धारा 420,467, 468 आईपीसी से संबंधित माल मुकदमती (सरिया) को न्यायालय द्वारा गठित कमेटी के सदस्य सीओ मंगलौर, तहसीलदार रुड़की, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मंगलौर आदि द्वारा नियम अनुसार नीलामी करते हुए नीलामी में छोड़ा गया। अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। कोतवाली में मुकदमा संबंधित माल के निस्तारण के लिए माल निस्तारण के लिए कमेटी बनाई गई थी कमेटी द्वारा नीलामी बोली लगाई गई बोली दाताओं ने अपने-अपने हिसाब से माल की बोली लगाकर माल की नीलामी अपने नाम छुटाए।

## डिजाइन इनोवेशन सेंटर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की में

# 'एमएसएमई इनोवेटिव स्कीम' पर जागरूकता कार्यशाला

**शाह टाइम्स संवाददाता**

**रुड़की।** डिजाइन इनोवेशन सेंटर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटी रुड़की) ने 'एमएसएमई इनोवेटिव (डिजाइन) स्कीम': उद्योग-अकादमिक सहभागिता पर एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया। यह कार्यक्रम डिजाइन विभाग, आईआईटी रुड़की; विकास एवं सुविधा कार्यालय (एमएसएमई-डीएफओ), हल्द्वानी एवं देहरादून के सहयोग से होटल रामाडा बाय विंडहैम, देहरादून, उत्तराखंड में आयोजित किया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य भारतीय विनिर्माण क्षेत्र और डिजाइन विशेषज्ञता/डिजाइन समुदाय को एक साझा मंच पर लाना है। यह योजना वास्तविक समय की डिजाइन समस्याओं के लिए लागत-प्रभावी समाधान, नए उत्पाद विकास, उनके निरंतर सुधार तथा मौजूदा/नए उत्पादों में मूल्य संवर्धन हेतु अनुभवी डिजाइनरों द्वारा विशेषज्ञ परामर्श प्रदान करने का लक्ष्य रखती है।



प्रो. इंदरदीप सिंह, अधिष्ठाता (इन्फ्रास्ट्रक्चर) एवं समन्वयक, डिजाइन इनोवेशन सेंटर, आईआईटी रुड़की ने चालू वित्तीय वर्ष में एमएसएमई इनोवेटिव (डिजाइन) स्कीम के अंतर्गत चार कार्यक्रमों की श्रृंखला का समन्वयन किया। डीआईसी, आईआईटी रुड़की के अधिकारियों ने एमएसएमई इकाइयों एवं अन्य संगठनों से आए प्रतिभागियों को योजना के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की। डॉ. एस.के. नेवार, निदेशक एवं प्रमुख, विकास एवं सुविधा कार्यालय (एमएसएमई-डीएफओ), हल्द्वानी एवं देहरादून; श्री एस.सी. कंडपाल, उप निदेशक, विकास एवं सुविधा कार्यालय (डीएफओ-एमएसएमई), हल्द्वानी; श्री अमित मोहन, सहायक निदेशक, विकास एवं सुविधा कार्यालय (डीएफओ-एमएसएमई), हल्द्वानी; तथा विभिन्न सरकारी एजेंसियों के अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, क्षेत्रीय उद्योगों एवं एमएसएमई इकाइयों के प्रतिनिधियों ने इस चर्चा से लाभ प्राप्त किया।

# किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

**लंढौरा।** रेलवे स्टेशन के समीप स्थित कॉलोनी से एक किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई पिडित पिता ने दो लोगों पर अपनी पुत्री को बहला फुसलाकर साथ ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

लंढौरा रेलवे स्टेशन के समीप स्थित कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 22 मार्च की रात उसकी 14 वर्षीय पुत्री संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई पिडित का कहना है कि तलाश के दौरान उसके ही पडोष्स में रहने वाला एक युवक अपने एक अन्य साथी की मदद से उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर अपने साथ मोटरसाइकिल पर बैठाकर ले जाता दिखाई दिया। पिडित पिता ने अपनी पुत्री के साथ किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस से तलाश की गुहार लगाई है। चौकी प्रभारी अशोक सिरस्वाल ने बताया कि मामले में जांच के बाद कारवाई जाएगी।

शाह टाइम्स

# सम्पादकीय

बुधवार, 25 मार्च 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

# कैसे रुकेगा युद्ध

मध्य पूर्व में चल रहा संघर्ष अब पूरी दुनिया को अपनी चपेट में लेता दिखाई दे रहा है। 24 दिन गुजर जाने के बावजूद इस युद्ध में कोई कमी आती दिखाई नहीं दे रही है। हां थोड़ी आशा उस समय जरूर बंधी थी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने 48 घंटों के अल्टीमेटम के बाद ईरान पर हमला करने के अपने फैसले पर पुनर्विचार कर उसको पांच दिन के लिए टाल दिया था। ट्रम्प ने दावा किया था कि ऐसा वह इसलिए कर रहे हैं ताकि पर्दे के पीछे चल रही ईरान से बातचीत किसी अच्छे नतीजे पर पहुंचे। उसके सकारात्मक परिणाम आएंगे। ट्रम्प के इस फैसले के तुरंत बाद ईरान की तरफ से जवाब आया कि ऐसी कोई बातचीत नहीं चल रही है और बातचीत अगर कोई होगी भी तो वह ईरान की शर्तों पर होगी। जिस तरह दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमले किए, उससे भी पांच दिन के संघर्ष विराम का कोई मतलब नहीं रह गया है। बताया जा रहा है कि ईरान ने इस्राईल के तेल अवीव सहित कई शहरों पर मिसाइल से हमले किए, तो वहीं इस्राईल अमेरिका ने भी ईरान पर ताबड़तोड़ बमबारी की। हालांकि ट्रम्प अभी भी कह रहे हैं कि बातचीत जारी है, लेकिन ऐसा कहते हुए वह यह कहने से भी नहीं चूके कि ईरान अमेरिका की शर्तों के अनुसार ही चलेगा और वह ईरान को न्यूक्लियर पॉवर कभी नहीं बनने देंगे। साथ ही उनका दावा रहा है कि अमेरिका ने ईरान को भारी क्षति पहुंचाई है और उसकी सेना लड़ने की स्थिति में नहीं है, जबकि जमीनी हकीकत उससे अलग ही दिखाई दे रही है। जहां तक बात भारत की है, भारत भी यही चाहता है कि किसी भी तरह यह युद्ध रुके। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस संबंध में ट्रम्प ने टेलीफोन पर बात भी की। इस बातचीत में कहा जा रहा है कि होर्मुज स्टेट को खोलने से लेकर अन्य तमाम बातों पर बातचीत हुई और दोनों देशों के बीच सहमति बनती दिखाई दी। इसमें कोई दोराय नहीं कि हर कोई चाहता है कि यह युद्ध रुके। उसका कारण भी है, भले ही यह युद्ध ईरान-अमेरिका/इस्राईल के बीच लड़ा जा रहा हो, लेकिन इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। तेल, गैस का संकट लगभग प्रत्येक देश के सामने खड़ हो गया है, क्योंकि जिस तरह दोनों की ओर से एक-दूसरे के ऊर्जा संसाधनों पर हमले किए जा रहे हैं, वह सभी के लिए विनाशकारी साबित हो रहे हैं। जाहिर है हर देश का नेतृत्व इस समय चिंतित दशा में है और नहीं चाहता कि किसी भी सूरत में यह युद्ध आगे बढ़े। अमेरिकी राष्ट्रपति जिस तरह की भाषा बोल रहे हैं, उससे तो लगता है कि वह युद्ध से बाहर निकलना चाहते हैं, लेकिन उनका सहयोगी देश इस्राईल उनसे सहमत होता दिखाई नहीं दे रहा है। जब पांच दिन के संघर्ष विराम की घोषणा ट्रम्प ने की थी, तब भी इस्राईली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इस पर ठंडी प्रतिक्रिया दी थी। अभी भी विश्व के बड़े नेता अपनी जिम्मेदारी को समझें, ताकि विनाश को रोका जा सके।

## अमेरिका के प्रभाव में काम करते हैं पीएम

पूर्व निर्धारित केरल दौरे के कारण बैठक में शामिल नहीं हो सकूंगा, इस मुद्दे पर चर्चा जरूरी है, लेकिन सरकार पहले ही गंभीर गलती कर चुकी है, व्यवस्था का ढांचा ही कमजोर कर दिया गया है, जिसे सुधारने में काफी समय लगेगा, पीएम नरेंद्र मोदी स्वतंत्र निर्णय लेने के बजाय अमेरिका और इस्राईल के प्रभाव में काम करते हैं और किसानों व युवाओं के हित में प्रभावी कदम नहीं उठा पा रहे हैं।

-राहुल गांधी, नेता विपक्ष

# शिक्षा का बजट घटाया, तो पीढ़ियां माफ नहीं करेंगी

पवन सिंह

द्वितीय विश्व युद्ध (1939-1945) समाप्त हो चुका था, ब्रिटेन जबरदस्त आर्थिक संकट का सामना कर रहा था। ब्रिटिश संसद चल रही थी और उस वक्त इंग्लैंड के प्रधानमंत्री थे क्लिमेंट एटली। बजट पर बहस जारी थी। तमाम ब्रिटिश सांसदों ने इंग्लैंड के प्रधानमंत्री क्लिमेंट एटली से कहा आपने रक्षा से लेकर तमाम मदों में बजट में जबरदस्त कटौती कर दी है, लेकिन शिक्षा के बजट में कटौती क्यों नहीं की? इंग्लैंड के प्रधानमंत्री क्लिमेंट एटली ने मुस्कुराते हुए कहा-हम युद्ध से हुए नुकसान की भरपाई तो कर लेंगे, लेकिन अगर बजट के अभाव में हमारी पीढ़ियों की शिक्षा प्रभावित हुई तो इसका नुकसान कोई नहीं भर पाएगा। यह कह कर उन्होंने शिक्षा के बजट में कटौती करने से साफ मना कर दिया। ब्रिटेन में वर्ष, 1944 के बटलर शिक्षा अधिनियम के तहत प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा को अनिवार्य और मुफ्त बनाने पर जोर दिया गया, जिससे ब्रिटेन में शिक्षा का महत्व बना रहा।

यह सुखद आश्चर्य है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ही इंग्लैंड में वर्ष, 1944 में ऐतिहासिक शिक्षा सुधार पारित किया गया, जिसने राज्य द्वारा वित्तपोषित शिक्षा के लिए एक ठोस आधार प्रदान किया। एक ओर युद्ध चला रहा हो और दूसरी ओर ब्रिटेन अपनी शिक्षा, अपने स्कूलों, कालेजों को उन्नत बनाने के प्रयास कर रहा था, ऐसा उदाहरण दुनियां में कहीं और देखने को नहीं मिलता। तत्कालीन सरकार ने अपनी कल्याणकारी राज्य की सोच को प्राथमिकता देते हुए शिक्षा और स्वास्थ्य को विशेष महत्व दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि युद्ध के बाद ब्रिटेन में नई शिक्षा प्रणालियां विकसित हुईं। एटली सरकार ने 1944 के जिस शिक्षा अधिनियम को लागू किया, उसे श्बटलर एक्टश कहा जाता है, जिसने शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार किए। एटली ने कल्याणकारी राज्य की नीति अपनाई।

इंग्लैंड में आरंभ से ही शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और न्यू इनोवेशन ही वह मूल था जिसने वर्ष, 1760 से वर्ष, 1840 के बीच इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति आरंभ की। हस्तशिल्प का सफर मशीनों तक आया। भाप के इंजन ने सब कुछ बदल कर रख दिया। कोयला औद्योगिक क्रांति का प्रमुख आधार बन कर निकला और लोहा उद्योग से लेकर कपड़ा उद्योग एक नई इबारत लिखने लगा। कारखाने लगे तो शहरीकरण हुआ। और फिर सब कुछ तेजी से बदलना आरंभ हुआ। विश्वयुद्ध हो या महामारी, वैश्विक आर्थिक स्थिति नकारात्मकता में हो या कोई अन्य कारण इंग्लैंड ने उसकी आंच कभी भी अपने कालेजों व विश्वविद्यालयों पर नहीं आने दी। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय वर्ष, 1096 में स्थापित हुआ, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय वर्ष, 1209 में, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन वर्ष, 1826 में, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय वर्ष, 1824 में, किंग्स कॉलेज लंदन वर्ष, 1829 में, इंपीरियल कॉलेज लंदन वर्ष, 1907 में और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस वर्ष, 1895 में स्थापित हुआ। जबकि दरहम विश्वविद्यालय वर्ष, 1832 में, ब्रिस्टल विश्वविद्यालय वर्ष, 1876 में और वारविक विश्वविद्यालय वर्ष 1965 में स्थापित हुए। इनकी वित्तीय कटौती किसी भी सूरत में कभी नहीं की गई।

उधर चीन ने शिक्षा, तकनीक, न्यू इनोवेशन के महत्व को समझा और उस पर कभी कोई समझौता नहीं किया। इस बीच चीन के थिंक टैंक ने लगातार इंग्लैंड सहित अन्य यूरोपीय देशों में हुई प्रगति पर नजरें बनाए रखीं और उसने भी शिक्षा और अनुसंधान को अपना हथियार बनाया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यानी 1945 के बाद से ही चीन ने कमर कसी और उसने वर्ष, 1949 में 20 से 40 प्रतिशत की रफ्तार से साक्षरता दर हासिल की और वर्ष 2000 आते-आते चीन की करीब 98.4 प्रतिशत की आबादी शैक्षिक रूप से समृद्ध हो चुकी थी। इसके साथ ही चीन ने शिक्षा और अनुसंधान यानी R-D में जो छलांग लगाई है, वह दूसरे देशों के लिए एक सीख है। यह R-D के क्षेत्र की अभूतपूर्व क्रांति है। इसने देखते ही देखते विगत 30 सालों में चीन को तकनीकी महाशक्ति बना दिया। चीन ने वर्ष, 1986 में अनिवार्य शिक्षा कानून बनाया और वर्ष, 1999 के बाद R-D में भारी निवेश किया। यह निवेश वर्ष, 2011 में +100 बिलियन डॉलर से अधिक का था। आज चीन 3,000 विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक, बौद्धिक, तकनीक, साइंस आदि क्षेत्रों में हर बार कोई न कोई नई खोज सामने रख कर आश्चर्यचकित कर देता है। R-D यानी अनुसंधान और विकास में चीन ने सालाना 20 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है, जिसने चीन को एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग और बायोटेक में अग्रणी बना दिया। इसके अलावा चीन ने अपने विश्व. विद्यालयों का जबरदस्त आधुनिकीकरण किया और 147 विश्वविद्यालयों को विश्व स्तरीय बनाने के लिए विशेष फंड और संसाधन झोंक दिए। आज चीन ऑनलाइन शिक्षा, ई-लर्निंग व स्मार्ट क्लासरूम में दुनिया में सबसे आगे है, जो AI और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करते हैं। इसके अलावा चीन ने अमेरिकी माडल की कापी की और विश्व भर की विदेशी प्रतिभाओं को चीन आमंत्रित किया। चीन लगातार विदेशी छात्रों की संख्या को बढ़ा रहा है। यह संख्या 2024 तक करीब 5 लाख तक पहुंच चुकी है। इससे उलट हमारे देश में सबसे बुरी गत शिक्षा, अनुसंधान और न्यू इनोवेशन को लेकर हुई। इसे बढ़ाने की बजाए इसे गर्त में झोंक दिया गया। परिणाम यह हुआ कि मैन्युफैक्चरिंग ग्रोथ चरमरा गई और धीरे-धीरे हम तकनीकी मामले में चीन पर निर्भर होते चले गए। 2024 के आंकड़ों के अनुसार, चीन से भारत में विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण (लगभग 47.67 अरब डॉलर) और मशीनरी, परमाणु रिएक्टर व बॉयलर (लगभग 27 अरब डॉलर) का सबसे अधिक आयात किया गया। ये दोनों श्रेणियां मिलकर 70 अरब डॉलर से अधिक की हैं। वर्ष, 2024-25 में चीन से भारत को प्रमुख मशीनरी आयात में विद्युत-इलेक्ट्रॉनिक उपकरण- 38 अरब डॉलर से 47 अरब डॉलर से अधिक और परमाणु रिएक्टर और बॉयलर मशीन. री-21.7 अरब डॉलर से 27 अरब डॉलर के अलावा अन्य तकनीकी उपकरण (ऑप्टिकल, मेडिकल)- 2.56 अरब डॉलर से 2.8 अरब डॉलर रहा। चीन शिक्षा और अनुसंधान R-D में दुनिया के सबसे बड़े निवेशकों में से एक है। 2026 में, चीन ने अपने विज्ञान और प्रौद्योगिकी बजट को बढ़ाकर 426.4 बिलियन युआन (लगभग +59-60 बिलियन) कर दिया है, जो 2025 से 10 प्रतिशत अधिक है। समग्र शिक्षा बजट 800 बिलियन डॉलर से अधिक का है, जो उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा और तकनीकी विकास पर भारी फोकस दर्शाता है। मुझे यह लिखने में कोई गुरेज नहीं है कि आज मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के मामले में हम चीन पर निर्भर हैं, क्योंकि हमने अपने देश में कभी भी साइंटिफिक एप्टीट्यूट या साइंटिफिक टैंपरामेंट डेवलप होने ही नहीं दिया। शिक्षा और अनुसंधान हमारे लिए कभी प्राथमिकता में रहा ही नहीं। हमारे पास तथाकथित कामों के लिए तो करोड़ों रुपए होते हैं, लेकिन स्कूलों और विश्वविद्यालयों के लिए, रिसर्च के लिए बजट न के बराबर होता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

# 27 मार्च को नेपाल में सत्तारूढ़ होगी बालेन सरकार

**राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का जन्म अभी पिछले चुनाव में ही हुआ है। पहली मर्तबा चुनाव में उतरी इस पार्टी को 20 सीटें हासिल हुई थी। इस बार के चुनाव में इस पार्टी की सुनामी थी जिसमें पुरानी पार्टियों के सारे धुरंधर धराशाई हो गए। देखा जाए तो नेपाल के लोकतांत्रिक इतिहास में सर्वथा पहली बार किसी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है। बालेन सरकार के मंत्रिमंडल को लेकर नेपाल के पड़ोसी देशों में भी उत्सुकता देखी जा रही है। अपेक्षाकृत राजनीतिक रूप से बिल्कुल ही अपरिपक्व बालेन सरकार नेपाल के लिए क्या कुछ कर पाती है, यह देखना दिलचस्प होगा।**

यशोदा श्रीवास्तव

नेपाल में 27 मार्च को गठन होने जा रही नई सरकार को लेकर नेपाली जनता में उत्सुकता का माहौल है। इसीके साथ हर वर्ग में आशा और विश्वास भी है। चारों ओर चर्चा है कि अब नेपाल को परिवर्तन की अनुभूति होगी। मायूसी और निराशा के बादल छटेंगे। अबकी बार बालेन सरकार का नारा हर ओर गुंजायमान है। राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल नवनियुक्त प्रधानमंत्री और मंत्रियों को शपथ ग्रहण कराएंगे। काठमांडू में जगह जगह बालेन शाह, रवि लामी छाने और सुडान गुरूंग के पोस्टर लगाए गए हैं। अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की नई सरकार को सत्ता सौंपने की तैयारी में व्यस्त हैं। प्रधानमंत्री और मंत्रियों के शपथ से पहले 26 मार्च को सभी सांसदों का शपथ ग्रहण होगा। गौरतलब है कि नेपाल करीब चार सौ सालों तक राजशाही के अधीन था। पृथ्वी नारायण शाह को नेपाल का जनक माना जाता है। राजशाही से मुक्ति के लिए राजनीतिक दलों ने यदा कदा आंदोलन जरूर चलाया, लेकिन इसमें कामयाबी 2008 में जनयुद्ध नाम से चले हिंसक आंदोलन के बाद मिली। माओइस्ट नेता प्रचंड और उनके सहयोगियों के नेतृत्व में सालों साल चले इस आंदोलन में करीब पांच हजार लोग मारे गए। राजा समर्थक राजनेताओं और जमिन्दारों के घर जलाए गए उनकी हत्याएं की गईं। इस भारी खून खराबा से घबड़ाए तत्कालीन नरेश ज्ञानेंद्र ने सत्ता त्यागने की घोषणा की। कहना न होगा नेपाल को लोकतंत्र के सूर्योदय के लिए भारी कीमत चुकानी पड़ी।

2008 में हुए संविधान सभा के चुनाव में अपूर्ण बहुमत के बावजूद प्रचंड प्रधानमंत्री बने लेकिन नौ माह बाद ही उन्हें सत्ता छोड़ने को मजबूर होना पड़ा। उसके बाद 2026 में संपन्न हुए चुनाव तक नेपाल को अस्थिर और गठबंधन सरकार का बोझ ढोने को मजबूर होना पड़ा। इस दौरान करीब 13 प्रधानमंत्री आए गए लेकिन नेपाल जस का तस रहा। भ्रष्टाचार इस स्तर तक चरम पर पंहुच गया कि सत्ता और विपक्ष के शीर्ष नेताओं तक के हाथ इसमें सने हुए मिले। नेपाली जनता खुद को ठगा हुआ महसूस करने लगी। भ्रष्ट सरकारों की श्रृंखला में के पी शर्मा ओली अंतिम प्रधानमंत्री साबित हुए जिसे दुनिया ने देखा कि किस तरह जेन जी आंदोलनकारियों ने भारी अपमान के बीच सत्ता छोड़ने को मजबूर किया। इसके अलावा अन्य दूसरी पार्टियों के वरिष्ठ नेता भी किस कदर खेत खेत भागकर अपनी जान बचा पाए,यह भी दुनिया ने देखा। किसी सरकार के प्रति जनता जब गुस्सा करती है तो उसका क्या हश्र होता है, नेपाली जनता ने यह कर दिखाया। बहरहाल उसके बाद नेपाल में अंतरिम सरकार का गठन हुआ फिर छह महीने बाद चुनाव हुआ और इस चुनाव में सर्वथा पहली बार नेपाल को पूर्ण बहुमत की सरकार नसीब हुई। दरअसल नेपाली जनता को राजशाही से असल मुक्ति अब महसूस हुई, लेकिन अनुभूति होना अभी बाकी है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी यानी जिस पार्टी की सरकार सत्तारूढ़ होने जा रही है, उससे जनता को बहुत ज्यादा उम्मीद है। इस उम्मीद पर खरा उतरना यद्यपि कि आसान नहीं है, लेकिन नई सरकार यदि पचास प्रतिशत ही जनता की अपेक्षा पर खरा उतर पाई तो यह बड़ी कामयाबी होगी। नई सरकार का मुखिया बालेन शाह का ही बनना तय है। इस पद को लेकर चल रही कयासबाजी और शंका आशंका सब निर्मूल है। बालेन मंत्रिमंडल में फिलहाल उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष रवि लामी छाने होंगे। जेन जी आंदोलन के नायक सुडान गुरूंग का भी मंत्री बनना तय माना जा रहा है। तराई जो सरकार में अहम भागीदारी से अछूता रह जाता रहा, यहां से भी कम से कम चार मंत्री होंगे। काफी संभावना है भारत सीमा से सटे नेपाल के कपिलवस्तु जिले से सांसद चुने गए पूर्व पुलिस अधिकारी विक्रम सिंह थापा को बालेन शाह सरकार में महत्वपूर्ण मंत्रालय मिल सकता है। विक्रम सिंह थापा राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी से सांसद चुने गए हैं। बालेन मंत्रिमंडल में क्षेत्र और जाति संतुलन पर विशेष ध्यान होगा। बालेन मंत्रिमंडल में अपेक्षाकृत युवा चेहरे भी होंगे। इसे लेकर पार्टी के भीतर मंथन चल रहा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

# गणेश शंकर विद्यार्थी : वह शहादत जिसने पत्रकारिता को अमर कर दिया

श्वेता गोयल

भारतीय स्वाधीनता संग्राम के महासमर में जहां एक ओर तलवारों की खनक और बंदूकों की गूंज थी, वहीं दूसरी ओर एक ऐसी वैचारिक क्रांति की धारा भी प्रवाहित हो रही थी, जिसने जनमानस के अंतर्मन को झकझोर कर रख दिया था। इस वैचारिक क्रांति के पुरोधाओं में एक ऐसा नाम दैदीप्यमान नक्षत्र की भांति चमकता है, जिसने अपनी लेखनी को ही अपना अस्त्र बनाया और सत्य की बलिवेदी पर स्वयं को न्योछावर कर दिया। वह नाम है गणेश शंकर विद्यार्थी, जो एक संस्था, एक विचार और निर्भीक पत्रकारिता के जीवंत प्रतिमान थे। उनका व्यक्तित्व उस पारस पत्थर के समान था, जिसके स्पर्श से सामान्यजन भी राष्ट्रभक्ति के स्वर्ण में परिवर्तित हो जाते थे। उनकी जीवन यात्रा उस शाश्वत संघर्ष की गाथा है, जहां एक अकेला व्यक्ति अपनी नैतिक शक्ति के बल पर साम्राज्यवादी सत्ता की चूलें हिलाने का साहस रखता था। इलाहाबाद की पावन धरा पर 26 अक्तूबर 1890 को अतरसुइया के एक साधारण कायस्थ परिवार में जब इस बालक का जन्म हुआ तो किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि यह शिशु भविष्य में भारतीय पत्रकारिता का सूर्य बनेगा। पिता जयनारायण, जो स्वयं एक शिक्षक थे, ने गणेश को अनुशासन और ज्ञान की वह घुट्टी पिलाई, जिसने उनके भीतर सत्य के प्रति अटूट निष्ठा का बीजारोपण किया। यद्यपि उनकी प्रारंभिक शिक्षा उर्दू और अंग्रेजी के वातावरण में हुई किंतु उनके भीतर भारतीयता का जो ज्वार उमड़ रहा था, उसने उन्हें हिंदी साहित्य और राष्ट्रीय चिंतन की ओर मोड़ दिया। उनके भीतर की तड़प केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं थी बल्कि वे समाज की विसंगतियों और पराधीनता की बेड़ियों को देख रहे थे। यही कारण था कि उन्होंने अपने नाम के साथ 'विद्यार्थी' शब्द जोड़ा, जो इस बात का प्रतीक था कि वे जीवन के अंतिम क्षण तक एक जिज्ञासु और सीखने वाले साधक बने रहेंगे।

उनकी पत्रकारिता का अध्याय तब प्रारंभ हुआ, जब देश में स्वाधीनता की चेतना अंगड़ाइयां ले रही थी। 'कर्मयोगी' में पंडित सुंदरलाल के सान्निध्य में उन्होंने शब्दों की शक्ति को पहचाना। बाद में जब उन्हें पंडित महावीर प्रसाद द्विवेदी जैसी महान विभूति ने 'सरस्वती' के संपादन का प्रस्ताव दिया तो यह किसी भी युवा लेखक के लिए एक महान उपलब्धि हो सकती थी किंतु विद्यार्थी जी का लक्ष्य केवल साहित्यिक परिष्कार नहीं था, वे तो उन शोषितों की आवाज बनना चाहते थे, जिनकी पुकार सत्ता के गलियारों तक नहीं पहुंचती थी। उन्होंने 'सरस्वती' के वैभव के स्थान पर 'अभ्युदय' के संघर्षपूर्ण मार्ग को चुना। उनका मानना था कि पत्रका. रिता केवल अक्षरों का विन्यास नहीं है बल्कि यह वह मशाल है, जो अंधेरे को चीरने का सामर्थ्य रखती है।

9 नवम्बर 1913 का दिन भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय की भांति अंकित है, जब कानपुर की तंग गलियों से 'प्रताप' का उदय हुआ। यह केवल एक साप्ताहिक पत्र नहीं था बल्कि फिरंगियों के विरुद्ध एक युद्धघोष था। 'प्रताप' के माध्यम से विद्यार्थी जी ने वह कर दिखाया, जो बड़ी-बड़ी सेनाएं नहीं कर पाती थी। उन्होंने किसानों की पीड़ा, मजदूरों का शोषण और रियासतों के अत्याचारों को अपनी स्याही से ऐसा उकेरा कि अंग्रेज सरकार के पसीने छूटने लगे। उनकी लेखनी में वह धार थी, जो सीधे जनमानस के हृदय को बेधती थी। उन्होंने पत्रकारिता को दरबारी संस्कृति से निकालकर गलियों और खेतों तक पहुंचाया। उनके लिए निष्पक्षता का अर्थ तटस्थता नहीं बल्कि सत्य के पक्ष में खड़े होकर अन्याय से लोहा लेना था। अंग्रेजी हुकूमत के लिए विद्यार्थी जी एक कांटा बन चुके थे। उन पर अनगिनत मुकदमे चले, भारी जुर्माना लगाया गया और बार-बार कारावास की कालकोठरी में धकेला गया। पांच बार जेल जाने के बाद भी उनकी चमक फीकी नहीं पड़ी बल्कि वे हर बार और अधिक तपकर कुंदन की तरह बाहर निकले। जेल की यातनाएं उनके संकल्प को नहीं तोड़ सकीं। उन्होंने जेल में रहकर 'जेल जीवन की झलक' जैसी कृतियां रची, जिन्होंने जेल की चारदीवारी के भीतर के सच को दुनिया के सामने रखा। उनकी लेखनी ने स्वाधीनता सेनानियों के भीतर वह ऊर्जा भरी कि 'प्रताप' का कार्यालय क्रांतिकारियों का तीर्थस्थल बन गया। विद्यार्थी जी का राजनीतिक जीवन भी उनके पत्रकारिता के समान ही ओजस्वी था। वे केवल लिखने वाले बौद्धिक नहीं थे बल्कि कर्म के पथ पर चलने वाले योद्धा थे। उनके लिए पद कभी साध्य नहीं रहे, केवल साधन रहे। उनके भीतर एक अद्भुत समन्वय था, वे एक ओर अहिंसा के पुजारी थे तो दूसरी ओर अन्याय के विरुद्ध किसी भी हद तक जाने वाले बागी। गणेश शंकर विद्यार्थी के जीवन का जो पक्ष उन्हें महानता के सर्वोच्च शिखर पर स्थापित करता है, वह है उनकी सांप्रदायिक सद्भाव के प्रति अटूट आस्था। वे भली-भांति समझते थे कि ब्रिटिश साम्राज्य की नींव 'फूट डालो और राज करो' की नीति पर टिकी है। उन्होंने अपने लेखों में बार-बार चेतावनी दी कि धर्म का राजनीतिक उपयोग समाज के लिए विष के समान है। वे अक्सर कहा करते थे कि धर्म का स्थान मनुष्य का हृदय है, सड़क या संसद नहीं। मार्च 1931 का वह काला समय आया, जिसने भारत माता के इस सपूत को हमसे छीन लिया। पूरा देश भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की फांसी के शोक में डूबा हुआ था। कानपुर में सांप्रदायिक दंगों की भयावह आग भड़क उठी थी। चारों ओर उन्माद का तांडव था, मानवता कराह रही थी और भाई-भाई का खून बहा रहा था। ऐसे समय में जब लोग अपनी जान बचाने के लिए घरों में दुबके थे, गणेश शंकर विद्यार्थी नंगे पैर, निहत्थे उस दहकती हुई आग के बीच कूद पड़े। उनके मित्रों और परिजनों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया किंतु उन्होंने उत्तर दिया कि यदि मेरा जीवन भाईयों को बचाने में काम आए तो इससे बड़ी सार्थकता और क्या होगी? वे गलियों में घूम-घूम कर दंगाइयों को समझाते रहे, असहाय महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाते रहे। 25 मार्च 1931 को उस उन्मत्त भीड़ ने, जिसके भीतर से विवेक लुप्त हो चुका था, इस शांतिदूत पर प्रहार किया। विडंबना देखिए, जिस व्यक्ति ने उम्रभर गरीबों और मजलूमों के हक की लड़ाई लड़ी, वही उसी भीड़ की नफरत का शिकार हो गया। उनकी शहादत ने देश को स्तब्ध कर दिया। विद्यार्थी जी का बलिदान केवल एक व्यक्ति का अंत नहीं था बल्कि वह घृणा के विरुद्ध प्रेम की पराकाष्ठा थी। आज के इस दौर में, जब सूचनाओं के महासागर में सत्य कहीं खो गया है और पत्रकारिता के आदर्शों पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

उत्तरी इजरायल। किरयात शमोना में लेबनान से इजरायल की ओर रॉकेट दागे जाने की चेतावनी के बाद हवाई हमले के सायरन बजने पर छिपते इजरायली सुरक्षा जवान।

## ईरानः मोहम्मद बागेर जोल्घाद्र राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के नए प्रमुख नियुक्त

**तेहरान।** ईरान सरकार ने मोहम्मद बागेर जोल्घाद्र को देश की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का नया सचिव नियुक्त किया है। ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'इरना' ने राष्ट्रपति कार्यालय के हवाले से मंगलवार को यह जानकारी दी। जोल्घाद्र इस महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त रहे अली लारीजानी का स्थान लेंगे। उल्लेखनीय है कि अली लारीजानी इजरायल के एक हमले में मारे गए थे। उसके बाद से यह पद रिक्त था। जोल्घाद्र की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियां बड़ी हुई हैं। सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ईरान की वह शीर्ष संस्था है जो देश की रक्षा और विदेश नीति से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लेने में राष्ट्रपति और सर्वोच्च नेता का मार्गदर्शन करती है।

## रूस ईरान को खुफिया जानकारी साझा कर रहा हैः जेलेंस्की

**कीव।** यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा है कि उनके पास 'पुख्ता सबूत' हैं कि रूस ईरान को खुफिया जानकारी उपलब्ध करा रहा है। यह दावा यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी (एचयूआर) के प्रमुख ओलेह इवाशचेंको के साथ बैठक के बाद किया गया, जिसमें ज़ेलेंस्की ने प्रस्तुत मूल्यांकन की समीक्षा की। ज़ेलेंस्की ने टेलीग्राम पर पोस्ट में चर्चा का सार देते हुए कहा कि रूस अपनी रेडियो-तकनीकी और इलेक्ट्रॉनिक खुफिया क्षमताओं का उपयोग कर रहा है, साथ ही मध्य पूर्व के भागीदारों से प्राप्त कुछ खुफिया जानकारी भी साझा कर रहा है। इन आरोपों पर रूस या ईरान की ओर से अभी कोई तत्काल प्रतिक्रिया नहीं आई है। ज़ेलेंस्की का बयान ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ रहा है।

# परमाणु हथियार रखने का फैसला सही थाः किम जोंग

### ईरान पर हमले ने हमें सच साबित किया, जीत मजबूत ताकत से तय होती है

**प्योंगयांग।** नॉर्थ कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन ने देश के पास परमाणु हथियार होने को लेकर खुशी जताई है। सरकारी मीडिया के मुताबिक उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर किए गए हमले साबित करते हैं, कि उनके देश का परमाणु हथियार रखने का फैसला सही था।

किम ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध दिखाता है कि आज की दुनिया में सिर्फ मजबूत सैन्य ताकत ही किसी देश को सुरक्षित रख सकती है। उन्होंने यह बयान सोमवार को संसद में लंबे भाषण के दौरान दिया। अपने भाषण में किम ने दक्षिण कोरिया के प्रति सख्त रुख दोहराया और कहा कि वह अपने देश की परमाणु ताकत को और मजबूत करेंगे, ताकि अमेरिका को रोका जा सके। किम जोंग उन का यह भाषण मंगलवार को लिखित रूप

2019 में ट्रम्प के साथ बातचीत टूटने के बाद परमाणु हथियार बढ़ाने का फैसला उनका सबसे सही कदम था

में जारी हुआ है। इसमें उन्होंने कहा कि 2019 में ट्रम्प के साथ बात. चीत टूटने के बाद परमाणु हथियार बढ़ाने का फैसला उनका सबसे सही कदम था। किम ने कहा कि नॉर्थ कोरिया अब अमेरिका के खिलाफ एकजुट मोर्चे में और ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाएगा। हालांकि उन्होंने ट्रम्प का नाम सीधे नहीं लिया, लेकिन यह जरूर कहा कि उनके विरोधी टकराव चाहते हैं या शांति, यह उन पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि नॉर्थ कोरिया हर स्थिति के लिए तैयार है। किम ने देश को आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था बनाने, ज्यादा परमाणु हथियार और उन्हें ले जाने वाली मिसाइलें बनाने पर जोर दिया। किम ने यह भी कहा कि परमाणु हथियारों की वजह से नॉर्थ कोरिया अब ज्यादा सुरक्षित है और इसी वजह से वह अपने संसाधनों का इस्तेमाल आर्थिक विकास के लिए भी कर पा रहा है। साउथ कोरिया को लेकर उन्होंने कहा कि हम उसे सबसे बड़ा दुश्मन मानेंगे और पूरी तरह नजरअंदाज करेंगे। अगर साउथ कोरिया कोई भी कदम उठाता है जो उनके देश को नुकसान पहुंचाता है, तो उसे कड़ी सजा दी जाएगी। कई दशकों से अमेरिका और उसके सहयोगी देश, प्रतिबंध और बातचीत के जरिए नॉर्थ कोरिया को परमाणु कार्यक्रम छोड़ने के लिए मनाने की कोशिश करते रहे हैं, लेकिन अब तक सभी प्रयास असफल रहे हैं। व्हाइट हाउस में दोबारा आने के बाद ट्रम्प ने किम से फिर बातचीत करने की इच्छा जताई है। हालांकि, किम का कहना है कि बातचीत तभी हो सकती है, जब अमेरिका आधिकारिक तौर पर नॉर्थ कोरिया को परमाणु शक्ति के रूप में मान्यता दे। नॉर्थ कोरिया लंबे समय से यह कहता रहा है कि अगर लीबिया के मुअम्मर गद्दाफी और इराक के सद्दाम हुसैन के पास परमाणु हथियार होते तो उनका अंत इस तरह नहीं होता।

## संक्षिप्त समाचार

### वियतनाम में एक भोजनालय में आग लगने से दो की मौत

**हनोई।** दक्षिणी वियतनाम के हो ची मिन्ह शहर में सोमवार रात एक शाकाहारी भोजनालय में आग लगने से एक महिला और उसके बच्चे की मौत हो गई। वियतनाम न्यूज़ एजेंसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जब आग लगी तो पीड़ित सो रहे थे। स्थानीय दैनिक वीएन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक एक पड़ोसी ने बताया कि घटना के समय भोजनालय बंद था।

### कोलंबिया में सैन्य विमान दुर्घटना में 66 सैनिकों की मौत

**बोगोटा।** कोलंबिया के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत पुटुमायो में सोमवार को हुए एक सैन्य विमान दुर्घटना में 66 सैनिकों की मौत हो गई। कोलंबिया की सेना ने कहा नए आंकड़ों के मुताबिक विमान में 128 लोग सवार थे, जिनमें से 57 घायल हो गए, चार लापता हैं और एक व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ। सेना ने शुरू में कहा था कि दुर्घटनाग्रस्त हुए परिवहन विमान सी-130 हरक्यूलिस में 114 यात्री और 11 चालक दल के सदस्य सवार थे। इस विमान का इस्तेमाल सैनिकों को लाने-ले जाने के लिए किया जाता था।

### टोंगा तट के पास 7.6 तीव्रता का भूकंपः भूकंप विज्ञानी

**मॉस्को।** यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र (ईएमएसएसी) ने मंगलवार को बताया कि दक्षिणी प्रशांत महासागर में स्थित द्वीपीय देश टोंगा के तट के दक्षिण-पश्चिम में 7.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया है। भूकंप विज्ञानियों के अनुसार, यह भूकंप 04:37 जीएमटी पर आया, जो शहर नेइफू से लगभग 158 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में था। इसका केंद्र 218 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। फिलहाल इस भूकंप से किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान या हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

# तेल अवीव पर ईरानी मिसाइलों की बारिश

### विरोधाभासी बयानों ने पश्चिम एशिया संकट को और जटिल बना दिया

**तेल अवीव/वाशिंगटन।** ईरान ने मंगलवार तड़के तेल अवीव सहित मध्य इजरायल पर मिसाइलों की कई लहरें दागीं, जिससे व्यापक नुकसान हुआ। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरान के बीच संभावित वार्ता को लेकर विरोधाभासी बयानों ने पश्चिम एशिया संकट को और जटिल बना दिया है। इजरायली अधिकारियों के अनुसार, आधी रात के बाद 10 घंटे से भी कम समय में ईरान ने सात चरणों में मिसाइल हमले किए। तेल अवीव सहित कई स्थानों पर हमलों के प्रभाव देखे गए, जहां इमारतों को नुकसान, जलते वाहन और घना धुआं देखा गया।

आपातकालीन टीमें तुरंत राहत एवं बचाव कार्य में जुट गईं। डिमोना क्षेत्र में भी एयर रेड सायरन बजाए गए, जो नेगेव परमाणु अनुसंधान केंद्र के निकट स्थित है, जिससे हमलों के दायरे के विस्तार का संकेत मिला है। इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) ने बताया कि कई स्थानों पर खोज एवं बचाव अभियान चलाया गया और रातभर मिसाइल हमले जारी रहे। इसके साथ ही इजरायल ने भी जवाबी कार्रवाई तेज करते हुए ईरान में 50 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया, जिनमें मिसाइल लॉन्च साइट और सैन्य अवसंरचना शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक ईरान में 3000 से अधिक ठिकानों पर हमले किए जा चुके हैं। कूटनीतिक मोर्चे पर ट्रंप ने दावा किया कि सप्ताहांत में हुई बातचीत के बाद अमेरिका और ईरान के बीच 'महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सहमति' बनी है और ईरानी ऊर्जा संयंत्रों पर प्रस्तावित हमलों को पांच दिन के

तेल अवीव सहित कई स्थानों पर हमलों के प्रभाव देखे गए इमारतों को भारी नुकसान

लिए टाल दिया गया है। उन्होंने '15 बिंदुओं पर सहमति' की बात भी कही और तनाव कम होने के संकेत दिए। ईरान ने कुछ ही समय में इन दावों को तुरंत खारिज करते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन के साथ 'कोई वार्ता' नहीं हुई है, जिससे संभावित समझौते को लेकर संदेह और बढ़ गया है। इन विरोधाभासी बयानों के बीच वैश्विक अनिश्चितता बढ़ गई है, हालांकि ट्रंप के बयान के बाद तेल की कीमतों में कुछ नरमी आई और एशियाई बाजारों में शुरुआती बढ़त दर्ज की गई। इस बीच, मिसाइल हमलों के चलते इजरायल की संसद (नेस्सट) की कार्यवाही भी कुछ समय के लिए रोकनी पड़ी, जिसे बाद में फिर शुरू किया गया। मौजूदा घटनाक्रम को संघर्ष के सबसे तीव्र चरणों में से एक माना जा रहा है, जहां एक ओर सैन्य कार्रवाई जारी है, वहीं कूटनीतिक संकेत अभी भी अस्पष्ट बने हुए हैं।

### ईरान में गैस प्लांट और पाइपलाइन पर हमला

**तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन।** अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 25वां दिन हैं। ईरान में मंगलावर को कई जगह एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमला हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान के इस्फहान शहर में गैस प्लांट और गैस कंट्रोल स्टेशन को निशाना बनाया गया। इसके अलावा खोर्रमशहर के पावर प्लांट और उसकी गैस पाइपलाइन पर भी हमला हुआ। वहीं लेबनान में ईरान समर्थक उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने आज इजराइल के 5 ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन अटैक किया। हिजबुल्लाह ने बताया कि उसने इजराइली सैनिकों की एक छावनी, रडार और तोपखाने को निशाना बनाया। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हालिया बातचीत के बाद 15 मुद्दों पर सहमति बनी है। इन मुद्दों की पूरी लिस्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। उन्होंने ईरान के पावर प्लांट पर हमले 5 दिन के लिए टाल दिए, जबकि इससे पहले होर्मुज खोलने के लिए 48 घंटे की चेतावनी दी थी। ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि तेहरान और वॉशिंगटन के बीच कोई बातचीत नहीं हो रही है।

**हिजबुल्लाह का 5 इजराइली ठिकानों पर मिसाइल अटैक, जंग में अब तक 2663 मौतें**

### अमेरिका-इजरायल के अलावा अन्य देशों के जहाजों को निकलने का रास्ता दिया जाएगाः पेजेशकियान

**तेहरान।** ईरान ने अमेरिका और इज़रायल को छोड़कर अन्य देशों के जहा. जों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुज़रने की अनुमति देने के लिए कई कदम उठाए हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान के कार्यालय ने यह जानकारी दी है। पेज. शकियान ने सोमवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ के साथ हुई फोन वार्ता में कहा कि किसी भी सूरत में, ईरान ने इस जलमार्ग से जहाज़ों के पार होने के लिए सुरक्षा एवं रक्षा के इंतजाम किये गये हैं। शत्रु देशों को छोड़कर अन्य देशों के जहाजों को इस रास्ते से गुज़रने के लिए आवश्यक सहयोग दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और इज़रायल ने 28 फरवरी को ईरान में कई ठिकानों पर हमले किए। इन हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई सहित कई लोगों की मौत हुई।

# रूस ने यूक्रेन पर रातभर में 400 ड्रोन दागे, चार की मौत

**कीव।** रूस ने मंगलवार को यूक्रेन पर बड़ा ड्रोन और मिसाइल हमला किया, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 27 लोग घायल हुए। यूक्रेन की वायुसेना के मुताबिक, रूस ने रातभर में करीब 400 ड्रोन दागे, जो हाल के हफ्तों के सबसे बड़े हमलों में से एक है।

इसके अलावा 23 क्रूज मिसा. इल और 7 बैलिस्टिक मिसाइलें भी दागी गईं, जिनसे देश के कई इलाकों को निशाना बनाया गया। राजधानी कीव पर दिन में भी ड्रोन हमले हुए। यूक्रेन के सेना प्रमुख ओलेक्सांद्र सिरस्की ने कहा कि रूस कई मोर्चों पर एक साथ हमला कर रहा है और नई सैन्य कार्रवाई की तैयारी में है। करीब 1250 किलोमीटर लंबी सीमा पर लड़ाई जारी है। रूस पहले ही यूक्रेन के लगभग 20 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर चुका है, जिसमें क्रीमिया भी शामिल है। वहीं, यूक्रेन भी ड्रोन हमलों से जवाब दे रहा है और अपने सहयोगी देशों से एयर डिफेंस सिस्टम की मांग कर रहा है। अमेरिका के टेक्सास राज्य के पोर्ट आर्थर शहर में स्थित वैलेरो ऑयल रिफाइनरी में सोमवार रात बड़ा धमाका हुआ, जिसके बाद वहां भीषण आग लग गई और आसमान में काला धुआं फैल गया। रिपोर्ट के मुताबिक, आसपास के लोगों ने तेज धमाके की आवाज सुनी, जिससे उनके घर हिल गए। इसके बाद इमरजेंसी टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। यह रिफाइनरी रोजाना करीब 4.35 लाख बैरल कच्चे तेल को प्रोसेस कर पेट्रोल, डीजल और जेट फ्यूल बनाती है। अधिकारियों के अनुसार, यह विस्फोट एक हीटर में खराबी के कारण हुआ। घटना के बाद शहर के पश्चिमी हिस्से में 'शेल्टर-इन-प्लेस' आदेश जारी किया गया है। लोगों को घरों के अंदर रहने, दरवाजे-खिड़कियां बंद रखने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने को कहा गया है। हालांकि, अब तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

# ऑस्ट्रेलिया-ईयू के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता

**कैनबरा/ब्रसेल्स।** ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय संघ (ईयू) ने लगभग आठ वर्षों की बातचीत के बाद एक 'ऐतिहा. सिक' मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे दिया है, जिससे दोनों पक्षों के बीच बाजार पहुंच को बढ़ावा मिलेगा, आयात शुल्क में कटौती होगी और आर्थिक संबंध गहरे होंगे।

इस समझौते की घोषणा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने की। सुलेयेन ने इस समझौते को दोनों पक्षों के बीच 'बढ़ते रणनीतिक संबंधों' को मजबूत करने और 'खुले एवं नियम-आधारित व्यापार' को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। समझौते के तहत, ईयू को किया जाने वाला लगभग 98 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई निर्यात शुल्क मुक्त प्रवेश पा सकेगा। इससे ऑस्ट्रेलियाई कृषि, विनिर्माण और महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्रों को काफी बढ़ावा मिलेगा। ऑस्ट्रेलियाई किसानों को वाइन, डेयरी, सीफूड, अनाज, फल और नट्स जैसे उत्पादों पर आयात शुल्क हटने से लाभ होगा, जिसमें अकेले वाइन निर्यातकों को सालाना लगभग '3.7 करोड़ डॉलर' का लाभ होने की उम्मीद है। यह समझौता बीफ, भेड़ के मांस, चीनी और डेयरी जैसे प्रमुख उत्पादों के लिए विस्तारित कोटा के माध्यम से 'सार्थक पहुंच' सुनिश्चित करेगा।

## अमेरिका ने अपने नागरिकों से जल्द से जल्द इराक छोड़ने को कहा

**बगदाद।** इराक में अमेरिकी दूतावास ने एक नया परामर्श जारी कर अमेरिकी नागरिकों से तुरंत इराक छोड़ने का आग्रह किया है। इस परामर्श में ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों से बढ़ते खतरों और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए निरंतर जोखिमों का हवाला दिया गया है। एक अद्यतन नोटिस में, दूतावास ने कहा कि ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों ने इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र सहित पूरे इराक में अमेरिकी नागरिकों और 'हितों' को निशाना बनाते हुए व्यापक हमले किए हैं। अमेरिका ने 'यात्रा न करने' संबंधी अपनी लेवल चार की चेतावनी को दो. हराते हुए सलाह दी है कि किसी भी कारण से इराक की यात्रा न करें। यदि आप वहां हैं तो अभी निकल जाएं।

# पाकिस्तान बना दुनिया का सबसे प्रदूषित देश

### भारत का लोनी सबसे प्रदूषित शहर रहा

**इस्लामाबाद/नई दिल्ली।** लोनी को दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक होने का तमगा मिला है। एक ताजा रिपोर्ट में पाकिस्तान को 2025 में सबसे ज्यादा प्रदूषित देश बताया गया है।

मंगलवार को स्विस कंपनी **IQAir** की रिपोर्ट में बताया गया कि देश में पीएम2.5 नाम के पार्टिकुलेट मैटर का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सुझाए गए स्तर से 13 गुना ज्यादा दर्ज किया गया है। ये कण जलने की प्रक्रियाओं, औद्योगिक प्रक्रियाओं और धूल से आते हैं और इनसे सेहत से जुड़ी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जिन 143 देशों और क्षेत्रों की निगरानी की गई है उनमें से 130 देश डब्ल्यूएचओ के मानकों को पूरा करने में नाकाम

रहे। इस सूची में बांग्लादेश दूसरे और ताजिकिस्तान तीसरे स्थान पर रहे। शहरों की बात करें तो 2025 में भारत का लोनी शहर दुनिया का सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर रहा जहां पीएम2.5 का औसत स्तर 11.5 माइक्रोग्राम था। इसके बाद चीन के उत्तर-पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र का होटान शहर रहा जहां यह स्तर 109.6 माइक्रोग्राम था।

**भारत, पाकिस्तान और चीन में दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर**

इस रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में से सभी शहर भारत, पाकिस्तान और चीन में ही थे। 2025 में दुनिया के सिर्फ 14 प्रतिशत शहर ही डब्ल्यूएचओ के मानकों को पूरा कर पाए जो पिछले साल के 17 प्रतिशत के मुकाबले कम है। इसकी एक वजह कनाडा के जंगलों में लगी आग थी जिससे पूरे अमेरिका और यहां तक कि यूरोप तक में पीएम2.5 का स्तर बढ़ गया था। 2025 में सिर्फ 13 देश ही पीएम2.5 के औसत स्तर को 5 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से कम रखने के स्टैंडर्ड को पूरा कर पाए जबकि 2024 में ऐसे देशों की संख्या सात थी। जिन देशों ने इस स्टैंडर्ड को पूरा किया उनमें ऑस्ट्रेलिया, आइसलैंड, एस्टोनिया और पनामा शामिल हैं। **IQAir** के मुता. बिक 2025 में लगभग 75 देशों में पीएम2.5 का स्तर पिछले साल के मुकाबले कम रहा जबकि 54 देशों में यह स्तर ज्यादा दर्ज किया गया। इस साल का डेटा 2024 के मुकाबले काफी कम है क्योंकि अमेरिका ने बजट की कमी का हवाला देते हुए एक वैश्विक निगरानी कार्यक्रम को बंद कर दिया था।

# कोलंबिया में वायुसेना का विमान क्रैश, 66 की मौत

### 114 कोलंबियाई सैनिक और 11 क्रू मेंबर सवार थे, टेकऑफ के बाद 1.5 किमी दूर गिरा

**बोगोटा।** कोलंबिया में सोमवार को एयरफोर्स का हरक्यूलिस सी-130 विमान टेक-ऑफ के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में अब तक 66 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। जबकि 4 सैनिक अभी भी लापता है।

एक सैन्य सूत्र ने एएफपी को बताया कि 58 सैनिक, छह वायुसेना कर्मी और दो पुलिस अधिकारी मारे गए हैं। यह हादसा पेरू सीमा के पास दक्षिणी अमेजन क्षेत्र के प्यूर्टो लेगुइजामो में हुआ। रक्षा मंत्री पेड्रो सां. चेज ने बताया कि विमान रनवे से करीब 1.5 किलोमीटर दूर जाकर गिरा। विमान में 114 सैनिक और 11 क्रू मेंबर सवार थे। कोलंबिया की सेना ने बताया कि इस हादसे में करीब 80 सैनिकों के मारे जाने की आशंका है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने सैन्य विमान हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर हादसा है।

सरकार सेना को मजबूत बनाने और बेहतर सुविधाएं देने पर काम कर रही है, ताकि आगे ऐसे हादसे न हों: गुस्तावो

ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए थी और जवानों की सुरक्षा सबसे जरूरी है। सरकार सेना को मजबूत बनाने और बेहतर सुविधाएं देने पर काम कर रही है, ताकि आगे ऐसे हादसे न हों। पेट्रो ने कहा कि सेना के हथियार और संसाधनों को आधुनिक बनाने का फैसला पहले ही लिया जा चुका है, लेकिन प्रशास. निक देरी के कारण इसे लागू नहीं किया जा सका। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर नागरिक या सैन्य अधिकारी इस चुनौती के अनुरूप काम नहीं कर पाए, तो उन्हें हटाया जाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि सेना के लिए नए हेलिकॉप्टर, ट्रांसपोर्ट विमान और एंटी-ड्रोन सिस्टम तुरंत खरीदे जाने चाहिए, ताकि जवानों की सुरक्षा तय की जा सके। हादसे के बाद आसपास के गांवों के लोग तुरंत मदद के लिए पहुंच गए। कई लोग मोटरसाइकिल से घायलों को अस्पताल ले गए और आग बुझाने की कोशिश की। घायलों को पहले छोटे क्लीनिक में भर्ती किया गया, फिर उन्हें बड़े शहरों जैसे बोगोटा के अस्पतालों में एयरलिफ्ट किया गया। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने साफ किया है कि अभी तक किसी आतंकी या हमले के सबूत नहीं मिले हैं। यानी फिलहाल इसे एक हादसा ही माना जा रहा है। हादसे के बाद आग से विमान में मौजूद गोला-बारूद फटने लगा, जिससे हालात और खतरनाक हो गए। एक एविएशन एक्सपर्ट ने बताया कि यह विमान 2020 में अमेरिका ने कोलंबिया को दिया था और कुछ साल पहले इसका पूरा मेंटेनेंस (ओवरहाल) भी किया गया था। इसलिए पहली नजर में ऐसा नहीं लगता कि खराब पार्ट्स की वजह से हादसा हुआ। अब जांच में यह पता लगाया जाएगा कि टेकऑफ के तुरंत बाद विमान के इंजन क्यों फेल हो गए। सी-130 हरक्यूलिस दुनिया के सबसे भरोसेमंद सैन्य परिवहन विमानों में से एक है, जिसका इस्तेमाल सैनिकों, हथियारों और राहत सामग्री को पहुंचाने के लिए किया जाता है।

## ईरान के राष्ट्रपति व पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के बीच बातचीत

**नई दिल्ली।** ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मंगलवार को फोन पर बातचीत पश्चिमी एशिया के ताजा घटनाक्रम पर चर्चा की। दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत 23 मार्च को पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री/विदेश मंत्री इशाक डार और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच फोन पर हुई बातचीत के बाद हुई है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने नवीनतम क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर चर्चा की। उप प्रधानमंत्री/विदेश मंत्री ने क्षेत्र और उससे बाहर शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए संवाद और कूटनीति के महत्व पर जोर दिया। दोनों पक्ष बदलती स्थिति पर निकट संपर्क बनाए रखने पर सहमत हुए। मंगलवार को आई खबरों में कहा गया है कि पाकिस्तान खुद को दोनों युद्धरत पक्षों के बीच मध्यस्थ के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहा है और इस्लामाबाद में बातचीत की मेजबानी करने का प्रयास कर रहा है, हालांकि इन रिपोर्टों की कोई पुष्टि नहीं हुई है। ईरान की मेहर न्यूज़ एजेंसी (एमएनए) ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रपति पेज़ेशकियन और शहबाज शरीफ ने द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय घटनाक्रमों और अमेरिका तथा इज़रायल द्वारा किए गए अवैध हमले के क्षेत्रीय एवं वैश्विक सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों पर चर्चा की।